RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 222
नई दिल्ली, शुक्रवार, 21 जून, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

भारत ने अफगानिस्तान को हराया
स्पोर्ट्स-12

नीट के बाद अब नेट पर बवाल

● छिटपुट घटनाओं का लाखों छात्रों पर असर नहीं पड़ना चाहिए: धर्मेंद्र प्रधान

दीपक कुमार झा। नई दिल्ली/पटना

नीट-यूजी और यूजीसी नेट परीक्षा मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन करते छात्र (बाएं) और नई दिल्ली में प्रेस कांफ्रेंस में कांग्रेस नेता राहुल गांधी।

नीट विवाद से जूझ रही नरेंद्र मोदी सरकार के लिए बुधवार को यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द करना सरकार के लिए गंभीर परेशानी लेकर आया है, जिसने अभी अपना तीसरा कार्यकाल शुरू किया है और अगले सप्ताह संसद का विशेष सत्र निर्धारित है। विपक्षी नेताओं ने गुरुवार को राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) पर हमला किया और एजेंसी के साथ-साथ केंद्र सरकार पर इन परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों के भविष्य को नष्ट करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह मामला अगले सप्ताह संसद के विशेष सत्र में उठाया जाएगा।

दोनों परीक्षाएं केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित की जाती हैं और दोनों प्रवेश परीक्षाओं के पेपर लीक हो गए थे और इसलिए रद्द करने के कारण उम्मीदवारों, छात्रों, अभिभावकों द्वारा लगातार विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है, साथ ही विपक्षी दलों द्वारा हमले और मुद्दों को सुव्यवस्थित करने के लिए न्यायिक हस्तक्षेप भी हो रहा है। मेडिकल प्रवेश परीक्षा एनईईटी को फिर से आयोजित करने की विपक्ष की मांग के बीच, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार को कहा कि कदाचार की छिटपुट घटनाओं का असर उन लाखों छात्रों पर नहीं पड़ना चाहिए जिन्होंने सही तरीके से परीक्षा पास की है। उन्होंने परीक्षण एजेंसी एनटीए के कामकाज को देखने के लिए एक उच्च स्तरीय पैनल की घोषणा की।

देर शाम एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, प्रधान ने विपक्षी दलों से इस मुद्दे का राजनीतिकरण न करने की अपील की और कहा कि राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के अधिकारियों सहित दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने कहा कि एनटीए के कामकाज की समीक्षा और सुधार के लिए उच्च स्तरीय समिति जल्द ही अधिसूचित की जाएगी। जूनियर रिसर्च फेलो, सहायक प्रोफेसर और पीएचडी विद्वानों के चयन के लिए यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द करने के बारे में प्रधान ने कहा कि परीक्षा का पेपर डार्कनेट पर लीक हो गया था।

यूजीसी-नेट रद्द होने के एक दिन बाद, शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने गुरुवार को कहा कि परीक्षा के बारे में कोई शिकायत नहीं मिली है, लेकिन छात्रों के हितों की रक्षा के लिए उनके पास उपलब्ध जानकारी के आधार पर स्वत: संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की गई और नए सिरे से परीक्षा की घोषणा की जाएगी। शिक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव गोविंद जयसवाल ने कहा कि इनपुट का विवरण साझा नहीं किया जा सकता क्योंकि मामला सीबीआई को भेज दिया गया है और वर्तमान में जांच चल रही है। उन्होंने कहा, कोई शिकायत नहीं मिली लेकिन एजेंसियों से हमें जो जानकारी मिली, उससे संकेत मिलता है कि परीक्षा की शुचिता से समझौता किया गया है। छात्रों के हितों की रक्षा के लिए स्वत: संज्ञान लेते हुए यह कार्रवाई की गई।

जहां कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्ष लगातार भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर हमला कर रहा है, वहीं एनडीए के सहयोगी जेडीयू ने एनईईटी पेपर लीक में राजद का सीधा संबंध होने का आरोप लगाया है क्योंकि मामले की जांच नीतीश कुमार सरकार द्वारा शुरू की गई है। मामले में बिहार पुलिस ने 13 लोगों को गिरफ्तार किया है. वे फिलहाल पटना जेल में बंद हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दोनों प्रवेश द्वारों में कथित अनियमितताओं को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला और कहा कि चुनाव के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'मनोवैज्ञानिक रूप से ढह गए हैं' और उन्हें इस तरह की सरकार चलाने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा।

पूर्व कांग्रेस प्रमुख ने कहा, यह कहा जा रहा था कि मोदी ने यूक्रेन-रूस युद्ध और इज़राइल-गाजा युद्ध रोक दिया, लेकिन वह या तो परीक्षा पेपर लीक को रोकने में सक्षम नहीं हैं या रोकना नहीं चाहते हैं। कांग्रेस के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि नीट परीक्षा को लेकर सरकार पूरी तरह सतर्क और संवेदनशील है। उन्होंने कहा, केंद्र प्रतिबद्ध है और लाखों छात्रों के साथ कोई अन्याय नहीं होने देगा...जो भी इसके लिए जिम्मेदार हैं उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी...राहुल गांधी को लाखों छात्रों के भविष्य से कोई लेना-देना नहीं है। (शेष पेज 9)

बिहार में आरक्षण बढ़ाने का फैसला हाईकोर्ट ने रद्द किया

राजेश कुमार। पटना/नई दिल्ली

बिहार में राजनीतिक दलों को एक बड़ा झटका देते हुए पटना उच्च न्यायालय ने गुरुवार को 2023 में बिहार विधानमंडल द्वारा पारित संशोधनों को रद्द कर दिया, जिसमें सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में दलितों, पिछड़े वर्गों और आदिवासियों के लिए कोटा 50 से बढ़ाकर 65 प्रतिशत कर दिया गया था। न्यायालय ने पदों और सेवाओं (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए) में रिक्तियों का बिहार आरक्षण संशोधन अधिनियम, 2023 और बिहार (शैक्षिक संस्थानों में प्रवेश में) आरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2023 को अधिकार क्षेत्र से बाहर बताते हुए रद्द कर दिया,जो संविधान और संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 16 के तहत समानता खंड का उल्लंघन है। इस बीच, नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार ने पटना हाई कोर्ट के आदेश के बाद सुप्रीम कोर्ट जाने का फैसला किया है।

मुख्य न्यायाधीश के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति हरीश कुमार की खंडपीठ ने उन याचिकाओं के एक समूह पर फैसला सुनाया, जिन्होंने रोजगार और शिक्षा के मामलों में नागरिकों के लिए समान अवसर के उल्लंघन के रूप में अधिनियमों को चुनौती दी थी। पीठ ने अपने 87 पृष्ठों के आदेश में कहा, इसलिए हम पदों और सेवाओं (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए) में रिक्तियों के लिए बिहार आरक्षण संशोधन अधिनियम, 2023 और बिहार आरक्षण (शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश में) संशोधन अधिनियम, 2023 को अधिकारातीत नहीं मानते हैं। यह संविधान का उल्लंघन है और अनुच्छेद 14, 15 और 16 के तहत समानता खंड का उल्लंघन है। रिट याचिकाओं को पार्टियों को उनकी लागत का भुगतान करने की अनुमति दी जाती है।

इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट जाएगी और बिहार के लोगों को न्याय देगी। उन्होंने कहा, बिहार में, पिछड़े समुदायों, दलितों और आदिवासियों का आरक्षण बढ़ना चाहिए, इसलिए बिहार सरकार सुप्रीम कोर्ट जाएगी और बिहार के लोगों को न्याय देगी। एकल व्यक्ति, लालू प्रसाद यादव का मतलब आरक्षण विरोधी है, वह अपराध के समर्थक थे। इससे पहले, पटना उच्च न्यायालय द्वारा राज्य सरकार के कोटा में 65 प्रतिशत की बढ़ोतरी को रद्द करने के बाद राजद नेता तेजस्वी यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से सवाल किया था। उन्होंने कहा, हम आहत हैं और हमें पहले से ही यह संदेह था कि भाजपा आरक्षण को रोकने की कोशिश करेगी। हमने चुनाव के दौरान पहले ही कहा था कि बीजेपी वाले आरक्षण के खिलाफ हैं। आपको पता ही होगा कि जब हमने जाति आधारित सर्वे कराया तो बीजेपी के लोगों ने इसे रोकने के लिए जनहित याचिका दायर की, लेकिन अंत में हमारी जीत हुई। मुझे समझ नहीं आता कि सीएम इस पर चुप क्यों हैं। आदेश में कहा गया है, राज्य ने आरक्षण प्रतिशत में वृद्धि प्रदान करने से पहले कोई गहन अध्ययन या विश्लेषण का प्रयास नहीं किया, यह रिकॉर्ड से स्थापित है। यह कि राज्य विभिन्न श्रेणियों की जनसंख्या के मात्र अनुपात पर आगे बढ़ा, जबकि सरकारी सेवाओं और शैक्षणिक (शेष पेज 9)

केजरीवाल को शराब नीति केस में जमानत

राजेश कुमार। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बड़ी राहत देते हुए राउज एवेन्यू कोर्ट ने गुरुवार को उन्हें दिल्ली आबकारी शुल्क नीति मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत दे दी। अवकाश न्यायाधीश नियाय बिंदू ने केजरीवाल और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की दो दिनों तक सुनवाई के बाद आदेश पारित किया। केजरीवाल के शुक्रवार को जेल से बाहर आने की संभावना है। विशेष न्यायाधीश ने केजरीवाल को एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर रिहा करने का आदेश दिया। न्यायाधीश ने आदेश पारित करते हुए कहा, आरोपी को एक लाख रुपये की राशि पर जमानत दी जाती है। जमानत बांड शुक्रवार को ड्यूटी जज के सामने पेश किया जाएगा। हालाँकि, अदालत ने आप नेता को राहत देने से पहले उन पर कुछ शर्तें लगाईं, जिनमें यह भी शामिल है कि वह जांच में बाधा डालने या गवाहों को प्रभावित करने की कोशिश नहीं करेंगे। न्यायाधीश ने केजरीवाल को जरूरत पड़ने पर अदालत में पेश होने और जांच में सहयोग करने का भी निर्देश दिया।

आप नेता आतिशी ने गुरुवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत दिए जाने पर 'सत्यमेव जयते' कहकर प्रतिक्रिया व्यक्त की। आम आदमी पार्टी ने कहा कि सत्य को हराया नहीं जा सकता, केवल परेशान किया जा सकता है। अदालत ने केजरीवाल के जमानत आदेश पर 48 घंटे के लिए रोक लगाने की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका भी खारिज कर दी है। ईडी के विशेष वकील जोहेब हुसैन ने जांच एजेंसी द्वारा अपने कानूनी उपायों का इस्तेमाल करने तक आदेश पर रोक लगाने की प्रार्थना की। हालाँकि, अदालत ने रोक के अनुरोध को खारिज कर दिया।

इससे पहले दिन में, विशेष न्यायाधीश नियाय बिंदू ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की सुनवाई के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया, जिसमें केजरीवाल को अपराध की कथित आय और सह-अभियुक्तों से जोड़ने की मांग की गई थी और बचाव पक्ष ने दावा किया था कि अभियोजन पक्ष के पास इसे खत्म करने के लिए कोई सबूत नहीं है। अदालत ने मामले में बुधवार को केजरीवाल की न्यायिक हिरासत तीन जुलाई तक बढ़ा दी थी। बहस के दौरान, ईडी ने अदालत को बताया कि 7 नवंबर, 2021 को केजरीवाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान गोवा के होटल ग्रैंड हयात में रुके थे और बिल का भुगतान चनप्रीत सिंह ने किया था, जिन पर तटीय राज्य में आप के फंड का प्रबंधन करने का आरोप है।

ईडी ने कोर्ट को बताया कि होटल को दो किस्तों में 1 लाख रुपये का भुगतान किया गया था। इसका भुगतान चनप्रीत सिंह (सह-अभियुक्त) ने अपने बैंक खाते से किया था। चनप्रीत वह व्यक्ति है जिसने विभिन्न अंगड़िया से 45 करोड़ रुपये प्राप्त किए थे। अगड़िया प्रणाली एक पुरानी समानांतर बैंकिंग प्रणाली है जहां व्यापारी एक विश्वसनीय कूरियर के माध्यम से एक राज्य से दूसरे राज्य में नकदी भेजते हैं। यह आम तौर पर मुंबई और गुजरात में आभूषण व्यवसाय में प्रचलित है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से पेश एएसजी एसवी राजू ने कहा कि सह आरोपी चनप्रीत सिंह ने उद्यमियों से भारी नकद राशि प्राप्त की और अरविंद केजरीवाल के होटल में ठहरने के बिलों का भुगतान किया। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि (शेष पेज 9)

तमिलनाडु में जहरीली शराब से 39 लोगों ने गंवाई जान

कुमार चेलप्पन। चेन्नई

मंगलवार की कल्लाकुरिची शराब त्रासदी में मरने वालों की संख्या गुरुवार शाम तक 39 तक पहुंच गई और जहरीली शराब पीने वाले 100 से अधिक लोगों को जिले के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इन अस्पतालों के डॉक्टरों के अनुसार, मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है क्योंकि अस्पतालों में भर्ती कराए गए कई लोगों की हालत कथित तौर पर गंभीर है। यह सब मंगलवार रात को चेन्नई से 250 किमी दक्षिण में जिले के करुणापुरम गांव में शुरू हुआ, जब लोगों ने जहरीली शराब पीना शुरू कर दिया और उल्टी करने लगे। जिन लोगों को अस्पतालों ले जाया गया उनमें से कुछ ने अस्पताल पहुंचने से पहले ही अंतिम सांस ले ली। तमिलनाडु में जहरीली शराब के सेवन से होने वाली मौतें कोई नई बात नहीं है क्योंकि लोग शराब तस्करों से सामान खरीदना पसंद करते हैं, जिनके पास पूरे राज्य में गुप्त दुकानों का एक नेटवर्क है, जहां अरक का निर्माण और बिक्री कानून द्वारा प्रतिबंधित है।

ऐसी रिपोर्टों के बाद कि संबंधित अधिकारियों ने जिले में बड़े पैमाने पर जहरीली शराब की बिक्री के बारे में लोगों की शिकायतों को नजरअंदाज कर दिया, मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने जिला कलेक्टर को हटा दिया और जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निलंबित करने का आदेश दिया। स्टालिन ने पीड़ितों के परिवारों को 10-10 लाख रुपये और अस्पताल में इलाज करा रहे लोगों को 50,000 रुपये देने की भी घोषणा की। शराब त्रासदी के कारणों की जांच के लिए मद्रास उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश को जांच आयोग के रूप में नियुक्त किया गया है। आयोग को तीन महीने में अपनी रिपोर्ट सौंपने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उपाय सुझाने को कहा गया है। इस दुर्घटना में जो बात सामने आती है वह यह है कि केवल समाज के सबसे गरीब तबके के लोगों की जान गई है। विपक्ष के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पादी पलानीस्वामी ने तमिलनाडु सरकार से मृतकों के लिए मुआवजा राशि 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये करने का आग्रह किया। पलानीस्वामी ने कहा कि उनकी पार्टी, अन्नाद्रमुक, उन बच्चों को वित्तीय सहायता प्रदान करेगी, जिन्होंने त्रासदी में अपने माता-पिता दोनों को खो दिया है और उन्होंने द्रमुक सरकार पर जहरीली शराब की व्यापक बिक्री और खपत के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए उनकी पार्टी के विधायक की अपील को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। (शेष पेज 9)

सेबी ने रेलिगेयर को बर्मन परिवार की खुली पेशकश के लिए विनियामक अनुमोदन लेने का आदेश दिया

पीटीआई। नई दिल्ली

बाजार नियामक सेबी ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) रेलिगेयर एंटरप्राइजेज (आरईएल) को आदेश दिया है कि वह डाबर इंडिया के प्रवर्तक बर्मन परिवार की खुली पेशकश के लिए 12 जुलाई से पहले नियामक प्राधिकरणों से वैधानिक मंजूरी ले। बर्मन समूह ने रेलिगेयर के निदेशक मंडल और उसकी चेयरपर्सन रश्मि सलूजा पर खुली पेशकश में बाधा डालने का आरोप लगाया। इस बीच, रेलिगेयर ने तर्क दिया कि बर्मन परिवार अधिग्रहण के लिए उपयुक्त और योग्य नहीं है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा कि एनबीएफसी ने कोई सबूत नहीं दिखाया कि बर्मन समूह ऐसी कथित कमजोरियों से ग्रस्त है। खुली पेशकश को रोकने के बोर्ड के प्रयास पर असंतोष जताते हुए सेबी ने अपने अंतरिम आदेश में कहा कि रेलिगेयर ने स्पष्टत: शत्रुतापूर्ण तरीके से काम किया है। सेबी ने रेलिगेयर को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) और सेबी के पास अनुमोदन के लिए आवेदन करने का आदेश दिया है। इस संबंध में प्रतिक्रिया देते हुए रेलिगेयर के प्रवक्ता ने कहा, सेबी के (शेष पेज 9)

प्रचंड गर्मी से राहत पाने के लिए हर प्रयास कर रहे लोग। फाइल फोटो

दिल्ली में गर्मी से मौतों का सिलसिला जारी

सौम्या शुक्ला। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में प्रचंड गर्मी की चपेट में आने के साथ मृत्यु दर में वृद्धि देखी जा रही है। शहर में अत्यधिक गर्मी के कारण क्योंकि लगभग 210 अधिक लोगों की जान चली गई है, जिनमें से 192 बेघर लोग शामिल हैं। पिछले 24 घंटों में राम मनोहर लोहिया और सफदरजंग अस्पतालों में गर्मी से संबंधित बीमारियों के कारण कुल 22 मौतें दर्ज की गईं। इसके अलावा, बेघरों के लिए काम करने वाले गैर सरकारी संगठन सेंटर फॉर होलिस्टिक डेवलपमेंट (सीएचडी) ने दावा किया कि 11 से 19 जून तक दिल्ली में गर्मी की लहर के कारण 192 बेघर लोगों की मौत दर्ज की गई, जो पिछले साल की तुलना में 156 प्रतिशत की भारी वृद्धि है, उस दौरान 75 लोगों ने जान गंवाई थी। हल्की बारिश और अधिकतम तापमान में गिरावट के रूप में कुछ राहत के बावजूद दिल्ली पिछले कुछ दिनों से बढ़ते न्यूनतम तापमान के साथ भीषण गर्मी की स्थिति से जूझ रही है। सफदरजंग अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार गर्मी से संबंधित बीमारियों से पीड़ित 33 मरीजों को भर्ती कराया गया था। इनमें से 13 की मौत पिछले 24 घंटे में हुई। अस्पताल के एक सूत्र ने बताया कि आरएमएल अस्पताल में पिछले 24 घंटों में संदिग्ध हीटस्ट्रोक के 22 मरीज आए, जिनमें से चार की मौत हो गई।

इस बीच, शहर के मुख्य श्मशान, निगमबोध घाट पर, दाह संस्कार की संख्या में वृद्धि देखी गई है। हालाँकि, अधिकारी इस बात की पुष्टि नहीं कर सके कि क्या मौतें हीट स्ट्रोक से संबंधित थीं। निगमबोध घाट संचालन समिति के महासचिव सुमन गुप्ता ने कहा, बुधवार को निगमबोध घाट पर 142 लाशें अंतिम संस्कार के लिए लाई गईं, जो 50-60 शवों के दैनिक औसत से लगभग 136 प्रतिशत अधिक है। मंगलवार को भी यह संख्या अधिक थी जब शहर के सबसे पुराने और सबसे बड़े श्मशान घाट पर 97 शवों का अंतिम संस्कार किया गया। गुप्ता ने कहा, आम तौर पर, लगभग 50-60 शव दाह संस्कार के लिए प्रतिदिन यहां लाए जाते हैं। पिछले कुछ दिनों में यह संख्या अधिक हो गई है। आज, सुबह से 35 दाह संस्कार हो चुके हैं और दिन के अंत तक यह संख्या बढ़ सकती है।

इसके अलावा, पिछले 48 घंटों के दौरान दिल्ली के आसपास वंचित सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के 50 लोगों के शव बरामद किए गए। हालाँकि, पुलिस और स्वास्थ्य अधिकारियों ने इसकी पुष्टि नहीं की है कि इन सभी की मौत गर्मी से संबंधित कारणों से हुई है या नहीं। मामले का संज्ञान लेते हुए, दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के प्रधान सचिव आशीष कुंद्रा ने मुख्य सचिव को राष्ट्रीय राजधानी में ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं पर सक्सेना की पीड़ा के बारे में बताया। सक्सेना ने निर्देश दिया कि समाज कल्याण विभाग, डीयूएसआईबी और स्वास्थ्य के संबंधित अधिकारियों के साथ एक बैठक बुलाई जाए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि (शेष पेज 9)

भर्तृहरि महताब लोस के अस्थाई अध्यक्ष नियुक्त

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सात बार के सांसद भर्तृहरि महताब को बृहस्पतिवार को लोकसभा का अस्थाई अध्यक्ष नियुक्त किया गया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने यह जानकारी दी। रिजीजू ने कहा कि कटक से भाजपा सांसद महताब को लोकसभा के अध्यक्ष का चुनाव होने तक पीठासीन अधिकारी के रूप में कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 95 (1) के तहत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा अस्थाई अध्यक्ष (प्रोटेम) नियुक्त किया गया है। अठारहवीं लोकसभा के नवनिर्वाचित सदस्य अस्थाई अध्यक्ष के समक्ष शपथ लेंगे। रिजीजू ने बताया कि अस्थाई लोकसभा अध्यक्ष की सहायता पीठासीन (शेष पेज 9)

दुश्मनों को सबक सिखाने में कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ेंगे: मोदी

● अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में भाग लेने के लिए श्रीनगर पहुंचे प्रधानमंत्री

मोहित कंडारी। श्रीनगर

10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में भाग लेने के लिए श्रीनगर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को घोषणा की कि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू हो चुकी है। श्रीनगर में एम्पावरिंग यूथ, ट्रांसफॉर्मिंग जेएंडके कार्यक्रम में एक सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार ने हाल के आतंकी हमलों को बहुत गंभीरता से लिया है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि हम जम्मू-कश्मीर के दुश्मनों को सबक सिखाने में संकोच नहीं करेंगे। प्रधानमंत्री ने बहुप्रतीक्षित विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए कहा, जम्मू-कश्मीर के लोग स्थानीय स्तर पर अपने प्रतिनिधि चुनते हैं, उनके जरिए आप समस्याओं के समाधान के रास्ते खोजते हैं, इससे बेहतर क्या हो सकता है? इसलिए अब इसकी तैयारी है। वह समय दूर नहीं जब आप अपने वोटों से जम्मू-कश्मीर की नई सरकार चुनेंगे। वह दिन भी जल्द आएगा जब जम्मू-कश्मीर एक बार फिर एक राज्य के रूप में अपना भविष्य बेहतर बनाएगा।

जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मानित करते हुए

प्रधानमंत्री ने 12 अप्रैल को उधमपुर में एक चुनाव प्रचार रैली के दौरान इसी तरह की घोषणा की थी। हाल के चुनावों में रिकॉर्ड मतदान का उल्लेख करते हुए, प्रधानमंत्री ने लोकतंत्र में जम्मू-कश्मीर के लोगों के विश्वास की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, मैं लोकतंत्र के झंडे को ऊंचा रखने के आपके प्रयासों के लिए धन्यवाद व्यक्त करने आया हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, जम्मू-कश्मीर में परिवर्तन पिछले 10 वर्षों में सरकार द्वारा किए गए कार्यों का परिणाम है। सभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर की अपनी यात्रा के बारे में उत्साह व्यक्त किया और इसके दो विशिष्ट कारणों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, सबसे पहले, आज का कार्यक्रम जम्मू-कश्मीर में विकासात्मक परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास से संबंधित है और दूसरी बात, लोकसभा चुनाव के बाद जम्मू-कश्मीर के लोगों के (शेष पेज 9)

जेवर एयरपोर्ट के पास घर का सपना होगा साकार

छह हजार प्लॉट सस्ती दरों पर उपलब्ध कराने जा रहा यीडा , तीन लाख आय की रखी शर्त

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जेवर एयरपोर्ट (नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट) के पास अपने घर का सपना देखने वालों का इंतजार जल्द खत्म होने वाला है। यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) की सस्ती प्लॉट स्कीम पर सबकी नजर है। यीडा 6 हजार प्लॉट सस्ती दरों पर उपलब्ध कराने जा रहा है। लेकिन इस योजना के लिए वही आवेदन कर पाएंगे जिनकी वार्षिक आय 3 लाख से अधिक न हो। साथ ही किसी स्कीम में प्लॉट व फ्लैट पाने वाले आवेदनों पर भी विचार नहीं किया जाएगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास अपने मकान का सपना देखने वाले प्रदेश के लोगों के लिए यह हकीकत बन सकता है।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास जल्द ही एक प्लॉट स्कीम लाने जा रहा है, जिसमें करीब 6 हजार प्लॉट्स को सस्ती दरों पर उपलब्ध कराया जाना प्रस्तावित है। प्राधिकरण की विगत आवासीय भूखंड योजना में लगभग 1.50 लाख से अधिक आवेदकों द्वारा भूखंड आवंटन के लिए आवेदन किया गया था। इसके बाद से ही प्राधिकरण क्षेत्र के अंतर्गत आर्थिक रूप से दुर्बल एवं निम्न आय वर्ग के लिए छोटे आकार के भूखंडों का नियोजन और आवंटन किए जाने की आवश्यकता जताई जा रही है। यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के सीईओ डा. अरुणवीर सिंह ने बताया कि प्राधिकरण तेजी से इस योजना की तैयारी कर रहा है। प्राधिकरण के द्वारा सेक्टर 16, 17, 18, 20 व 22डी में 60 वर्ग मीटर से 4000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल तक के लगभग 28900 भूखंडों का आवंटन किया गया है, जिसमें इनफॉर्मल सेक्टर के लिए चिह्नित भूमि पर 30 वर्ग मीटर के भूखंडों की योजना लाई जानी प्रस्तावित है। प्राधिकरण की ओर से कोशिश की जा रही है कि छोटे प्लॉट्स आम आदमी की पहुंच में हों।

30 वर्ग मीटर के एक भूखंड का कुल प्रीमियम वर्तमान आवंटन दर पर 25,900 रुपए प्रति वर्ग मीटर के अनुसार 7 लाख 77 हजार रुपए होगा। यमुना एक्सप्रेसवे दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, आगरा, मथुरा, अलीगढ़ के बीच स्थित है। यह फरीदाबाद से भी कनेक्टिविटी प्रदान करता है। इसलिए यह स्कीम बहुत महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

इस योजना में आरक्षण का भी प्राविधान किया जाना प्रस्तावित है। इसमें सर्वाधिक 25 प्रतिशत आरक्षण उन वर्कर्स को दिया जाएगा जो यीडा द्वारा आवंटित कार्यरत औद्योगिक इकाइयों में काम कर रहे हैं। इसके साथ ही 5 प्रतिशत आरक्षण यीडा द्वारा आवंटित कार्यरत संस्थानों के कर्मचारियों को प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 5 प्रतिशत एक्स सर्विस मैन को, 5 प्रतिशत वॉर विडो, 5 प्रतिशत एससी-एसटी को, 4 प्रतिशत दिव्यांगों को आरक्षण का लाभ मिलेगा। शेष 51 प्रतिशत जनरल आवेदकों को भूखंड आवंटित किया जाएगा। आवेदक को भारत का नागरिक होना चाहिए। उसकी उम्र 18 साल से अधिक होनी चाहिए।

एक व्यक्ति एक ही आवेदन कर सकेगा। किसी भी स्कीम में प्लॉट या फ्लैट पाने वालों के आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। आवेदक की आय तीन लाख रुपए से प्रति वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

आय प्रमाणपत्र भी आवेदन के साथ अटैच होना चाहिए। साथ ही प्रदेश सरकार द्वारा निवास प्रमाण पत्र भी होना चाहिए। इसके साथ ही योजना के तहत सभी सफल आवेदकों और आवंटी 10 वर्ष तक आवंटित प्लॉट को ट्रांसफर नहीं कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त आवंटन के 60 दिनों के अंदर आवेदकों को रजिस्ट्रेशन फीस समेत टोटल प्रीमियम की 30 प्रतिशत राशि और जीएसटी (यदि देय हो तो) जमा करानी होगी। शेष 70 प्रतिशत राशि दस समान किस्तों में 10 प्रतिशत ब्याज पर चुकानी होगी।

हीटवेव का कहर- कमरे, चाय की दुकान ट्रक और सड़क के किनारे मृत मिले लोग

- नोएडा के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में नौ लोगों की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

लगातार बढ़ रहा तापमान का पारा लोगों के लिए घातक साबित हो रहा है। हीट वेव से जनपद के अलग-अलग थाना क्षेत्र में 9 लोगों की मौत हो गई। आशंका जताई जा रही है कि हीट वेव की चपेट में आने की वजह से यह मौतें हुई है।

हालांकि स्वास्थ्य विभाग ने हीट वेव से मौत होने की पुष्टि नहीं की है। थाना सूरजपुर क्षेत्र में तीन लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। थाना क्षेत्र के जुनपत गांव में किराए पर रहने वाला सुनील कुमार अपने कमरे में मृत पड़ा हुआ मिला।

पड़ोसियों ने बताया कि बाहर से आने के बाद वह अपने कमरे में चला गया था और इसके बाद वह बाहर नहीं निकला। शाम के समय पड़ोसियों ने जब दरवाजा खटखटा है तो वह अंदर से बंद था इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई मौके पर पहुंची पुलिस को सुनील कुमार मृत पड़ा हुआ मिला।

इसी थाना क्षेत्र के संतोष नगर तिलपता गांव में चाय की दुकान के बाहर दिनेश मिश्रा पुत्र लक्ष्मी मिश्रा मृत अवस्था में पड़ा हुआ मिला। तिलपता कंटेनर डिपो के पास लाइन में लगे चालक की मौत हो गई। देर रात चालक ने अपना ट्रक कंटेनर डिपो के बाहर लाइन में लगाया था। आज सुबह जब दूसरे ड्राइवर ने ट्रक आगे बढ़ाने के लिए कहा तो उन्हें चालक मृत पड़ा हुआ मिला।

मृतक की पहचान नितेश कुमार पुत्र जोशी प्रसाद के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। थाना सेक्टर-63 क्षेत्र के चोटपुर कॉलोनी में रहने वाले महेंद्र कुमार पुत्र चरित्र प्रजापति को कमजोरी में चक्कर आने की शिकायत पर परिजनों ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। इसी थाना क्षेत्र के गांव में चाय की दुकान के पास एक व्यक्ति को बेहोश पड़ा देखकर लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने उक्त व्यक्ति को सरकारी अस्पताल पहुंचा है जहां चिकित्सकों से मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान पुरुषोत्तम कुमार के रूप में हुई है। थाना फेस-1 क्षेत्र के सेक्टर-8 में एक व्यक्ति सड़क किनारे मृत अवस्था में पड़ा हुआ मिला।

मृतक की पहचान सुनील कुमार पुत्र बाबू नारायण निवासी बिहार के रूप में हुई है। इसी थाना क्षेत्र में राजीव पाठक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।

थाना जारचा क्षेत्र के एनटीपीसी में ड्राइवर के रूप में कार्यरत जयपुर राजस्थान निवासी सुरेंद्र सिंह पुत्र हनुमान सिंह की तबीयत बिगडने पर उसे अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसने दम तोड़ दिया। आशंका जताई जा रही है कि गर्मी की वजह से सुरेंद्र सिंह की मौत हुई है।

वहीं थाना ईकोटेक-3 क्षेत्र में ककोड़ बुलंदशहर निवासी राकेश पुत्र हरमन की मौत हो गई आशंका जताई जा रही है कि हीट वेव की चपेट में आने की वजह से इन लोगों की मौत हुई है। मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

गाजियाबाद में मिले 4 लोगों के शव

गाजियाबाद। विभिन्न थाना क्षेत्रों में चार लोगों के शव मिलने के बाद घटनास्थलों के आस-पास सनसनी फैल गई। उक्त अपराधिक घटनाओं की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची संबंधित थानों की पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिये भिजवाकर उनकी मौत की गुत्थी सुलझाने के प्रयास शुरू कर दिये। पुलिस के मुताबिक दो लोगों के शव जहां इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर मिले वहीं एक शव टीला मोड़ व एक शव शाली मार गार्डन थाना क्षेत्र में मिले।

10 हजार किसानों को मिलेगा अतिरिक्त मुआवजा

- प्राधिकरण खर्च करेंगा 355 करोड़ रुपये

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा के 10 हजार किसानों के लिए उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने बड़ा तोहफा दिया है। ग्रेनो के इन 10 हजार किसानों को 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजा राशि का वितरण दीपावली से पहले कर दिया जाएगा।

यमुना एक्सप्रेस-वे और जेपी इन्फ्राटेक को दी गई 2500 हेक्टेयर भूमि के अधिग्रहण से प्रभावित लगभग 10,000 किसानों को दीपावली से पहले 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजा राशि का वितरण किया जाएगा। इस राशि के वितरण के लिए, सुरक्षा रियल्टी ने 30 सितंबर तक यमुना प्राधिकरण को 490 करोड़ रुपये का भुगतान करना होगा, जो किसानों को दिए जाने वाले कुल मुआवजे का 29 प्रतिशत है। शेष 21 प्रतिशत राशि, यानी 355 करोड़ रुपये, यमुना प्राधिकरण अपने खजाने से खर्च करेगा। यह प्रस्ताव यमुना प्राधिकरण की आगामी बोर्ड बैठक में रखा जाएगा। एनसीएलएटी ने जेपी इंफ्राटेक के अधिग्रहण के बाद सुरक्षा रियल्टी को निर्देश दिया था कि वह किसानों को 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजा राशि के वितरण के लिए यमुना प्राधिकरण को 1334.31 करोड़ रुपये का भुगतान करे। यह राशि चार वर्षों में देनी होगी।

इस बोर्ड बैठक में 37 अन्य एजेंसियों पर भी विचार किया जाएगा, जिनमें अमिताभ कांत समिति की सिफारिशों को लागू करना, बिल्डरों द्वारा आवेदन न करने पर आंशिक लीज डीड रद्द करना, और खरीदारों को अनापत्ति देने में बिल्डरों की मनमानी पर रोक लगाना शामिल है।

बिजली कटौती पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाला गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में बिजली कटौती से आक्रोशित युवक ने सोशल मीडिया पर पीएम मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ पर आपत्तिजनक टिप्पणी करना एक शख्स को भारी पड़ गया।

पुलिस ने युवक को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया है। इंदिरापुरम क्षेत्र के हिमांशु कौशिक ने 19 जून को अपने एक्स अकाउंट पर वसुंधरा इलाके में बिजली कटौती होने की बात लिखी। हिमांशु ने इस पोस्ट में पीएम-सीएम के लिए आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया। हिमांशु ने ऐसा पहली बार नहीं किया। वो 5 जून से लगातार बिजली कटौती और अन्य मुद्दों को लेकर पीएम-सीएम के लिए आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग कर रहा था। इंदिरापुरम सर्किल के एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया, सोशल मीडिया पर वायरल ट्वीट का संबंध इन्दिरापुरम के वसुन्धरा चौकी क्षेत्र से है। इसमें ट्वीट करने वाले ने प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री पर अशोभनीय भाषा का प्रयोग किया गया है। युवक को हिरासत में ले लिया गया था।

हिमांशु कौशिक

युवकों ने महिला का नहाते हुए वीडियो बनाया, मामला दर्ज

- पीड़िता को ब्लैकमेल कर रहा था आरोपी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मोदीनगर निवाड़ी थानाक्षेत्र के एक गांव में तीन युवकों ने पहले महिला का नहाते हुए वीडियो बनाया। अब युवक महिला को ब्लैकमेल करने का प्रयास कर रहे और मोबाइल पर अश्लील मैसेज भेज रहे हैं।

महिला की तहरीर पर पुलिस ने गांव के ही तीन युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। एक गांव निवासी एक युवक अपनी पत्नी के साथ रहते है। युवक डयूटी करने के लिए बाहर जाता है और महिला घर पर अकेली रहती है। महिला का आरोप है कि गांव के ही तीन युवक पड़ोसी की छत पर जाकर मेरे नहाते हुए का वीडियो बना लिया है। अब वे लोग वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर रहे है।महिला का कहना है कि अगर आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई तो वह आत्महत्या कर लेगी।

ट्रक-बस की कैंटर से टक्कर, ड्राइवर की मौत

नोएडा। दनकौर कोतवाली क्षेत्र में स्थित रेलवे रोड पर गुरुवार की सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। एक कैंटर सामने से आ रही बस और ट्रक से जा टकराई। इस हादसे में कैंटर के चालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि अन्य वाहनों में सवार लोगों को सामान्य चोट आई है।

मौके पर पहुंची पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद मृतक को केबिन से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। समाचार लिखे जाने तक इस मामले में मृतक ड्राइवर के परिवार की तरफ से कोई केस दर्ज नहीं कराया गया था।

गाजियाबाद में दुष्कर्म पीड़ित छात्रा ने दी जान

- इंस्टाग्राम दोस्त होटल के कमरे में ले गया, विरोध करने पर बेल्ट से पीटा, पुलिस ने आरोपी को पकड़ा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में दुष्कर्म पीड़िता नाबालिग छात्रा ने फांसी लगाकर जान दे दी। एक दिन पहले ही इस छात्रा से इंस्टाग्राम दोस्त ने होटल के कमरे में दुष्कर्म किया और विरोध करने पर पिटाई करके उसको घायल कर दिया था।

इससे आहत होकर छात्र ने ये कदम उठा लिया। पुलिस ने आरोपी लड़के को गिरफ्तार कर लिया है। जिस होटल में छात्र के साथ दुष्कर्म हुआ उसके मालिक और मैनेजर को भी पुलिस ने कस्टडी में ले लिया है। कस्बा मोदीनगर में रहने वाली छात्रा की दोस्ती कुछ दिनों पहले इंस्टाग्राम पर मोदीनगर के ही हिमांशु सोनी नामक लड़के से हुई थी। हिमांशु ने छात्र को मिलने के बहाने बुलाया और उसकी एक होटल पर ले गया। होटल के कमरे में हिमांशु ने छात्रा से दुष्कर्म किया। छात्र ने विरोध किया, तो आरोपी ने पिटाई कर दी। इसके बाद वह जान से मारने की धमकी देकर वहां से फरार हो गया। छात्रा ने घर पहुंचकर परिजनों को पूरा प्रकरण बताया। मोदीनगर थाना पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपी हिमांशु सोनी को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद छात्रा का मेडिकल परीक्षण कराया गया। जिसमें रेप की पुष्टि हो गई। परिजनों के अनुसार, शाम करीब 6 बजे लड़की अपने कमरे में चली गई। रात 8 बजे के आसपास जब वह बाहर नहीं निकली तो परिजनों ने दरवाजा खटखटाया। अंदर से कोई आवाज नहीं आने पर जब दरवाजे को तोड़ा गया तो लड़की की लाश पंखे पर फांसी से लटकी हुई थी।

संक्षिप्त समाचार

25 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा में थाना सेक्टर-113 पुलिस और 25 हजार के इनामी बदमाश के बीच में मुठभेड़ हो गई। इस पुलिस मुठभेड़ में इनामी बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया। बदमाश का एक साथी मौके से फरार हो गया। बदमाश एक शातिर किस्म का लुटेरा है, जिसकी पुलिस लंबे समय से तलाश कर रही थी। दरअसल थाना सेक्टर-113 पुलिस के द्वारा एफएनजी रोड पर पुस्ता के पास चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर दो लोग आते हुए दिखाई दिए। जिन्हें पुलिस ने रुकने का इशारा किया। पुलिस ने जब उनका पीछा करने की कोशिश की तो इन लोगों ने पुलिस पर फायरिंग करनी शुरू कर दी। पुलिस द्वारा भी जवाबी कार्रवाई करते हुए फायरिंग की गई, जिसमें एक बदमाश के पैर में गोली लग गई। गोली लगने से वह घायल हो गया। बदमाश की पहचान प्रकाश उर्फ चूहा के रूप में हुई। बदमाश का साथी मनीष निवासी कल्याणपुरी मौके से फरार हो गया है।

गौतबुद्धनगर में पक्षी सारस की गणना शुरू

नोएडा। उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य पक्षी सारस की पूरे प्रदेश में 20 जून से गणना शुरू हो गई है। योगी सरकार का निर्देश के बाद उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में सारस की गिनती शुरू कर दी गई है। वहीं उत्तर प्रदेश के जनपद गौतमबुद्धनगर में राज्य पक्षी सारस की गणना 21 जून को की जाएगी। यह गणना हर साल दो बार होती है। इस गणना के लिए जनपद के प्रभागीय वन अधिकारी पीके श्रीवास्तव को ऑर्डिनेटर है। वहीं वनरक्षक गणना टीम का लीडर होंगे। इस गणना में स्कूल, कॉलेज, प्रकृति प्रेमी तथा एनजीओ भी भाग ले सकते हैं। यह गणना आज सुबह 6:00 से 8:00 बजे तथा शाम को 4:00 बजे से 6: 00 बजे तक होनी प्रस्तावित है। दोनों पारी की गणना में जो भी संख्या अधिक होगी उसे वास्तविक मान जाएगा। बता दें कि उत्तर प्रदेश में पिछले वर्ष 2023 में सरसों की संख्या 19522 थी। जबकि वर्ष 2022 में 19188 तथा वर्ष 2021 में 17329 थी।

पुलिस का नशे के खिलाफ अभियान जारी

नोएडा। पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्ध नगर में पुलिस और नारकोटिक्स टीम ने पिछले कुछ माह में पौने दो अरब के ड्रग्स, गांजा और ई-सिगरेट बरामद की है। इस दौरान 400 से ?यादा तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। इस दौरान पुलिस ने कई बड़ी ड्रग्स फैक्ट्री भी पक?ी, जहां से भारी मात्रा में एमडीएम ड्रग्स बरामद हुआ और विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। गौतम बुध नगर में नशा माफिया लगातार सक्रिय थे, जो कॉलेज व यूनिवर्सिटी के छात्रों को नशे का माल सप्लाई कर उन्हें नशे की गर्त में डाल रहे थे। इसी के बाद नोएडा की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। इस दौरान नारकोटिक्स सेल का गठन हुआ। एक नवंबर से इस अभियान की शुरुआत हुई। जिसके बाद नशा माफिया की धर पकड़ शुरू हो गई। नवंबर से लेकर अब तक पुलिस कमिश्नरेट गौतम बुद्ध नगर ने 400 से ज्यादा नशे के सौदागरों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान इन लोगों के कब्जे से पौने दो अरब रुपए का नशे का माल बरामद किया गया है। इस दौरान नारकोटिक्स अधिनियम के अन्तर्गत 400 से ज्यादा आरोपियों की गिरफ्तारी करते हुए लगभग 1700 किलो गांजा बरामद हुआ है।

भूमाफिया ने धोखाधड़ी से बेची जमीन

नोएडा। गांव नलगढा में भू-माफिया ने एक कंपनी के मालिक के साथ धोखाधड़ी कर दी। भूमाफियाओं ने कंपनी मालिक को साल 2014 में चार प्लॉट बेचे और बाद में षड्यंत्र रचकर चारों प्लॉट के बैनामे किसी और के नाम करा दिए। पीड़ित कंपनी मालिक की शिकायत पर थाना सेक्टर-142 में दो जालसाजों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। कंपनी डायरेक्टर विवेक कुमार बंसल ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसने अपनी कंपनी के लिए विकासपुरी नई दिल्ली निवासी विक्रम सरीन से नोएडा के नलगाडा गांव में चार आवासीय प्लॉट वर्ष 2014 में खरीदे थे। विक्रम सरीन के साथ कॉलोनी काटते समय रमेश पंवार उसका पार्टनर था। प्लॉटों का सौदा तय करते समय रमेश पंवार भी मौके पर मौजूद था और उसने बताया कि जमीन बिल्कुल ठीक है और उसे भविष्य में कोई परेशानी नहीं होगी।

नोएडा वासियों के साथ आज योगाभ्यास करेंगे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा

10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

पायनियर समाचर सेवा। नोएडा

सेक्टर-21ए स्थित नोएडा इंडोर स्टेडियम

10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शुक्रवार को सेक्टर-21ए स्थित नोएडा इंडोर स्टेडियम में योग दिवस मनाया जाएगा।

इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद जेपी नड्डा मौजूद रहेंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि के तौर पर उत्तर प्रदेश के लोक निर्माण विभाग के राज्यमंत्री तथा प्रभारी मंत्री कुंवर ब्रजेश सिंह, गौतमबुद्धनगर के सांसद डा. महेश शर्मा, नोएडा के विधायक पंकज सिंह भी मौजूद रहकर योगाभ्यास करेंगे। योग दिवस के आयोजक भारतीय जनता पार्टी के नोएडा महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने यह जानकारी दी है।

गुप्ता ने बताया कि शुक्रवार को प्रातः 6.30 बजे नोएडा इंडोर स्टेडियम में योग दिवस आयोजित होगा। इस मौके पर नोएडा एंटरप्रिन्योर्स एसोसिएशन, भारत विकास परिषद, अग्रवाल मित्र मंडल के पदाधिकारी भी कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। वहीं भारतीय जनता पार्टी के महामंत्री उमेश त्यागी, गणेश जाटव समेत सभी पदाध्किारी तथा सभी प्रकोष्ठों एवं मंडलों के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।

आरडब्ल्यूए की बड़ी पहल, योग दिवस पर शुरू करेगा अनोखा अभियान

नोएडा। नोएडा शहर में रहने वाले लोगों के लिए खुशखबरी है। दरअसल नोएडा की एक आरडब्ल्यूए ने एक अनोखी पहल की है, जिसकी तारीफ पूरे प्रदेश में हो रही है। नोएडा में 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जहां समूचा नोएडा योगाभ्यास करेगा। वहीं इस विशेष दिन पर नोएडा के सेक्टर-55 में आरडब्ल्यूए एक नायाब व सराहनीय पहल कर रहा है। जिसके तहत सेक्टरवासियों तथा शहरवासियों को सफाई के प्रति जागरूक करने के लिए घर का कचरा लाओ, घरेलू सामान ले जाओ अभियान का भी शुभारंभ किया जाएगा। आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष सत्यनारायण गोयल तथा महासचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य लोगों को प्लास्टिक कचरे के प्रति जागरूक करना है। सभी लोग अपने घर के प्लास्टिक कचरे को एकत्रित करके आरडब्ल्यूए में मौजूद कलेक्शन सेंटर पर जमा करवा दें। इसके बदले घर में प्रयोग होने वाला सामान ले जाएं। इससे न सिर्फ पर्यावरण सुरक्षित रहेगा। बल्कि सभी प्लास्टिक के पुनर्चक्र के महत्व को भी समझेंगे। उन्होंने बताया कि बारातघर में हिन्दुस्तान लीवर के गृह उपयोगी सामान, मामाज के अर्थ के उत्पाद मसलन फ्लोर क्लीनर आदि की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। अग्रवाल ने बताया कि शुक्रवार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सेक्टर-55 में भी योग दिवस मनाया जाएगा जिसमें सभी सेक्टरवासी शामिल होंगे।

ठगी के आरोप में बैंक के मैनेजर समेत दो गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

साइबर क्राइम पुलिस ने शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 48.50 लाख की ठगी करने वाले गैंग के दो शातिर साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। जिसमें एक्सिस बैंक के जूनियर मैनेजर भी शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से मोबाइल बरामद किए हैं।

साथ ही इनके खातों में 3.25 लाख रुपए फ्रीज कराए गए हैं। इस मामले में 16 अप्रैल को मुकदमा दर्ज किया गया था। साइबर क्राइम की टीम गिरोह में शामिल मास्टरमाइंड और अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। दरअसल साइबर क्राइम पुलिस ने ऋषभ मिश्रा और धीरज पोरवाल को सेक्टर-41 से गिरफ्तार किया है। मिश्रा सेक्टर-25 स्थित जलवायु विहार के एक्सिस बैंक में जूनियर मैनेजर के पद पर काम कर रहा था। वहीं आरोपी धीरज पोरवाल फर्जी फर्म का संचालक है।

साइबर सेल के एसीपी विवेक रंजन राय ने बताया कि फर्जी ट्रेडिंग प्लेटफार्म बनाकर साइबर जालसाजों ने कुछ दिन पहले नोएडा के एक शख्स से शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 48.50 लाख रुपए की ठगी की थी। मामले की तफतीश के दौरान पता चला कि दोनों जालसाज अपने गिरोह के सदस्यों के साथ फर्जी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से धोखाधड़ी करते थे।

प्रधान के बेटे की दबंगई बाइक चालक को पीटा

नोएडा। छोलस गांव के प्रधान के बेटे ने युवक को बाइक की टक्कर मारने के बाद दबंगई दिखाते हुए उसकी जमकर पिटाई कर दी।

ग्राम प्रधान के चार बेटों के खिलाफ थाना जारचा में मुकदमा दर्ज कराया गया है। फिरोज पुत्र शरीफ कुरैशी ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि वह 18 जून को अपने घर से सामान लेने के लिए जा रहा था। रास्ते में ग्राम प्रधान अथर अली के छोटे बेटे शोएब ने अपनी बाइक से उसे टक्कर मार दी। इसके बाद वह अपने घर चला आया कुछ देर बाद शोएब अपने भाई गफ्फार अली, सिमी, गाजी के साथ उसके घर आया और गाली गलौज शुरू कर दी। फिरोज के मुताबिक चारों आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की।

प्राधिकरण बनाएगा एनिमल शेल्टर और अस्पताल

- सीईओ लोकेश एम ने प्रस्तावित स्थल का किया निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

एनिमल शेल्टर का निरीक्षण करते सीईओ लाकेश एम।

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने सेक्टर-117 में बीमार एवं निराश्रित पशुओं के रखरखाव और इलाज के लिए प्रस्तावित एनिमल शेल्टर और अस्पताल स्थल का निरीक्षण किया। यह एनिमल शेल्टर और अस्पताल 16600 वर्ग मीटर भूमि में सेक्टर-117 में नोएडा प्राधिकरण द्वारा बनाया जायेगा। इसमें डॉग्स के लिए कैनाल, ऑपरेशन थिएटर, स्टरलाइजेशन की सुविधा, डॉग्स की बर्थ कंट्रोल की सुविधा रहेगी एवं एनिमल शेल्टर से नोएडा शहर की सड़कों पर घूमने वाले निराश्रित गोवंश और कुत्तों पर नियंत्रण रखा जा सकेगा। सेंटर के संचालन के लिए एजेंसी का चयन टेंडर या ऋनक्क माध्यम किया जाएगा। सीईओ लोकेश एम ने बताया कि यह एनिमल शेल्टर एवं अस्पताल एनसीआर का सबसे उत्कृष्ट, एडवांस लेटेस्ट तकनीक पर आधारित होगा, जिसमें पशुओं का नवीनतम तकनीक से इलाज, ऑपरेशन एवं भोजन, पानी की समस्त सुविधा उपलब्ध होगी। सेंटर के संचालन के लिए एजेंसी का चयन टेंडर या ऋनक्क माध्यम किया जाएगा। चयन की गई एजेन्सी एजेंसी द्वारा एनिमल शेल्टर एवं अस्पताल के संचालन हेतु समस्त व्यय जैसे तैनात स्टाफ का वेतन, विद्युत व्यय, दवाइयों का व्यय, भोजन आदि समस्त व्यय अपने स्वयं से करेगी। रोजमर्रा के सभी कार्य यथा स्वास्थ्य उपचार, निगरानी, भोजन, पानी की आपूर्ति, वेंटिलेशन और प्रकाश व्यवस्था, मृत पशुओं का निस्तारण और जानवरों का रिकॉर्ड रखने का भी काम करेगी। एजेंसी द्वारा सभी बीमार और निराश्रित पशुओं को एंबुलेंस द्वारा अस्पताल तक ले जाया जाएगा और उनका इलाज निशुल्क किया जाएगा।

पैसा देते ही कैसे मिल रहे पानी के टैंकर : सचदेवा

जल संकट — आप जिम्मेदारी से भागती है चाहे दिल्ली सरकार हो या फिर निगम : हर्ष

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जल संकट को लेकर प्रदेश भाजपा ने एक बार फिर केजरीवाल सरकार पर जमकर हमला बोला है। भाजपा नेताओं ने कहा कि यह दुखद है कि पिछले 10 साल से दिल्ली सरकार की अकर्मण्यता एवं भ्रष्टाचार के चलते जहाँ दिल्ली का विकास ठप्प रहा है तो वहीं आज लोग विशेषकर गरीब अपना रोजमर्रा का काम धंधा छोड़ कर एक-एक बाल्टी पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि आप सरकार की शह पर पानी की चोरी और बर्बादी हो रही है और केजरीवाल सरकार पानी चोरी कराकर सीनाजोरी कर रही है। भाजपा के शीर्ष नेताओं ने कहा है की दिल्ली सरकार लगातार भ्रम फैला रही है की हरियाणा दिल्ली को पूरा पानी नहीं दे रहा है और हिमाचल प्रदेश से मिल सकने वाले अतिरिक्त जल को भी बाधित कर रहा है जो सब एक झूठ है, तथ्यों से बहुत दूर है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा, केन्द्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, सासंद मनोज तिवारी, रामवीर सिंह बिधूड़ी, योगेंद्र चंदोलिया, बाँसुरी स्वराज ने बृहस्पतिवार को संयुक्त पत्रकार सम्मेलन में कहा कि केजरीवाल सरकार की झूठी ब्यानबाजी के बाद भाजपा नेताओं ने हरियाणा सरकार के मुख्य मंत्री नायब सिंह सैनी से बात की तो जो तथ्यात्मक आंकड़े एवं जानकारी सामने आई उसे मीडिया से साझा की। साथ ही कहा कि हरियाणा से पानी सप्लाई को लेकर झूठे भ्रमात्मक प्रचार के लिए वे दिल्ली सरकार की आलोचना की।

उन्होंने कहा कि दो वर्ष पूर्व तक जब जब दिल्ली सरकार पानी चोरी एवं बर्बादी रोकने में अपनी असफलता के चलते गर्मियों में पूरा पानी देने में विफल रही है तो हरियाणा एवं पंजाब पर दोष मढ़ती रही पर इस वर्ष केवल हरियाणा पर दोष मढ़ रही है। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार है तो उससे अतिरिक्त पानी ना मांग कर हिमाचल प्रदेश से अतिरिक्त जल मांग रही है जो केवल एक राजनीतिक नौटंकी है।

भाजपा नेताओं ने दिल्ली सरकार से सवाल किया कि अगर जल संकट है और पानी की कमी है तो पैसा देते ही हर नुक्कड़ पर पानी टैंकर और पानी के 20 लीटर कैन धड़ल्ले से कैसे मिल रहे हैं। यह कहना अतिशयोक्तिपूर्ण नहीं होगा की दिल्ली में जल की कोई कमी नहीं है बल्कि केजरीवाल सरकार उपलब्ध जल की काला बाजारी करवा रही है।

सचदेवा ने केन्द्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा एवं अन्य सांसदों की मौजूदगी में हरियाणा सरकार से प्राप्त तथ्यों को सार्वजनिक किया। उन्होंने वर्ष 2018 में भी केजरीवाल सरकार ने इसी तरह हरियाणा एवं पंजाब राज्यों पर दिल्ली को पूरा जल ना देने के आरोप लगाये थे। आरोप लगाती केजरीवाल सरकार अपर यमुना रिवर बोर्ड के समक्ष गई और जांच के बाद यमुना बोर्ड ने फैसला दिया की दिल्ली सरकार का आरोप झूठा है और हरियाणा दिल्ली को संबोधित समझौते अनुसार पूरा जल सप्लाई कर रहा है।

वर्ष 2021 में फिर जल संकट पर पड़ोसी राज्य हरियाणा दोषारोपण किया और फिर इस मामले को सर्वोच्च न्यायालय को ले गई। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा स्थापित समिति ने जांच की और रिपोर्ट आई कि हरियाणा समझौता अनुसार पूरा पानी दे रहा है। सचदेवा ने कहा कि इस वर्ष अप्रैल से ही जल की कमी सामने आने लगी और भाजपा ने मामले की जांच कर पाया कि ना हरियाणा से आने वाले कच्चे पानी की कमी है ना ही शुद्ध किये पेयजल की। इसके बाद भी भी चारो तरफ पानी के लिए हाहाकार है। मई 2024 के अंत तक भाजपा ने स्थापित कर दिया कि पाइप लाइन से लीकेज एवं सरकार द्वारा संरक्षित जल टैंकर्स माफिया की लूट जल समस्या के लिए केजरीवाल सरकार जिम्मेदार है। 6 जून को दिल्ली सरकार की अर्जी पर अपर, यमुना रिवर बोर्ड की 62वीं ओचक बैठक हुई जिसकी सुनवाई 9 जून तक चली और पूरी जांच के बाद यमुना बोर्ड ने फैसला सुनाया कि दिल्ली को आज भी हरियाणा से समझौता कोटा 924 क्यूसेक से कहीं अधिक 1050 क्यूसेक पानी मिल रहा। मनोज तिवारी ने कहा कि पानी की किल्लत पिछले कई दिनों से है तो उसके लिए विधानसभा का विशेष सत्र क्यों नहीं बुलाया गया।

फोटो: रंजन डिमरी
प्रेस वार्ता के दौरान प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेव, साथ में मंत्री हर्ष मल्होत्रा व सांसद रामबीर सिंह बिधूड़ी, मनोज तिवारी, बांसुरी स्वराज।

आतिशी का आमरण अनशन आज से : संजय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि भाजपा, केंद्र व हरियाणा सरकार से दिल्ली के हक का पानी देने की गुहार लगाकर थक चुकीं जल मंत्री आतिशी शुक्रवार से अनिश्चितकालीन अनशन करेंगी। सिंह ने इस मुद्दे पर विपक्षी गठबंधन इंडिया से समर्थन देने की गुहार लगाई है।

संजय सिंह ने बृहस्पतिवारा को संवाददाता सम्मेलन में जल सकंट के लिए भारतीय जनता पार्टी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, वे प्रदर्शन और नाटकबाजी करते हैं। अगर वे वास्तव में चाहते हैं कि दिल्ली को पानी मिले तो उन्हें हरियाणा भवन के बाहर प्रदर्शन करना चाहिए। जल मंत्री आतिशी भाजपा शासित राज्य हरियाणा से दिल्ली के हिस्से का पानी लेने के लिए 21 जून से अनिश्चितकालीन अनशन शुरू करेंगी। उन्होंने कहा, वह इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस के घटक दलों से अपील करते हैं कि वे इस लड़ाई में उनका साथ दें। हम हरियाणा से अपने हिस्से का पानी मांग रहे हैं।

सीएम केजरीवाल को जमानत मिलने पर आप नेताओं ने कहा, सत्यमेव जयते

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आतिशी

संदीप पाठक

राघव चड्ढा

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत मिलने के बाद आम आदमी पार्टी के नेताओं में खुशी की लहर दौड़ गई है।

मंत्री आतिशी ने खुशी जाहिर की और कहा सत्यमेव जयते। राज्यसभा सांसद डॉ. संदीप पाठक ने ट्वीट कर कहा कि जाको राखे साइयाँ मारि न सके कोय। बाल न बाँका करि सके जो जग बैरी होय।

राघव चड्ढा ने कहा सत्य परेशान हो सकता है लेकिन पराजित नहीं। न्याय की जीत है सच्चाई की जीत है। आतिशी ने एक्स पर कहा सत्यमेव जयते तो आम आदमी पार्टी ने कहा कि सत्य को पराजित नहीं किया जा सकता, केवल परेशान किया जा सकता है। पार्टी ने एक्स पर कहा, सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं किया जा सकता। भाजपा की ईडी की तमाम आपत्तियों को खारिज करते हुए न्यायालय ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी को जमानत दे दी है। अदालत ने आप नेता को एक लाख रुपए के निजी मुचलके पर राहत दी।

अदालत ने 48 घंटे के लिए आदेश पर रोक लगाने के ईडी के अनुरोध को भी खारिज कर दिया। इस तरह वह एक बार फिर जेल से बाहर आ जाएंगे। इससे पहले पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को लोकसभा चुनाव के लिए अंतरिम जमानत दी थी।

पानी की कमी केवल आंतरिक कुप्रबंधन का कारण : डॉ. यादव

- बोले, दिल्ली सरकार के हरियाणा पर कम पानी देने के आरोप निराधार और तथ्यों से परे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

हरियाणा के सिंचाई एवं जल संसाधान राज्य डॉ अभय सिंह यादव ने दिल्ली सरकार के आरोपों को नकारते हुए स्पष्ट किया है कि हरियाणा दिल्ली को उसके हिस्से का पूरा पानी दे रहा है।

राजधानी में पानी की किल्लत केवल दिल्ली की आंतरिक खराब व्यवस्था के कारण है। हरियाणा पानी पर राजनीति नहीं करता क्योंकि हम पानी को पानी की आवश्यकता के रूप में देखते है। राष्ट्रीय राजधानी को पानी मिले यह सबकी जिम्मेदारी है। हरियाणा दिल्ली को पानी देने में कोई कमी नहीं कर रहा है। मंत्री ने दावा किया कि निर्धारित 719 क्यूसेक से अधिक 1050 क्यूसेक पानी हरियाणा दिल्ली को दे रहा है।

डॉ अभय सिंह यादव ने दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में संवाददाता सम्मेलन में आकंड़ो के साथ हरियाणा द्वारा दिल्ली को दिए जा रहे जलापूर्ति की जानकारी दी। इस अवसर पर सिंचाई विभाग के आयुक्त एवं सचिव पंकज अग्रवाल, ईआईसी वीरेन्द्र सिंह, अधीक्षक अभियंता वाईडब्ल्यूएस दिल्ली तरूण अग्रवाल व एक्सईएन दिल्ली मंजीत सिंह भी उपस्थित थे। सिंचाई राज्य मंत्री ने कहा कि पानी को लेकर दिल्ली सरकार राजनीतिक नौटंकी कर रही है। समय-समय पर अलग-अलग एजेंसियों की ओर से बार-बार सत्यापन किया गया है। हरियाणा द्वारा दिया गया डाटा सही पाया गया है। एक भी एजेंसी यह नहीं कह सकती कि हरियाणा ने पानी कम दिया है। दिल्ली सरकार अपने कुप्रबंधन को ठीक करने की बजाय बार-बार हरियाणा पर आरोप लगा रही है। हरियाणा नियमित रूप से पानी की पूर्ण अधिकृत हिस्सेदारी की आपूर्ति कर रहा है। मुनक हेड पर दिल्ली के लिए 1050 क्यूसेक पानी लगातार छोड़ रहा है और दिल्ली संपर्क बिंदु बवाना प्वाइंट पर यूवाईआरबी द्वारा तय 924 क्यूसेक से अधिक पानी दिया जा रहा है।

एनएसयूआई का शिक्षा मंत्री के घर के बाहर प्रदर्शन

- नीट-नेट परीक्षा में कथित अनियमितता का मामला तूल पकड़ा, छात्रों ने की नारेबाजी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नीट-नेट परीक्षा में कथित अनियमितता का मामला तूल पकड़ लिया है। मामले में राजनीति भी तेज हो गई है। इस मुद्दे को लेकर एनएसयूआई ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के आवास के बाहर नकली नोटो के साथ विरोध प्रदर्शन।

इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने जमकर नारेबाजी की और नीट-यूजी परीक्षा में हुई अनियमितताओं की जांच की भी मांग की। पुलिस ने एनएसयूआई नेताओं और कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया है। बाद में उन्हें छोड दिया। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) के सदस्य राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी के नेतृत्व में प्रधान के आवास के बाहर अन्य छात्रों ने प्रदर्शन किया। नीट और नेट परीक्षा में कथित घोटाले के खिलाफ अपने विरोध को दर्शाने के लिए नकली नोट हवा में उछाले। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) पर प्रतिबंध लगाने और पेपर लीक की कथित घटनाओं की जांच की मांग की।

नीट और नेट में अनियमितता के दोषियों पर हो कार्रवाई : एबीवीपी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अनियमितता के चलते यूजीसी नेट की परीक्षा रद्द होने के साथ ही देश भर के छात्रों में संदेह, भ्रम एवं निराशा फैल गई है। इस वर्ष पीएचडी के प्रवेश भी यूजीसी नेट के स्कोर के आधार पर होने हैं।

अभ्यर्थियों में अचानक असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो गई है। इस संबंध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने शिक्षा मंत्रालय से इस संबंध में त्वरित निर्णय लेकर स्थिति को स्पष्ट करने की मांग की है ताकि छात्रों का समय और भविष्य संकट में नहीं आए। एबीवीपी के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने कहा, परीक्षाओं में लगातार अनियमितताओं की घटनाएं विचलित करने वाली एवं दुर्भाग्यपूर्ण हैं जो न केवल एनटीए जैसी परीक्षा एजेंसियों की विश्वसनियता पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करती है बल्कि छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाली हैं। यह स्थिति किसी भी प्रकार से स्वीकार्य नहीं है। इसी क्रम में बीते दिन यूजीसी नेट की परीक्षा का रद्द होना, यूजीसी नेट के अभ्यर्थियों के साथ-साथ पीएचडी प्रवेश की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों का भविष्य भी अधर में डालने वाला है।

संक्षिप्त समाचार

पावरग्रिड शीर्ष 30 की सूची में शामिल

नई दिल्ली। पावरग्रिड की कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस टीम को रेपुटेशन टुडे द्वारा लगातार चौथी बार भारत की 30 शीर्ष कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस टीमों की सूची में शामिल किया गया है। पावरग्रिड की टीम ने अंशुमन टंडन, सीजीएम (कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस) के नेत्तृत्व में रवि कुमार, डीजीएम (कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस) और अक्षत चोपड़ा, सहायक प्रबंधक (कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस) के साथ एक कार्यक्रम में यह पुरस्कार प्राप्त किया। इस वर्ष इस प्रतिष्ठित सूची में शामिल होने वाला पावरग्रिड एकमात्र सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम है। शीर्ष कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस टीमों की सूची में शामिल करने के लिए एक जूरी ने स्वतंत्र रूप से शीर्ष 30 टीमों का मूल्यांकन किया। रेपुटेशन टुडे ने एशिया पेसेफिक कम्युनिकेशन्स एंड पब्लिक रिलेशन्स डायरेक्टर्स (एपीएसीडी) के साथसाझेदारी की, जिन्होंने कंपनियों का मूल्यांकन करने के लिए भारत से दो, सिंगापुर से एक और मध्य पूर्व से एक कुल चार चैप्टर अध्यक्षों को आमंत्रित किया।

एम.के. रैना निर्देशित नाटक महाबली का मंचन

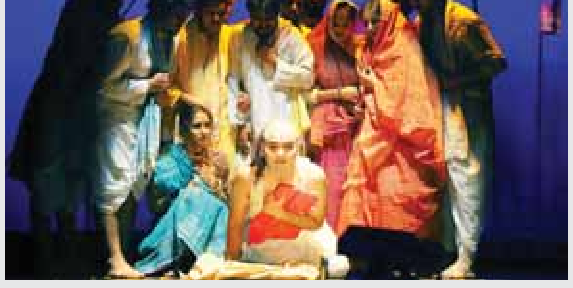

नई दिल्ली। श्रीराम सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स का ग्रीष्म शीला भरत राम थियेटर फेस्टिवल शुरू हुआ। 23 जून तक चलने वाले इस 5 दिवसीय थियेटर फेस्टिवल की शुरूआत स्व. गिरीश कर्नाड के नाटक 'अग्नि और बरखा' के मंचन के साथ हुई। फेस्टिवल के दूसरे दिन, गुरूवार को अस्गर वजाहत द्वारा लिखित एवम् निर्देशक एम.के. रैना द्वारा निर्देशित नाटक महाबली का मंचन हुआ। महाबली नाटक गोस्वामी तुलसीदास के जीवन पर आधारित है। महाकवि तुलसीदास अपने समय के एक 'विद्रोही' और 'प्रगतिशील' कवि थे जिन्होंने एक महान रचना की, जिसने उस समय के समाज को बहुत प्रभावित किया। श्री राम सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेजीडेंट हेमंत भरत राम ने कहा हमारा उद्देश्य उम्दा नाटक, अभिनय और मानवीय संवेदनाओं के विभिन्न रंग प्रस्तुत करने का रहता है जो दर्शकों का मनोरंजन करें।

गरीब रथ एक्सप्रेस जुलाई से फिर होगी शुरू

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे ने गरीब रथ एक्सप्रेस की दो जोड़ी सेवाओं को जुलाई से दोबारा शुरू करने का निर्णय लिया है। ये ट्रेनें अगरतला-कोलकाता तथा गुवाहाटी-कोलकाता के बीच अपने संबंधित गंतव्यों के लिए निर्धारित दिनों पर चलेंगी। ट्रेन संख्या 12502 (अगरतला- कोलकाता) गरीब रथ एक्सप्रेस 3 जुलाई, 2024 से प्रत्येक बुधवार को चलेगी। ट्रेन संख्या 12518 (गुवाहाटी- कोलकाता) गरीब रथ एक्सप्रेस 6 जुलाई से प्रत्येक शनिवार को चलेगी।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर दिल्ली वाले करेंगे 21 आसनों का प्रदर्शन

- निगम के सभी जोनल कार्यालयों तथा स्कूलों में योग अभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी निगम विद्यालय पुष्प विहार सेक्टर-1 में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह का आयोजन कर रहा है। योग की इस अद्भुत धारा में नगर निगम शिक्षा विभाग के 150 विद्यार्थी, अध्यापिकाएं एवं निगम कर्मचारी प्रतिभागिता करेंगें एवं 21 योग आसन का अभ्यास करेंगे।

दिल्ली नगर निगम शिक्षा विभाग के विभिन्न विद्यालयों में अध्ययनरत् दिव्यांग छात्र भी इसमें अपनी प्रतिभागिता उपस्थित करायेंगें। भारत सरकार द्वारा निर्देशित प्रोटोकॉल के अंतर्गत विभिन्न आसन जैसे ताड़ासन, वृक्षासन, भद्रासन, कपालभाती, आदि 21 आसनों का सुंदर प्रदर्शन किया जायेगा। प्रात: 7:30 बजे से प्रारम्भ यह प्रक्रिया प्रात: 08:50 बजे अपने अंतिम चरण पर पहुँचेगी। इसके अतिरिक्त अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मे सभी क्षेत्रीय कार्यालयों के कर्मचारी भाग लेंगे और इस दौरान दिल्ली नगर निगम के सभी स्कूलों और वार्डों में विभिन्न गतिविधियां का आयोजन भी किया जाएगा। इस खास दिन के लिए प्रत्येक जोन में एक स्कूल की पहचान की गयी है जहां लगभग 50 लोगों के इकट्ठा होने की क्षमता वाला एक हॉल/मैदान हो और सभी लोग साथ में योग अभ्यास कर सकें। छात्रों को योग के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए कार्यालय/स्कूल में योग चार्ट और स्टैंडीज़ भी प्रदर्शित करने की व्यवस्था की गयी है। निगम द्वारा आयोजित योग कार्यक्रम का सीधा प्रसारण एमसीडी ज्ञानोदय चैनल के माध्यम से 21 जून को सुबह 7:30 बजे से किया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की विश्वव्यापी स्वीकृति हमारे देश के लिए गर्व की बात है।

एनडीएमसी के आठ स्थानों पर योग

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) द्वारा शुक्रवार को सुबह 6:00 बजे से 8:00 बजे तक 8 प्रमुख स्थानों पर स्वयं और समाज के लिए योग की थीम पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस2024 मनाया जा रहा है।

1. नेहरू पार्क-चाणक्यपुरी,
2. लोधी गार्डन - गेट नंबर 1 से प्रवेश,
3. तालकटोरा गार्डन - गेट नंबर 1 से प्रवेश,
4. कर्तव्य पथ - लॉन के दक्षिण की ओर,
5. आईएएस आवासीय परिसर - न्यू मोती बाग,
6. संजय झील - लक्ष्मी बाई नगर,
7. सिंगापुर पार्क - शांति पथ पर सिंगापुर दूतावास के पास

मार्च 2025 तक सभी 383 गांवों में पहुंचेगी पीएनजी

- एलजी ने कार्य प्रगति की समीक्षा की

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी के कुल 383 गांवों में से 311 गांवों को इस वर्ष दिसंबर तक पाइप्ड नेचुरल गैस कनेक्शन से लैस कर दिया जाएगा, जबकि शेष 72 गांवों को मार्च 2025 तक इस सुविधा से संपन्न कर दिया जाएगा।

गांवों के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि होगी, जो राजधानी के सभी गांवों की तस्वीर बदलने में अहम भूमिका निभाएगी। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने हाल ही में गांवों में पीएनजी आपूर्ति की प्रगति की समीक्षा की। उन्हें बताया गया कि अब तक 111 गांवों में पीएनजी सुविधा उपलब्ध कराई गई है और इस वर्ष दिसंबर तक 200 गांवों को पीएनजी से लैस कर दिया जाएगा। शेष 72 गांवों को मार्च 2025 तक पीएनजी की आपूर्ति शुरू हो जाएगी।

उपराज्यपाल को आईजीएल अधिकारियों द्वारा बताया गया कि 111 गांवों में पीएनजी आपूर्ति से 1.79 लाख परिवारों को लाभ होगा। आईजीएल को अब तक इसके लिए 1.29 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं।

टिल्लू ताजपुरिया गैंग का निशानेबाज गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने मुठभेड़ के बाद रोहिणी से टिल्लू ताजपुरिया गैंग के एक कथित निशानेबाज को गिरफ्तार किया है। इस निशानेबाज की पहचान सुमित के रूप में हुई है। कंझावला पुलिस थाने में दर्ज हत्या के एक मामले में सुमित पैरोल मिलने के बाद भाग गया था। इसके साथ ही अलीपुर पुलिस थाने में दर्ज हत्या के एक और मामले में वह वांछित है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, रोहिणी पुलिस के विशेष दल के साथ एक संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद उसे गिरफ्तार किया गया। गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया को पिछले साल तिहाड़ जेल के अंदर प्रतिद्वंद्वी गिरोहों के सदस्यों ने कथित तौर पर पीट-पीटकर मार डाला था।

पीएम मोदी की जीत पर सांसदों का स्वागत

- केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, सांसद योगेंद्र चंदोलिया का रोहिणी में सम्मान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कार्यक्रम में राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा और सांसद योगेंद्र का स्वागत करते विजेंद्र।

भाजपा के कार्यकर्ताओं ने रोहिणी विधानसभा क्षेत्र में भाजपा विधायक विजेन्द्र गुप्ता के नेतृत्व में हाल ही में संपन्न हुए लोक सभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हैट्रिक जीत पर भव्य आयोजन किया।

कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा और निर्वाचित सांसद योगेंद्र चंदोलिया का रोहिणी में स्वागत किया। रोहिणी सेक्टर-10 में धन्यवाद समारोह में बूथ स्तर के पार्टी कार्यकर्ताओं को भाजपा उम्मीदवारों की जीत में उनके समर्पण और प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया। इस मौके पर मल्होत्रा ने कांग्रेस और आप बेमेल गठबंधन के बावजूद बीजेपी की जीत की सराहना की।

सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने दिल्ली में सबसे अधिक अंतर से जीतने के लिए मतदाताओं का दिल से आभार व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से रोहिणी विधानसभा के प्रति आभार व्यक्त किया और उनकी उम्मीदों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करने का वादा किया। विधायक विजेन्द्र गुप्ता ने रोहिणी विधानसभा में चल रहे विकास परियोजनाओं को उजागर करते हुए कहा कि रोहिणी सभी क्षेत्रों में लगातार उत्कृष्टता प्राप्त कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि केजरीवाल सरकार पतन के कगार पर है। इस अवसर पर पार्षद प्रवेश वाही, ऋतु गोयल, स्मिता कौशिक, मंडल अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, हरीश गुलाटी, अतुल सिंघल और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मंदिर की जमीन कब्जा रहे दबंगः महंत

योगी सेवानाथ का आरोप, शिकायत करने के बाद भी पुलिस नहीं कर रही दबंगों पर कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सेक्टर-42 स्थित डीएलएफ फेज-5 में गोल्फ कोर्स के पास महाभारत कालीन अस्थल मंदिर और कुछ वर्ष पहले यहां बनाई गई गौशाला की जमीन पर दबंगों द्वारा कब्जा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। वे इस क्षेत्र में नशे का काम भी करते हैं। यह आरोप लगाया है मंदिर के महंत योगी सेवा नाथ ने।

यहां सिविल लाइन में पत्रकारों से बात करते हुए महंत योगी सेवा नाथ ने सुशांत लोक फेज-1 पुलिस थाना में दी शिकायत की प्रति साझा करते हुए कहा कि वे इस मंदिर में पिछले 35 साल से रह रहे हैं। मंदिर व गौशाला का संचालन कर रहे हैं। वजीराबाद गांव के छह नामजद लोगों के खिलाफ शिकायत में भी उन्होंने कहा है कि ये सभी झगड़ालू व माफिया प्रवृति के हैं। पिछले कुछ दिनों से ये लोग नशीले पदार्थों का सेवन करके मंदिर में आ रहे हैं। मंदिर व गौशाला के संचालन में दखल दे रहे हैं। गौशाला से जबरदस्ती दूध ले जाकर बाहर बेच रहे हैं। उनके द्वारा मना करने पर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। आरोप है कि इन दबंगों ने मंदिर के एक कमरे पर कब्जा करके एक परिवार को रखा हुआ है। वह इनके साथी का परिवार है। आरोपी मंदिर से दक्षिणा के पैसे भी उठा ले जाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जब वे 31 मार्च 2024 को आरती कर रहे थे तो उसके सेवक जयपाल को घंटी बजाने के लिए बाहर भेजा। इसी दौरान 10-15 लोग वहां आए और जयपाल को घंटी बजाने से रोका। उसे धमकी भी दी। महंत योगी सेवा नाथ ने बताया कि जब वे झगड़ा सुनकर बाहर आए तो उनके साथ भी झगड़ा किया गया। उन्हें भी जान से मारने की धमकी दी। डरकर उन्होंने डायल 112 पर कॉल की। महंत ने बताया कि उन्हें, उनकी शिष्या संतोष नाथ व सेवक जयपाल को लगातार परेशान किया जा रहा है। पुलिस को भी उन्होंने इस बाबत शिकायत दी है।

पत्रकारों से बात करते महंत योगी सेवा नाथ।

यह जमीन नगर निगम की हैः एएसआई ज्ञानेन्द्र

इस मामले में थाना सुशांत लोक के सहायक उप-निरीक्षक ज्ञानेन्द्र ने बताया कि यह जमीन नगर निगम गुरुग्राम की है। कोर्ट से भी नगर निगम के पक्ष में निर्णय आ चुका है। यह नगर निगम का अधिकार है वह कब अपनी जमीन पर कब्जा ले। इसमें कोई ऐसा ऑफेंस नहीं बनता, जिसमें पुलिस कार्रवाई करे। इनकी फाइल को क्लोज कर दिया गया है।

विदेशों में नौकरी के नाम पर ठगी करने वाली पांच युवतियों समेत आठ गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

लोगों को कॉल करके विदेशों में नौकरी दिलाने का दिलासा दिया जाता था। वह दिलासा नहीं झांसा होता था। इस झांसे में युवा फंसकर लाखों रुपये गंवा देते थे। ऐसे ठगी करने वाले गिरोह और फर्जी कॉल सेंटर का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। मौके से 5 युवतियों समेत 8 साइबर ठगों को पकड़ा गया है। सहायक पुलिस सोहना विपिन अहलावत ने गुरुवार को बताया कि आरोपियों से पूछताछ में कई खुलासे हुए हैं।

जानकारी के अनुसार इंटरनेशनल जॉब सोल्यूशन डॉट कॉम के नाम से वेबसाइट बनाकर युवाओं को नौकरी दिलाने की बात कही जाती थी। वह भी विदेशों में। ज्यादातर बेरोजगार युवा इनके झांसे में आ जाते थे। ये साईबर ठग युवाओं को विश्वास में लेकर धोखाधड़ी एवं ठगी की वारदात को अंजाम देते थे। विदेश में नौकरी लगवाने के नाम पर प्रति युवा 2 से 3 लाख रुपये लेते थे। ठगी हुई राशि को भी ये साईबर ठग फर्जी बैंक खाते में डलवाते थे, ताकि आराम से उस राशि को निकालकर पुलिस कार्रवाई से बच सकें। फर्जी बैंक खाते इनका अन्य साथी इनको उपलब्ध करवाता था। आरोपी करीब 6 महीने से कॉल सेंटर चलाकर ठगी की वारदातों को अंजाम दे रहे थे। ठगी करने के लिए, इन लोगों को प्रतिमाह 18 हजार रुपए की सेलरी मिलती थी।

पुलिस टीम द्वारा इस फर्जी कॉल सेन्टर से 4 लड़कियों समेत 8 आरोपियों को काबू किया। जिनकी पहचान नरेंद्र कुमार निवासी गांव पालम दिल्ली, विक्रांत सिंह निवासी बरा खुर्द जींद, रवि कुमार निवासी रघुवीर एनक्लेव दिल्ली, काजल निवासी अलीगंज कोटला मुबारकपुर दिल्ली, गरिमा निवासी जीयानपुर जिला आजमगढ़ (उप्र), एगनेश फ्रानेश निवासी निवासी अनूपपुर (मध्य-प्रदेश), रंजन कुमार निवासी श्याम विहार फेज-2 दिल्ली व साहिल पूनिया निवासी गांव डिकानिया गंगानगर (राजस्थान) के रुप में हुई। पुलिस टीम द्वारा आरोपियों के खिलाफ आगामी कार्यवाही करते हुए थाना साईबर अपराध दक्षिण में धारा केस दर्ज किया गया।

गुरुग्राम पुलिस द्वारा विदेशों में नौकरी दिलाने के नाम पर पकड़े गए साइबर ठग।

फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़

● हर्बल दवाओं की ऑनलाइन बिक्री के नाम पर करते थे ठगी, 4 युवतियों समेत 11 धरे

पुलिस द्वारा हर्बल दवाओं की ऑनलाइन बिक्री के नाम पर फर्जी कॉल सेंटर से गिरफ्तार ठग।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

डिजिटलीकरण के दौर में हमारे काम जितने सरल हुए हैं, उतना ही रिस्क भी बढ़ा है। इससे साईबर ठगी की घटनाएं भी बढ़ी हैं। यहां ऑनलाइन हर्बल सेक्युअल दवाइयां बेचने के नाम पर पुलिस ने फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। गुरुवार को सहायक पुलिस आयुक्त सोहना विपिन अहलावत ने जानकारी दी कि पुलिस टीम द्वारा कॉल सेंटर से 4 लड़कियों सहित कुल 11 आरोपियों को काबू किया।

पुलिस के अनुसार थाना साइबर पूर्व प्रबंधक निरीक्षक सवित कुमार की पुलिस टीम ने तकनीक की सहायता से सेक्टर-18 में इस कॉल सेंटर को पकड़ा। मौके से पकड़े गए आरोपियों की पहचान श्याम दुबे निवासी गांव जोडा जिला मुरैना (मध्य-प्रदेश), आदर्श कुमार सिंह निवासी अंबेडकर कॉलोनी वसंत विहार, दिल्ली, कुशल रोहिल्ला निवासी खेड़ला, गुरुग्राम, पियूष चौहान निवासी गांव बिजौरी जिला बदायूं (उत्तर-प्रदेश), विवेक चोपड़ा निवासी एनआईटी फरीदाबाद, गुलशन कुमार निवासी गांव दहीबट्टा गोपालगंज (बिहार), राजकुमार निवासी गांव डेरा महरौली दिल्ली, पूजा चौहान निवासी शिव कॉलोनी, झोटवाड़ा जयपुर (राजस्थान), भावना निवासी भिवानी, अनामिका राजावत निवासी ग्वालियर (मध्य-प्रदेश) व प्रिया शर्मा निवासी देव अपार्टमेंट महिपालपुर, दिल्ली के रुप में हुई।

पुलिस टीम द्वारा आरोपियों के खिलाफ आगामी कार्यवाही करते हुए थाना साईबर अपराध पूर्व में नियमानुसार अभियोग अंकित करके आरोपियों अभियोग में नियमानुसार गिरफ्तार किया गया। आरोपी पिछले करीब 1 वर्ष से उपरोक्त प्रकार से ठगी करने की वारदातों को अंजाम दे रहे थे। ठगी की वारदातों को अंजाम देने के लिए आरोपियों को 15 हजार रुपए की सैलरी तथा ठगी गई राशि का 5 प्रतिशत हिस्सा मिलता था। आरोपियों द्वारा ठगी में प्रयोग किए जा रहे 7 मोबाईल फोन, सिम कार्ड्स व 2 सीपीयू भी बरामद किए गए हैं।

आईटीआई में प्लेसमेंट के लिए 26 को लगेगा रोजगार मेला

● विभिन्न क्षेत्रों की सात कंपनियां 375 छात्रों का करेंगी चयन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) गुरुग्राम द्वारा 26 जून को अपरेंटिस व प्लेसमेंट के लिए रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले में भाग ले रही विभिन्न क्षेत्रों की सात कंपनियां अपनी जरुरतों व नियमों के हिसाब से आईटीआई पास छात्रों का चयन करेंगी।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य जयदीप सिंह कादियान ने बताया कि कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग हरियाणा के निदेशक द्वारा जारी निर्देशानुसार 26 जून को आईटीआई गुरुग्राम के प्रांगण में अप्रेंटिस व प्लेसमेंट के लिए रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें हरियाणा निवासी कोई भी आईटीआई पास विद्यार्थी भाग ले सकता है।

रोजगार मेले में सात विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियां भाग ले रही हैं जो अपने नियम व शर्तों के हिसाब से 375 विद्यार्थियों का चयन करेंगी।

कादियान ने कहा की मेले में भाग लेने के इच्छुक किसी भी प्रतिभागी को इस विषय से संबंधित कोई भी जानकारी चाहिए तो संस्थान में आकर प्राप्त कर सकते हैं। वहीं जिन छात्र छात्राओं ने अभी तक अपने एनएसई व पीएनएसई प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं किए हैं वे किसी भी कार्य दिवस पर संस्थान के शिक्षुता शाखा से प्राप्त कर सकते हैं।

गरीब-जरुरतमंदों को सशक्त बनाने का काम कर रहे सीएम सैनीः वोहरा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

प्रधानमंत्री मोदी ने तीसरी बार शपथ लेते ही पहला फैसला अन्नदाता को सम्मान निधि जारी करने और 3 करोड़ गरीब परिवारों को घर देने का ऐलान कर किया। उसी तरह पिछले 10 वर्षों से प्रदेश की जनता को सशक्त करने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री और प्रदेश सरकार लगातार योजनाएं लागू कर जनता को मजबूत करने का काम कर रहे हैं।

लोकसभा चुनाव के लिए लगी आचार संहिता हटते ही मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने महात्मा गांधी गरीब बस्ती योजना के तहत 100-100 गज के प्लाट, सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, बिजली बिल से मंथली मिनिमम चार्ज हटाना, हरियाणा अन्त्योदय परिवार परिवहन योजना आदि अनेकों योजनाओं को शुरू कर प्रदेश की जनता को सशक्त करने का काम किया है। भाजपा जिला कार्यालय अटल कमल पर आयोजित संगठनात्मक बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष राज कुमार वोहरा ने यह कहा। बैठक में जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा ने आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिए संगठन विस्तार, बूथ सशक्तिकरण, संगठन की कार्य पद्धति, कार्य योजना आदि संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा की और संगठन के आगामी कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शक्ति केन्द्रों पर योग शिविर आयोजित किये जाएंगे।

पार्टी कार्यालय में बैठक करते भाजपा जिलाध्यक्ष राजकुमार वोहरा।

संक्षिप्त समाचार

केनविन सच्चा साथी ब्रिगेड के शपथ ग्रहण समारोह में महिला सदस्य को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करते केनविन के संस्थापक डा. डीपी गोयल व नवीन गोयल।

'केनविन सच्चा साथी ब्रिगेड समाज को दे रही नई दिशा'

गुरुग्राम। केनविन फाउंडेशन की ओर से वीरवार केनविन सच्चा साथी ब्रिगेड का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में सच्चा साथी ब्रिगेड से जुड़े समाजसेवियों को समाजसेवा की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में केनविन फाउंडेशन के संस्थापक डा. डी.पी. गोयल व सह-संस्थापक नवीन गोयल ने शिरकत की। उन्होंने केनविन सच्चा साथी ब्रिगेड के क्रियाकलापों को भी सांझा किया। केनविन सच्चा साथी ब्रिगेड के सदस्य गुरुग्राम के अलग-अलग क्षेत्र में किसी को भी मेडिकल संबंधी कोई जरूरत हो, या फिर संस्था की कोई भी सेवाएं चल रही हैं, उनके प्रति जागरूक करेंगे लोगों को मदद करेंगे। समाज में जागरुकता लेकर आएंगे। इसी उद्देश्य से इसका गठन किया गया है। डा. डी.पी. गोयल ने कहा कि केनविन फाउंडेशन समाज में स्वास्थ्य, रोजगार, शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रही है। सभी के सहयोग से संस्था निरंतर समाज हित में कदम बढ़ा रही है। केनविन फाउंडेशन के तहत केनविन सच्चा साथी ब्रिगेड भी संचालित की जा रही है। इसमें समाज में सेवा करने वाले लोगों को शामिल करके सभी के सांझा प्रयासों से समाज सेवा में कदम बढ़ाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति समाज सेवा में आना चाहता है, वह सच्चा साथी ब्रिगेड में सदस्य बनकर काम करे।

आईटीआई छात्र को जमकर पीटा, घायल

पलवल। पुरानी रंजिश के चलते आईटीआई छात्र के साथ गेट पर मारपीट कर घायल करने का मामला प्रकाश में आया है। घायल हालत में छात्र को अस्पताल में दाखिल करवाया गया। मामले में कैंप थाना पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। गांव टीकरी ब्राह्मण निवासी अमन ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि वह आईटीआई पलवल में पढ़ता है। वह गांव में आईटीआई जाने के लिए आटो में बैठा और वहां पहुंचा। जब वह आईटीआई के गेट पर पहुंचा तो वहां कशिश अनुभव अभयराम अरूण महेंद्र देवीलाल गौरव कुलदीप देवेंद्र दीपक सहित करीब 11 ल ?के जिनके हाथों में हथियार थे। उक्त लोगों ने उस पर हमला कर दिया। उसके दोस्त रजत ने उसे बचाने का प्रयास किया तो उसके साथ भी मारपीट की। इस हमले में दोनों घायल हो गए और हमलावरों से बचकर अपना इलाज करवाने के लिए अस्पताल पहुंचे वहां भी उन्होंने हमला कर दिया। पीड़ीता ने हमले की सूचना पुलिस को दी तो सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले को शांत करवाया। हमलावर पुलिस को देखकर मौके से फरार हो गए।

ट्रेन में महिला से लूटपाट, चार लाख के जेवर व कैश लूटा

पलवल। जीआरपी थाना अंतर्गत पलवल असावटी स्टेशन के बीच बांद्रा एक्सप्रेस ट्रेन में बैठी एक महिला से लूटपाट करने का मामला प्रकाश में आया है। वारदात के समय ट्रेन आउटर पर खड़ी हुई थी। आरोपी महिला से उसका बैग लूटकर फरार हो गया जिसमें महिला के चार लाख रुपए के जेवर और कैश था। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर लिया है। महाराष्ट्र हीरानंदानी इस्टेट निवासी ने पुलिस को उपेंद्र गोयल ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि वह अपने दो बच्चों के साथ मुंबई जाने के लिए जालंधर रेलवे स्टेशन से बांद्रा एक्सप्रेस में बैठी। इसी दौरान जब ट्रेन पलवल असावटी स्टेशन के बीच पहुंची तो गाड़ी अचानक आउटर पर रुक गई। तभी एक अनजान युवक उसके पीछे आकर खड़ा हो गया और उसके पर्स को लेकर फरार हो गया। पर्स में उसके चार लाख के जेवर और कैश था। मामले की शिकायत पुलिस को दी गई है।

योग सिर्फ कसरत नहीं, जीवन जीने का तरीका हैः रितु कटारिया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मिसेज हरियाणा-2018 एवं समाजसेविका रितु कटारिया ने कहा कि भारतीय योग पद्धति का आज पूरी दुनिया में डंका बज रहा है। बिना कोई दवा किए योग के जरिये हम स्वस्थ रह सकते हैं। योग सिर्फ एक कसरत नहीं, यह जीवन जीने का तरीका है। योग को अपने जीवन में जरूर अपनाएं। यह बात उन्होंने गुरुवार को यहां गुरुग्राम नेचुरोपैथी क्योर सेंटर (जीएनसीसी) में आयोजित यो शिविर में कही। जीएनसीसी नैचुरोपैथी में योग शिविर का आयोजन जीएनसीसी की निदेशक डॉ. सुनीता कटारिया व सुनील कटारिया की ओर से किया गया।

प्राणायाम शिविर में योग करतीं मुख्य अतिथि व अन्य।

इस अवसर पर डॉ. उषा आर्य द्वारा अग्निहोत्र हवन और योग, प्राणायाम सत्र योगाचार्य आर.के. अग्रवाल द्वारा किया गया। योग, प्राणायाम सत्र में रितु कटारिया ने कहा कि योग के जरिये हम बीमारियों से मुक्ति भी पा सकते हैं और बीमारियों को दूर भी रख सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस एक ऐसा लोक पर्व है, जो एक ही सुर में योग के महत्व के प्रति जागरुक करता है।

कमला नेहरू पार्क में लगाई गई योग कक्षाएं

गुरुग्राम। 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में जीवा वूमेन एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में गुरवार को कमला नेहरू पार्क में योग शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के महानगर संघचालक जगदीश ग्रोवर, सेवानिवृत न्यायाधीश अनिल कुमार बिमल, व्यापार प्रकोष्ठ भाजपा हरियाणा के प्रदेश संयोजक नवीन गोयल, समाजसेवी आशा गगन गोयल, पतंजलि योग समिति की जिला प्रभारी मनु शर्मा ने इस शिविर में शिरकत की। जगदीश ग्रोवर ने योग के प्रति सभी को प्रेरित किया।

योग दिवस की तैयारियों को लेकर फाइनल रिहर्सल का हुआ आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा योग आयोग, आयुष विभाग तथा जिला प्रशासन के तत्वावधान में 21 जून को 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पूर्व तैयारियों के लिए आज ब्लॉक स्तरीय योग रिहर्सल का आयोजन तिगांव मंडी में किया गया।

इस मौके पर गांव के सरपंच विक्रम प्रताप, सरपंच वेद प्रकाश अधाना, जोगिंदर नागर, सुनील, आयुष विभाग से डॉ. नेहा सचदेवा, डॉ. शिव दत्त कौशिक ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तिगांव अनाज मंडी में आयोजित योग दिवस की फाइनल रिहर्सल में प्रशासनिक अधिकारियों, स्कूली छात्र-छात्राओं, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारियों तथा आम जनता ने योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण में भाग लिया।

विकास में अग्रणी बनेगा पृथला: नयनपाल

● विधायक ने गांव हीरापुर में किया 60 लाख के विकास कार्यों का उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नारियल फोड़कर विकास कार्यों का शुभारंभ करते विधायक नयन पाल रावत।

पृथला के विधायक नयनपाल रावत ने कहा है कि लोकसभा चुनावों के बाद क्षेत्र में विकास का पहिया तेजी से घूम रहा है और जो विकास कार्य आचार संहिता के कारण रुक गए थे, उन्हें फिर से नई गति से शुरू कर दिया गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि विधानसभा चुनावों से पूर्व पृथला क्षेत्र विकास के मामले में फरीदाबाद ही नहीं अपितु हरियाणा का सबसे अव्वल क्षेत्र बनकर उभरेगा। रावत एचआरडीएफ स्कीम के तहत गांव हीरापुर में बनाए गए 44 लाख के विभिन्न रास्तों का उद्घाटन तथा करीब 16 लाख से बनकर तैयार होने वाले रास्ते का शिलान्यास करने के उपरांत उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान विकास कार्यों का शुभारंभ करने पर ग्रामीणों ने विधायक नयनपाल रावत का सम्मान रुपी पगड़ी पहनाकर एवं फूल मालाओं से स्वागत किया।

शिविरों में हो रहा समस्याओं का समाधान

पलवल। समाधान शिविरों में अपनी समस्या लेकर आने वाले लोगों की परेशानियों को विभागीय अधिकारी तत्परता के साथ दूर करने में लगे हुए हैं। गुरवार को जिला सचिवालय पलवल के सभागार में अपनी पैंशन संबंधी समस्या को लेकर पहुंचे वृद्धजनों की विभाग द्वारा मौके पर ही समस्या का समाधान कर दिया गया। तत्पश्चात पलवल के एसडीएम नरेंद्र कुमार ने दोनो प्रार्थियों को पैंशन पत्र उपलब्ध करवाए।

वहीं दूसरी ओर पलवल की आदर्श कॉलोनी निवासी ज्ञानेंद्र कुमार का आर्म्स लाइसेंस रद्द करने संबंधी शिकायत का मात्र 15 मिनट में समाधान कर दिया गया।

कौशल विवि के 25 विद्यार्थियों को मिली छह लाख की छात्रवृत्ति

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के 25 विद्यार्थियों को छह लाख रुपए की एपीजे अब्दुल कलाम स्कॉलरशिप प्रदान की गई है। यह राशि द ओसवाल एंडोमेंट द्वारा वहन की गई है। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने विद्यार्थियों को यह छात्रवृति वितरित की।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि धन की कमी के कारण किसी भी प्रतिभाशाली विद्यार्थी की पढ़ाई नहीं रुकने देंगे। विश्वविद्यालय के विभिन्न इंडस्ट्री पार्टनर प्रतिभावान विद्यार्थियों को छात्रवृति प्रदान करने के लिए तैयार हैं। इसके अंतर्गत एक करोड़ रुपए से भी ज्यादा की स्कॉलरशिप हाल में कंसेंट्रिक्स द्वारा घोषित की गई है। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने कहा कि इसके अलावा सरकारी स्कॉलरशिप अलग से उपलब्ध है। विद्यार्थी प्रतिभाशाली हो, लगनशील और अनुशासित हो तो उसकी पढ़ाई धन की कमी के कारण बिलकुल बाधित नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि रूप ऑटोमोटिव्स के प्रबंध निदेशक मोहित ओसवाल द्वारा ओसवाल एंडोमेंट के माध्यम से एपीजे अब्दुल कलाम स्कॉलरशिप चलाने के लिए बहुत आभारी हैं।

हाईवे की जमीन खाली करने को माइक से दी चेतावनी

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

● अतिक्रमण हटाने के लिए डीसी ने नियुक्त किया ड्यूटी मजिस्ट्रेट

नेशनल हाईवे अथारिटी आफ इंडिया के निर्देश पर बघौला में हाईवे की भूमि पर अतिक्रमण किए लोगों के खिलाफ जल्द अभियान चलाया जायेगा। इस मामले में पलवल डीसी की ओर से ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियक्त किए जाने के बाद हाईवे की टीमों ने बघौला में माइक से गुरुवार को एक बार फिर से सूचना देकर लोगों हाईवे की जमीन खाली करने को कहा है। अधिकांश ग्रामीण अपने निर्माणों को पहले ही हटा चुके हैं।

हाईवे अथारिटी आफ इंडिया ने उच्चाधिकारियों ने बताया कि घटना प्रबंधन टीमों के माध्यम से हाईवे की भूमि पर बने दुकानों और दुकानों की जमीन को खाली कराने की कार्रवाई शुरू कर दी है। इसके लिए हाईवे की टीमों ने बघौला में जमीन कब्जाने वालों को माइक से सूचना देकर चेतावनी दी। इसमें कहा गया कि उनके खाली न करने पर पुलिस प्रशासन के माध्यम से ध्वस्त कराया जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि कब्जे खुद ही हटा लें, अन्यथा निर्माणों को ध्वस्त कर दिया जाएगा।

महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए चलाई जा रही योजनाएं: कर्मवीर

पलवल। महिलाओं को आर्थिक तौर पर सशक्त बनाने के लिए बुधवार को सैनी धर्मशाला, पलवल में महिला सशक्तिकरण पर कार्यशाला का दूसरे दिन आयोजन किया गया। यह जानकारी देते हुए महिला सशक्तिकरण हब के इंचार्ज कर्मवीर डागर ने बताया कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग से डा. प्रीति गर्ग और डा. रविंद्र विहान ने महिलाओं को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के बारे मे जागरुक किया। डा. प्रीति गर्ग ने नवजात शिशुओं में होने वाली बीमारियों से बचाव के बारे में जागरुक किया।

रूपरेखा तैयार, जल्द खुलेगा वृद्ध सेवा आश्रम

● वृद्ध आश्रम संचालन के लिए मांगे आवेदन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

वृद्ध सेवा आश्रम संचालन के मद्देनजर बैठक लेते डीसी निशांत कुमार।

बुजुर्गों को बेहतर माहौल में आवासीय सेवा उपलब्ध कराने में जिला प्रशासन सक्रिय रूप से अपना दायित्व निभा रहा है। जरूरतमंद बुजुर्गों को राहत पहुंचाने के लिए जिला में वृद्ध सेवा आश्रम का संचालन करने की रूपरेखा तैयार की है। यह बात गुरुवार को जिला उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने ही।

उन्होंने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की महानिदेशक आशिमा बराड़ को जिला में क्रियान्वित विभागीय योजना से अवगत कराया। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों को जानकारी दी कि सामाजिक न्याय, अधिकारिता अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग कल्याण और अंत्योदय (सेवा) विभाग द्वारा वृद्ध सेवा आश्रम संचालन करने के लिए प्रस्ताव 30 जून तक आमंत्रित किए जा रहे हैं। समर्थ वृद्ध सेवा आश्रम योजना के लिए मापदंड निर्धारित किए गए हैं। सेवा भाव के साथ कार्य करने वाली संस्थाओं को ही प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने बताया कि योजना के तहत हरियाणा सरकार के स्वामित्व वाली इमारत में वृद्धाश्रमों का संचालन होना है। ऐसे में जिला सेक्टर-4 में रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा संचालित वृद्धाश्रम के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं।

सदन में बहुमत साबित करे भाजपाः भूपेंद्र हुड्डा

पूर्व मुख्यमंत्री के नेतृत्व में कांग्रेस ने राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से की मुलाकात, सरकार भंग कर राष्ट्रपति शासन की उठाई मांग

शिखा शर्मा। चंडीगढ़

हरियाणा सरकार को भंग करके राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग करते हुए कांग्रेस के विधायक गुरुवार को राजभवन पहुंचे और राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा।

करीब एक माह पहले कांग्रेस ने अल्पमत में चल रही भाजपा सरकार का फ्लोर टेस्ट करवाने की मांग की थी लेकिन वर्तमान हालात में कांग्रेस के दो विधायक कम होने के बाद अब कांग्रेस ने सरकार को भंग करके राष्ट्रपति शासन लागू करने तथा नए सिरे से चुनाव करवाने की मांग उठाई है। नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में विधायकदल ने कांग्रेस के उपनेता आफताब अहमद, चीफ व्हीप बीबी बत्तरा, विधायक गीता भुक्कल तथा बीएल सैनी के अलावा प्रदेश अध्यक्ष उदयभान व कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र भारद्वाज तथा मीडिया प्रभारी चांदवीर हुड्डा राजभवन पहुंचे।

राज्यपाल को सौंपे ज्ञापन में कांग्रेस ने कहा है कि करनाल उपचुनाव में भाजपा की जीत के बावजूद सदन में भाजपा विधायकों की संख्या 41 ही है। इसके अलावा हरियाणा लोकहित पार्टी के एक विधायक गोपाल कांडा तथा एक निर्दलीय विधायक नयनपाल रावत सरकार को समर्थन दे रहे हैं। भाजपा के पास इस समय कुल मिलाकर 43 विधायक हैं। सदन में विधायकों की संख्या 87 होने के कारण भाजपा अल्पमत में है। हुड्डा ने कहा कि वर्तमान सरकार खरीद-फरोख्त व अन्य असंवैधानिक तरीकों का इस्तेमाल न करे तो उनके पास सदन में बहुमत नहीं है। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से इस मामले में हस्तक्षेप की मांग करते हुए कांग्रेस ने कहा कि वह सरकार को तुरंत प्रभाव से बर्खास्त करके प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लागू करवाने की सिफारिश करें।

राज्यपाल से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में हुड्डा ने कहा कि वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में भाजपा नैतिकता के आधार पर सदन में बहुमत साबित करे।

नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर सरकार भंग करने की मांग करते कांग्रेस नेता।

15 विधायक लाने वाले निर्दलीय को समर्थन देगी कांग्रेस

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा राज्यसभा चुनाव से पहले बड़ा ऐलान करते हुए कहा है कि अगर राज्यसभा चुनाव लड़ने वाला कोई प्रत्याशी 15 विधायक अपने साथ लेकर आएगा तो कांग्रेस उसका समर्थन करेगी। हरियाणा में दीपेंद्र हुड्डा के लोकसभा चुनाव जीतने के बाद राज्यसभा की एक सीट खाली हुई है। कांग्रेस के पास विधायकों की संख्या 29 होने के कारण अब यह सीट भाजपा के खाते में जाएगी। भाजपा के पास 43 विधायक होने के बावजूद क्रास वोटिंग का डर बना हुआ है। जजपा के विधायक भी इस चुनाव में निर्णायक भूमिका निभाएंगे। हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस के पास राज्य सभा चुनाव जीतने के लिए विधायकों का संख्या बल नहीं है। इसके बावजूद अगर कोई प्रत्याशी 15 विधायकों का समर्थन लेकर उनके पास आता है तो कांग्रेस के 28 तथा तीन निर्दलीय विधायक उसका समर्थन करेंगे।

हरियाणा के दो लोकसभा क्षेत्रों में ईवीएम की होगी जांच

● फरीदाबाद व करनाल के लिए केंद्रीय चुनाव आयोग ने दिए आदेश

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के दो लोकसभा हलकों के अंतर्गत आने वाले तीन विधानसभा क्षेत्रों की ईवीएम की नए सिरे से जांच की जाएगी। केंद्रीय चुनाव आयोग ने बृहस्पतिवार को राज्य निर्वाचन आयोग को इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। अब राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा शिकायतकर्ता अथवा उनके एजेंटों की मौजूदगी में ईवीएम की जांच करके रिपोर्ट केंद्रीय चुनाव आयोग को भेजी जाएगी।

चुनाव परिणाम के बाद करनाल लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी दिव्यांशु बुद्धिराजा तथा फरीदाबाद से कांग्रेस प्रत्याशी रहे महेंद्र प्रताप ने मतगणना में गड़बड़ी के आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग को शिकायत दी थी। दोनों प्रत्याशियों ने ईवीएम की जांच की मांग की थी। चुनाव आयोग के पास जिन लोकसभा सीटों के संबंध में शिकायत पहुंची है उनमें करनाल से भाजपा के मनोहर लाल तथा फरीदाबाद से भाजपा के कृष्णपाल गुर्जर चुनाव जीतने के बाद केंद्र में मंत्री भी बन चुके हैं। केंद्रीय चुनाव आयोग को ईवीएम की गड़बड़ी के संबंध में कुल आठ शिकायतें मिली थीं। इसके बावजूद केंद्रीय चुनाव आयोग ने राज्य निर्वाचन आयोग को निर्देश दिए हैं कि वह करनाल से पानीपत शहरी विधानसभा हलकों की दो-दो मतदान केंद्रों की ईवीएम तथा फरीदाबाद हलके के बड़खल क्षेत्र के दो मतदान केंद्रों की ईवीएम की जांच कर नए चुनाव परिणाम को नए सिरे से वेरीफाई करें।

हुड्डा को राज्य की सत्ता दिलाने वाले सभी नेता हुए दूर

● हुड्डा सरकार के दूसरे कार्यकाल में पूर्व केंद्रीय मंत्री विनोद शर्मा हो गए थे अलग

● जिंदल और बंसीलाल परिवार ने भी छोड़ी कांग्रेस

सौरभ चौधरी। कुरुक्षेत्र

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री बंसी लाल परिवार के कांग्रेस छोड़ने के बाद अब वह तीनों राजनीतिक धुरंधर भूपेंद्र सिंह हुड्डा से दूर हो गए हैं, जिन्होंने वर्ष 2004 में उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इन तीन राजनीतिक धुरंधरों में प्रदेश के साथ-साथ केंद्र की राजनीति के बड़े नाम पूर्व केंद्रीय मंत्री विनोद शर्मा, पूर्व मंत्री ओमप्रकाश जिंदल और पूर्व मुख्यमंत्री बंसी लाल के बेटे सुरेंद्र सिंह शामिल थे। अब ये तीनों राजनीतिक धुरंधर परिवार कांग्रेस से अलग होकर भाजपा में शामिल हो गए हैं। जानकारों में इस बात की चर्चा है कि इन्हीं तीनों धुरंधरों ने भूपेंद्र सिंह हुड्डा को सीएम का ताज दिलवाया था और इन तीनों में दो ने पार्टी छोड़ने का दोष भी उन्हीं पर लगाया है।

गौरतलब है कि 2004 से पहले प्रदेश में इनेलो की सरकार थी। इन विधानसभा चुनावों से पहले ही पूर्व केंद्रीय मंत्री शैलजा, विनोद शर्मा, प्रसिद्ध उद्योगपति ओमप्रकाश जिंदल और पूर्व मुख्यमंत्री बंसी लाल के बेटे सुरेंद्र सिंह ने मिलकर एक बिसात बिछाई। इसी बिसात पर वह अपने मोहरे बैठाते गए और चुनावों में कांग्रेस के बहुमत में आने पर कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व से भूपेंद्र सिंह हुड्डा को कमान दिलवा दी।

चुनावों से पहले मुख्यमंत्री बनने का दावा करने वाले पूर्व मुख्यमंत्री भजन लाल देखते रह गए। इसके बाद जब सरकार का गठन हुआ तो उद्योगपति ओमप्रकाश जिंदल को इस सरकार में ऊर्जा मंत्री बनाया गया था। दुर्भाग्यवश कुछ दिन बाद हुए एक हेलिकाप्टर हादसे में उनकी और पूर्व मुख्यमंत्री बंसी लाल के पुत्र सुरेंद्र सिंह की मौत हो गई थी।

हरियाणा में खिलाड़ियों के लिए ग्रुप सी में तीन प्रतिशत अतिरिक्त कोटा

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने ग्रुप सी पदों के लिए किसी भी वर्ष में पात्र उत्कृष्ट खिलाड़ियों और पात्र खिलाड़ियों को 3 प्रतिशत का अलग कोटा देने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी के इस फैसले से खिलाड़ियों को बड़ी राहत मिलेगी। इसके लिए, खेल एवं युवा मामले विभाग एक अलग कोटा बनाएगा तथा किसी भी वर्ष में एचएसएससी द्वारा भर्ती किए गए कुल ग्रुप सी पदों के 3 प्रतिशत के बराबर ओएसपी और ईएसपी के लिए एक अलग भर्ती अभियान के लिए एचएसएससी को मांग भेजेगा।

दलबदल की तीन शिकायतें हुईं लंबित

चंडीगढ़। विधानसभा में अब तक तीन विधायकों के खिलाफ दलबदल के आरोपों के तहत उनकी सदस्यता भंग किए जाने की शिकायतें पहुंची है। सचिवालय की तरफ से अभी कोई कार्रवाई शुरू नहीं की गई है। जिन विधायकों के खिलाफ शिकायतें पहुंची हैं उनमें दो विधायक वर्ष 2019 के चुनाव में जजपा तथा एक कांग्रेस की टिकट पर चुनाव जीते थे। एक विधायक भाजपा में शामिल हो चुकी हैं तो दो भाजपा को समर्थन कर रहे हैं। जजपा कार्यालय सचिव रणधीर सिंह ने स्पीकर को शिकायत भेजकर जोगी राम सिहाग तथा राम निवास सुरजाखेड़ा के खिलाफ दलबदल के तहत कार्रवाई की मांग करते हुए शिकायत दी थी।

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि एक लड़की जिसका नाम खुशबू है आधार कार्ड नं0 4357–8039–3516 जिसकी उम्र वर्तमान में 22 वर्ष है, निवासी हाउस नं0 185, दिवाली एंक्लेव, पीतमपुरा, दिल्ली–110034 ने घर छोड़ दिया है। 31.05.2024 को अपनी मर्जी से मुझे और मेरे परिवार के सदस्यों को सूचित किए बिना अपने सभी सामान के साथ, मैं और मेरा परिवार का सदस्य उसके द्वारा किए गए किसी भी अपराधिक / नागरिक या किसी अन्य कृत्य या उसके साथ कुछ घटित होने पर जिम्मेदार नहीं हैं। खुशबू के साथ व्यवहार करने वाला कोई भी व्यक्ति अपने जोखिम और जिम्मेदारियों पर ऐसा करेगा, मैं और मेरा परिवार उसके द्वारा किए गए किसी भी कार्य, कार्य या लेनदेन के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

मुकेश कुमार अग्रवाल
निवासी हाउस नं0 185, दिवाली एंक्लेव,
पीतमपुरा, दिल्ली–110034

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल श्री अशोक सेठ पुत्र स्वर्गीय श्री अमरचंद, प्लॉट नंबर 20, मकान नंबर बी–177, क्षेत्रफल 367 वर्ग गज, खेवट सं. 3315/4505 में से, खसरा नंबर–14724/11576/6502/675-6508/683(0-0-016),14725/11576/6502/675-6508/683(0-1-8) में से,किता 2, एरिया 0 बीघा 2 बिस्वा 4 बिसवांसी, वाका मौजा सिवाना मौजा गुड़गांव, हाल आबादी सूर्या विहार गुड़गांव, तहसील और जिला गुड़गांव, रक्त संबंध में पंजीकृत हस्तांतरण विलेख दिनांक 28.03.2017 के माध्यम से मालिक है। जो श्री सुरेश पुत्र स्वर्गीय श्री अमरचंद और (2) श्रीमती चंद्रलेखा (3) श्रीमती सुखवर्षा (4)श्रीमती नीलम सभी बेटियां स्वर्गीय श्री अमरचंद के द्वारा श्री अशोक सेठ पुत्र स्वर्गीय श्री अमरचंद के पक्ष में निष्पादित पंजीकरण संख्या 32624, SR-गुड़गांव, हरियाणा में है। उपरोक्त संपत्ति को फेड बैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के पास गिरवी होने जा रही है। यदि किसी व्यक्ति / बैंक / वित्तीय संस्थान के पास उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई दावा / अधिकार, ग्रहणाधिकार, कोई आपत्ति है, तो उसे अधोहस्ताक्षरी / अधिवक्ता विशाल मेहन, ई–713, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली–110092 को इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 7 दिनों के भीतर पंजीकृत पते के तहत दस्तावेजी साक्ष्य के साथ सूचित किया जाना चाहिए। ऐसा न करने पर किसी भी दावे, ग्रहणाधिकार या आपत्ति को माफ कर दिया गया माना जाएगा। विशाल मेहन, अधिवक्ता
ई–713, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली–110092,
मोबाइल नंबर 9811215181

संपदा अधिकारी-I, एचएसवीपी, सेक्टर 14 गुरुग्राम के समक्ष

सार्वजनिक सूचना

विषय: आवंटी की दिनांक 30.03.2020 को निर्वसीयत मृत्यु के उपरान्त फ्लैट नंबर 203, दूसरी मंजिल, एससीओ 26 सेक्टर 14, अर्बन एस्टेट गुड़गांव, 1000 वर्ग मीटर के निर्माण के संबंध में स्वामित्व का हस्तांतरण।

मैसर्स यादव फार्म्स एंड प्रॉपर्टीज प्रा. लिमिटेड संपत्ति संख्या एससीओ 26 सेक्टर 14, अर्बन एस्टेट गुड़गांव का आवंटी था, जिसमें से विषयगत संपत्ति दिनांक 22.07.1999 के बिक्री विलेख के माध्यम से श्री चमन लाल बजाज को हस्तांतरित कर दी गई थी, जो उप-रजिस्ट्रार गुरुग्राम के समक्ष विधिवत पंजीकृत थी। इसके बाद, रिकॉर्ड के अनुसार श्री चमन लाल बजाज की मृत्यु 30.03.2020 को हो गई है जो अपने पीछे निम्नलिखित कानूनी उत्तराधिकारियों के लिए कोई पंजीकृत या अपंजीकृत वसीयत छोड़कर नहीं गए हैं।

1.राज रानी बजाज (पत्नी)
2.आशीष बजाज (पुत्र)
3.अमन बजाज (पुत्र)
4.शिवाली बजाज (पुत्री)

श्रीमती राज रानी बजाज पत्नी स्वर्गीय श्री चमन लाल बजाज निवासी सीएल बजाज, एम्बैस्डर होटल,तल्लीताल, नैनीताल, तल्लीताल, उत्तराखंड-263002 कानूनी उत्तराधिकारी होने के नाते उक्त संपत्ति के हस्तांतरण के लिए आवेदन करना चाहते हैं और श्रीमती राज रानी बजाज के नाम पर पुनः आवंटन के लिए अनुरोध करना चाहते हैं, जो अन्य कानूनी उत्तराधिकारियों से संबंधित एनओसी द्वारा समर्थित है।

यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के हस्तांतरण के खिलाफ कोई आपत्ति है, तो वह नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों की अवधि के भीतर सहायक दस्तावेजों के साथ एस्टेट ऑफीसर-1, एचएसवीपी, गुरुग्राम को लिखित रूप में आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा एस्टेट ऑफीसर-1, एचएसवीपी नीति के अनुसार उक्त संपत्ति के हस्तांतरण/पुनर्आवंटन की अनुमति दे सकता है और बाद में कोई दावा होने पर उस पर विचार नहीं किया जायेगा।

कानूनी उत्तराधिकारी
राज रानी बजाज, आशीष बजाज,
अमन बजाज और शिवाली बजाज
की ओर से एस्टेट ऑफिस -1, एचएसवीपी,
सेक्टर 14, गुरुग्राम

शुद्धिपत्र/CORRIGENDUM

किफायती ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट, श्रीफ्लेक्स सिटी, सेक्टर 4, सोहना, गुरुग्राम डेवलपर-श्रीफ्लेक्स प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए आवेदन आमंत्रित करने के लिए समाचार पत्र पायनियर एवम् वीर अर्जुन हिंदी अखबार में दिनांक 30-04-2024 और 10-05-2024 के सार्वजनिक नोटिस के लिए शुद्धिपत्र/Corrigendum।

उप्रोक्त विषय के बारे मे अवगत कराया जाता है कि "133 2020 दिनांक 26/06/2023" के रूप में उल्लेखित लाइसेंस संख्या को कृपया लाइसेंस संख्या 133 ऑफ 2023 दिनांक 26/06/2023 के रूप में पढ़ा जाए।

लेखक / डेवलपर किसी भी असुविधा के लिए क्षमा चाहते हैं।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the public at large, on behalf of our client, **Mr. Duli Chand Lohia S/o Mr. Swaroopa** R/o N-166,167, Vishnu Garden, Tilak Nagar, West Delhi-110018. **("Owner"). Mr. Duli Chand Lohia** was the owner of schedule property from **Mr. Ram Singh** by virtue of Two Sale Deed which was duly registered with the concerned Sub-Registrar-II, Basai Darapur, New Delhi, as Document No. 8089 & 8090, in Addl. Book No.1, Volume No. 25683 both, on pages 144-155 & 156-167 on 16.08.2021 is stated to have been lost, an FIR dated **20.06.2024 (Police Station: Crime Branch, Delhi)** bearing **LR No. 1831039/2024** was also lodged. **(LOST SALE DEED DOCUMENTS).**

Public are warned not to deal with the Document and any person receiving or dealing with the said Document would do so at their own risk and responsibility **(including criminal liability)** and our client shall not be liable in any manner whatsoever for any loss incurred by such person (s) on account of any such unauthorized dealing, our client will proceed to take such action including applying to concerned authorities for issue of duly Certified Copies / Certified True Copies / Duplicate Copies of the Document.

Schedule Property

Built-Up Portion of Property Bearing No. 7, area measuring-100+100 sq. yds., Out of Rectangle No. 21, Killa No. 21/2 (Khasra No. 21/21/2), Situated in the area of Village Khyala Now Colony Known as Vishnu Garden, Block- N, New Delhi- 110018.

Sachin Maheshwari & Associates (SMA)
Sachin Maheshwari Advocate
Molarband Extn. Badarpur Border, New Delhi.
Phone: 011-69653588, Mob.-9911380328

न्यायालय श्रीमान जिला उपभोक्ता संरक्षण फोरम गौतमबुद्धनगर
परिवाद संख्या–393 सन 2019

सत्या टैक मैनेजमैन्ट पता ग्राम नंगला भटौना पोस्ट करौली बांगर, तहसील जेवर जिला गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश– 203209 द्वारा पार्टनर राजकुमार राणा

......प्रार्थी / परिवादी

बनाम

1.अशोक ऑटों सेल्स लि. पता खसरा संख्या 246, एन.एच–91, जी.टी. रोड, दादरी, जिला गौतमबुद्धनगर हाल पता बेलगंज आगरा–282004
2.टाटा मोटर्स लि. प्लॉट नं.–1, ग्राम गाजीपुर, नई दिल्ली–110096

......विपक्षीगण

परिवादी द्वारा विपक्षीगण के विरूद्ध एक परिवाद संख्या 319/2019 दायर किया है। अतः यह इश्तहार जारी किया जाता है कि यदि विपक्षीगण को कोई एतराज करना हो तो नियत तिथि 10.07.2024 को समय प्रातः 11.00 बजे न्यायालय जिला उपभोक्ता प्रतितोष आयोग गौतमबुद्धनगर मे स्वयं अथवा अपने अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित होकर जवाबदावा प्रस्तुत कर सकते है। यदि नियत तिथि पर आप अनुपस्थित रहते है अथवा जवाबदावा प्रस्तुत नहीं करते है तो आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही अग्रसारित की जायेगी। आज दिनांक 14.06.2024 को जिला उपभोक्ता प्रतितोष आयोग गौतमबुद्धनगर की आज्ञानुसार नोटिस प्रदर्शित किया जाता है।

आदेशानुसार / अध्यक्ष
न्यायालय जिला उपभोक्ता प्रतितोष आयोग गौतमबुद्धनगर

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि श्री भरत भूषण पुत्र श्री मंगत सिंह, गांव हकीकतपुर उर्फ खुदाबंस, एफ–ब्लॉक, राम पार्क एक्सटेंशन, परगना लोनी, तहसील और जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित निर्मित संपत्ति संख्या एफ–1062, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, खसरा नंबर 318 में से, का मालिक है। जो श्रीमती बृज बाला के द्वारा निष्पादित नोटरीकृत जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी, बिक्री के लिए समझौता और वसीयत दिनांक 16.01.2012 के माध्यम से है। और इस संपत्ति को इच्छुक उधारकर्ता यानी श्रीमती रंजना देवी को बेची जानी है। जो एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड के द्वारा वित्तपोषित किया जाएगा। यदि किसी व्यक्ति के पास उक्त संपत्ति में कोई प्रभार / हित / स्वामित्व है या किसी भी प्रकार का विवाद है, तो कृपया अधोहस्ताक्षरी को नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में वर्तमान से 07 दिनों के भीतर सूचित करें। श्रीमती प्रसून लता, अधिवक्ता
एसजी एसोसिएट्स (लॉ फर्म)
एफएफ18, लोटस पॉन्ड प्लाजा, वैभव खंड, इंदिरापुरम, गाजियाबाद, यूपी
ईमेल:sgassociatespl@gmail.com,फोन:7011172764, 01204440300

PUBLIC NOTICE

To be known to all, **HARISH KUMAR S/O LATE SH. SHYAM SUNDER R/O 21/612, DDA FLATS, MADANGIR,DR.AMBEDKAR NAGAR, NEW DELHI-110062 mutatee/owner of Janta Flat No .612, Single Storey, Gali No.21, Madangir, New Delhi-110 062,have applied for certified copies & freehold in DDA.**The original documents, ie. **DEMAND-CUM-ALLOTMENT LETTER, POSSESSION LETTER,NOC FOR WATER AND ELECTRICITY CONNECTION, SITE POSSESSION SLIP & OTHER DOCUMENTS** of the above said flat has been lost. An LR NO.1829023/2024 dated 19/ 06/2024 to this effect has been lodged in P.S. Crime Branch,Delhi.Any person (s)claiming any right,interest,having any objection or found in possession of original documents, may write/contact with above named person at above Address/Phone No. **9810481608** within 15 day s from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objection with respect to this property, can personally inform or write to **Deputy Director (Housing) or Director (Housing),Delhi Development Authority, Vikas Sadan, New Delhi-110023.**

PUBLIC NOTICE

To be known to all that **I Ruchi Khanna W/o Sh. Raju Khanna R/o E-118, Sector-41, G.B.Nagar, Noida, UP-201301 is the owner of Plot No. 44, Block-PP,situated at Pitampura,Delhi has applied for mutation of the aforesaid property in DDA vide online Application/ Request ID No.LD37410LAB/MUT/10012024.** *The original Demand Letter, Handing Over Possession Letter,Site Possession Slip,Perpetual Lease & Mutation Letter of the above plot have been lost.* An FIR/NCR to this effect has lodged in Crime Branch,Police Station New Delhi,vide S O No.430/2014,LR No.1825507/2024 dated 18.06.2024.Any person(s)claiming any right, interest,having any objection or found in possession of original documents, may write/contact with above named person at above address/ phone No. 9818021909 within 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objections with respect to this property can personally inform or write to **Dy. Director(LAB)R,Block C-3, 3rd Floor,or Director (R), A Block, Vikas Sadan, INA, New Delhi.**

Public Notice

This is to inform the general public that **Mr. Harish Kumar** is the GPA Holder of **Plot No. 10 & 11 area measuring 25 sq. yds. i.e., 90 Sq. Mtrs., out of Khasra No. 259. Situated at Prakash Nagar, Khuda colony, Pargana Loni, Tehsil & Distt. Ghaziabad, U.P**. He is in Possession above Said plot through GPA dated 16.06.2022 executed by Mr. Parshuram Singh in favour of Mr. Harish Kumar in respect of the plot no. 10 & 11 area measuring 25 sq. yds., out of Khasra no.259.

Mr. Harish Kumar intends to transfer the ownership by way of Sale Deed of aforementioned plot to **Mr. Nitin Kumar & Mrs. Trivani Devi. Subsequently, Mr. Nitin Kumar & Mrs. Trivani Devi** are in the process of mortgaging the said **SMFG India Home Finance Co. Ltd.** ***(Formerly Fullerton India Home Finance Co. Ltd.)*** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.

If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-day period by contacting **Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301; Landline(s): +910120-3101683; e-mail:** accounts@lvnorth.in

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, hitherto known as Atul Kumar S/o Sh. Ashok Kumar Sharma (Aadhar no.974894520399 R/o 107, Village Dighi, Shikarpur, Bullandshahr, UP 202396 have changed my name and shall hereafter be known as Atul Kumar Sharma.

PD(536)A

I, hereto known as Usha W/o. Mr. Partho Das, R/o. Flat No.-11, 3rd Floor, Bidhu Bhushan Sengupta Road, Indian Oil Petrol Pump, Behala Chowrasta, West Bengal, Kolkata- 700034 changed my name and shall hereafter be known as Usha Das for all future purposes.

PD(537)A

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेन्ट ऑफ सिक्योरीटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरीटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **अभिषेक और रानी कुमारी** को **27.11.2021** की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज खाता नं. **HHLVAS00413195** की राशि **रू.16,59,382.21 /- (रुपए सोलह लाख उनसठ हजार तीन सौ बयासी और इक्कीस पैसे मात्र)** और **17.11.2021** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट **60** दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।

धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतत्तद्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा **13** की उप धारा **(4)** के साथ उक्त कानून के नियम **8** के तहत सिक्योरीटी ईन्ट्रेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **18.06.2024** को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है।

विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतत्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू.16,59,382.21 /- (रुपए सोलह लाख उनसठ हजार तीन सौ बयासी और इक्कीस पैसे मात्र) 17.11.2021** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।

उधारकर्ताओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप - धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

आवासीय अपार्टमेंट नं.सन- 4-0205, दुसरी मंजिल पर, जिसका सुपर एरिया लगभग 93.37 स्के.मी., कवर्ड एरिया 67.09 स्के.मी. और कारपेट एरिया 49.67 स्के.मी., मिगसन अलटीमो से पहचाने जाने वाले ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट में, प्लॉट नं.जीएच-03 पर निर्मित, सेक्टर ओमीक्रोन III, जिला गौतम बुद्ध नगर, ग्रेटर नोएडा -201303, उत्तर प्रदेश, एक कवर्ड कार पार्किंग जगह के साथ।

दिनांक :18.06.2024
स्थान : नोएडा

सही/-
प्राधिकृत अधिकारी
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेन्ट ऑफ सिक्योरीटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरीटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **महिपाल सिंह और ममता सिंह** को **23.02.2022** की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज खाता नं. **HHLNOD00246310** की राशि **रू.29,40,378.07/- (रुपए उनतीस लाख चालीस हजार तीन सौ अठहत्तर और सात पैसे मात्र)** और **16.02.2022** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट **60** दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।

धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतत्तद्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा **13** की उप धारा **(4)** के साथ उक्त कानून के नियम **8** के तहत सिक्योरीटी ईन्ट्रेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **18.06.2024** को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है।

विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतत्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू.29,40,378.07/- (रुपए उनतीस लाख चालीस हजार तीन सौ अठहत्तर और सात पैसे मात्र) 16.02.2022** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।

उधारकर्ताओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप - धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

युनिट नं.सन1 0605, टॉवर सन -1, छठ्ठी मंजिल, मिगसन अलटीमो, प्लॉट नं.जीएच 03, सेक्टर ओमीक्रोन 3, नोएडा, उत्तर प्रदेश-201001

दिनांक :18.06.2024
स्थान : नोएडा

सही/-
प्राधिकृत अधिकारी
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऐक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **प्रदीप कुमार और कांचन** को **22.11.2021** की सूचना में वर्णन के अनुसार **कर्ज खाता नं. HHLVAS00206693** की राशि रू. **9,43,055.22 (रूपये नौ लाख तैंतालीस हजार पचपन और बाईस पैसे मात्र)** और **19.11.2021** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।

धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतद्द्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप-धारा 4 के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **18.06.2024** को संपत्ति पर **आधिपत्य** कर लिया है।

विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतद्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू. 9,43,055.22 (रूपये नौ लाख तैंतालीस हजार पचपन और बाईस पैसे मात्र) 19.11.2021** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।

उधारकर्ताओ का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

फ्लैट नंबर एफएफ-3, पहली मंजिल, पीछे बाएँ हाथ की ओर , प्लॉट नंबर सी- 11/2, डीएलएफ अंकुर विहार, गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश - 201102।

दिनांक : 18.06.2024
स्थान : गाज़ियाबाद

सही/-
प्राधिकृत अधिकारी
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेन्ट ऑफ सिक्योरीटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरीटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **भुवन चंदर जोशी, देवी दत्त जोशी और मंजली भुवन जोशी** को **25.07.2022** की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज खाता नं. **HHLDMT00398238** की राशि **रू.16,91,162.60/- (रुपए सोलह लाख इक्यावन हजार एक सौ बासठ और साठ पैसे मात्र)** और **25.07.2022** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट **60** दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।

धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतत्तद्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा **13** की उप धारा **(4)** के साथ उक्त कानून के नियम **8** के तहत सिक्योरीटी ईन्ट्रेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **18.06.2024** को संपत्ति पर **आधिपत्य** कर लिया है।

विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतत्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू.16,91,162.60/- (रुपए सोलह लाख इक्यावन हजार एक सौ बासठ और साठ पैसे मात्र) 25.07.2022** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।

उधारकर्ताओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप - धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

फ्लैट नं.एसएफ- 3 (एम.आई.जी) जिसका कवर्ड एरिया 550 स्के.फीट जो 51.09 स्के.मी. के बराबर, दुसरी मंजिल पर, (मध्य भाग),(रूफ राइट्स के साथ), प्लॉट नं.A-4/15 पर निर्मित, डीएलएफ अंकुर विहार में स्थित, गाँव लोनी, गाज़ियाबाद -201102, उत्तर प्रदेश।

प्लॉट नं.A-4/15 जो निम्ननुंसार परिबद्ध है:

पूर्व: प्लॉट नं.A-4/17 **पश्चिम: प्लॉट नं.A-2/17**
उत्तर: अन्य की जमीन **दक्षिण: प्लॉट नं.A-4/14, रोड A-4 (9 मीटर चौड़ा)**

दिनांक :18.06.2024
स्थान : गाज़ियाबाद

सही/-
प्राधिकृत अधिकारी
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऐक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **अमित चतुर्वेदी, सोनिया और प्रकाश चतुर्वेदी** को **31.01.2022** की सूचना में वर्णन के अनुसार **कर्ज खाता नं. HHLVAS00213123** की राशि रू. **2,45,291.46 (रूपये दो लाख पैंतालीस हजार दो सौ इक्यावन और छियालीस पैसे मात्र)** और **27.01.2022** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।

धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतद्द्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप-धारा 4 के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **19.06.2024** को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है।

विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतद्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि रू. **2,45,291.46 (रूपये दो लाख पैंतालीस हजार दो सौ इक्यावन और छियालीस पैसे मात्र) 27.01.2022** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।

उधारकर्ताओ का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

यूनिट नं. 01, जिसका अनुमानित सुपर एरिया 960.36 स्क्वे. फीट बारहवीं मंजिल, टावर्स 3ए, अंसल सुशांत प्रोजेक्ट में, एक्वापोलिस, गांव डूंडाहेडा, गाज़ियाबाद-201004, उत्तर प्रदेश।

दिनांक : 19.06.2024
स्थान : गाज़ियाबाद

सही/-
प्राधिकृत अधिकारी
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऐक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **राजेश कुमार साह और स्मिता कुमारी** को **22.04.2022** की सूचना में वर्णन के अनुसार **कर्ज खाता नं. HHLRHN00280798** की राशि रू. **19,32,661.50 (रूपये उन्नीस लाख बत्तीस हजार छह सौ इकसठ और पचास पैसे मात्र)** और **12.04.2022** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।

धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतद्द्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप-धारा 4 के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **18.06.2024** को संपत्ति पर **आधिपत्य** कर लिया है।

विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतद्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू. 19,32,661.50 (रूपये उन्नीस लाख बत्तीस हजार छह सौ इकसठ और पचास पैसे मात्र) 12.04.2022** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।

उधारकर्ताओ का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

गाँव लोनी, (4 स्टॉरीड बिल्डिंग) एस.एल.एफ. वेद विहार, खसरा नं. 1218, आवासीय प्लॉट नं. एफ -35 पर स्थित, छत अधिकार के बिना, दाहिने हाथ के सामने की ओर, एमआईजी, ऊपरी तल मंजिल पर एमआईजी फ्लैट नंबर यूजीएफ 2, जिसका कवर्ड क्षेत्र 500 चौ. फीट, 46.45 चौ. मीटर्स के बराबर, गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश -201101, निम्नानुसार परिबद्ध है:

पूर्व : 9 मीटर्स चौड़ी सड़क पश्चिम : सामान्य पैसेज और फ्लैट नं. यू.जी.एफ 03, एल.आई.जी
उत्तर: प्लॉट नंबर एफ 34 दक्षिण : फ्लैट नं. यू.जी.एफ -01(एल.आई.जी)

दिनांक : 18.06.2024
स्थान : गाज़ियाबाद

सही/-
प्राधिकृत अधिकारी
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेन्ट ऑफ सिक्योरीटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरीटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **सन्नी कुमार और रेखा देवी** को **22.12.2022** की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज खाता नं. **HHLDCP00391858** की राशि **रू.12,17,812.54 /- (रुपए बारह लाख सत्रह हजार आठ सौ बारह और चौवन पैसे मात्र)** और **15.12.2022** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट **60** दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।

धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतत्तद्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा **13** की उप धारा **(4)** के साथ उक्त कानून के नियम **8** के तहत सिक्योरीटी ईन्ट्रेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **18.06.2023** को संपत्ति पर **आधिपत्य** कर लिया है।

विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतत्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा **राशि रू.12,17,812.54 /- (रुपए बारह लाख सत्रह हजार आठ सौ बारह और चौवन पैसे मात्र) 15.12.2022** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।

उधारकर्ताओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप - धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

फ्लैट नं.एसएफ- 403 (एलआईजी) जिसका कवर्ड एरिया 29.72 स्के.मी. जो 320 स्के.फीट के बराबर, दुसरी मंजिल पर, पीछे एलएचएस,(रूफ राइट्स के साथ) डीएलएफ अंकुर विहार से पहचाने जाने वाली कॉलोनी में, प्लॉट नं.ए-7/2 पर बना, परगना लोनी में स्थित, गाज़ियाबाद-201102, उत्तर प्रदेश

दिनांक :18.06.2024
स्थान : गाज़ियाबाद

सही/-
प्राधिकृत अधिकारी
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऐक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **प्रदीप सिंह तोमर प्रोप्राइटर विकास टूर्स एंड ट्रैवल्स और करुणा तोमर** को **19.04.2021** की सूचना में वर्णन के अनुसार **कर्ज खाता नं. HHLDMT00339752** की राशि रू. **14,54,743.80 (रूपये चौदह लाख चौवन हजार सात सौ तैंतालीस और अस्सी पैसे मात्र)** और **31.03.2021** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।

धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतद्द्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप-धारा 4 के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **18.06.2024** को संपत्ति पर **आधिपत्य** कर लिया है।

विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतद्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू. 14,54,743.80 (रूपये चौदह लाख चौवन हजार सात सौ तैंतालीस और अस्सी पैसे मात्र) 31.03.2021** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।

उधारकर्ताओ का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

छत/टेरेस के साथ दूसरी मंजिल पर आवासीय फ्लैट बेअरींग नं. एस एफ-03. एमआईजी, पीछे दाहिने हाथ की ओर, एक डाइनिंग/ड्राइंग रूम, दो बेडरूम, दो शौचालय, एक रसोई और बालकनी, कुल कवर्ड एरिया 500 स्क्वे. फीट यानी 46.45 स्क्वे. मीटर्स, आवासीय प्लॉट नं. एफ-44 में, ब्लॉक-एफ, "एस.एल.एफ. वेद विहार" गाँव लोनी, तहसील लोनी, गाज़ियाबाद-201004, उत्तर प्रदेश, उक्त प्लॉट चारों तरफ से परिबद्ध है:

पूर्व : अन्य की संपत्ति पश्चिम : 09 मीटर्स चौड़ी सड़क
उत्तर : प्लॉट नंबर एफ - 45 दक्षिण : प्लॉट नंबर एफ - 43

दिनांक : 18.06.2024
स्थान : गाज़ियाबाद

सही/-
प्राधिकृत अधिकारी
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड

नीट परीक्षा

समग्र जांच

नीट परीक्षा पर उठे सवालों को देखते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने वर्तमान परीक्षा में प्रशासनिक ढिलाई की समग्र जांच का आदेश दिया है। नेशनल इलिजिबिलिटी कम इंट्रेंस टेस्ट-'नीट' परीक्षा भारत में चिकित्सा व दंत चिकित्सा पाठ्यक्रमों में स्नातक स्तर पर भारतीयों का प्रवेश द्वार है, लेकिन वर्तमान समय में यह विवादों में घिर गई है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने परीक्षा संचालन में संभावित लापरवाही पर चिन्ता प्रकट करते हुए व्यापक जांच के आदेश दिए हैं। 4 जून को परिणामों की घोषणा के बाद से ही 'नीट' परीक्षा विभिन्न मुद्दों के कारण विवादों में घिर गई है। इनमें प्रश्न पत्र में गलतियां, ग्रेस मार्क्स का गलत आबंटन तथा पेपर लीक व धोखाधड़ी के आरोप शामिल हैं। इस कारण छात्र और उनके माता-पिता पुनः परीक्षा की मांग कर रहे हैं। हालांकि, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी-एनटीए के अधिकारियों ने पेपर लीक से इनकार किया, पर इसके बावजूद शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने स्वीकार किया है कि कुछ परीक्षा केन्द्रों पर 'कुछ अनियमिततायें' सामने आई हैं। पूरे देश में चिकित्सा प्रवेश को मानक बनाने के लिए 'नीट' को शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य विभिन्न चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश का एक आधार बनाना था। लेकिन इसकी शुरुआत से ही परीक्षाओं को अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ा जिनमें धोखाधड़ी के आरोप, प्रश्न पत्र लीक तथा असमान पहुंच की शिकायतें शामिल हैं। इसके कारण परीक्षा के पक्ष-विपक्ष में व्यापक बहस तथा विरोध प्रदर्शन हुए। सर्वोच्च न्यायालय ने एक प्रमुख निर्णय में 'नीट' परीक्षा के प्रशासन पर उठते गंभीर सवालों पर ध्यान दिया था। उसने संभावित लापरवाही को रेखांकित करते हुए व्यापक जांच का आदेश दिया। पिछले वर्षों में 'नीट' प्रश्न पत्र लीक व धोखाधड़ी के अनेक मामलों में घिरी रही। इसके कारण न केवल परीक्षा की शुचिता प्रभावित हुई, बल्कि इससे परीक्षा करवाने वाले अधिकारियों की निष्ठा भी संदेह के घेरे में आ गई। ऐसे मुद्दे एक निरंतर समस्या बन गए हैं जिसके कारण व्यवस्था में विश्वास घटा है तथा जनता में निराशा बढ़ी है।

इसके साथ ही परीक्षा तक पहुंच तथा समानता पर भी सवाल उठे हैं। आरोप है कि 'नीट' मूलतः शहरी क्षेत्रों के समृद्ध छात्रों पर ध्यान केन्द्रित करती है जिनकी पहुंच उच्च गुणवत्ता वाली कोचिंगों तथा शिक्षा संसाधनों तक होती है। इससे ग्रामीण व आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों को नुकसान उठाना पड़ता है। इस असमानता के कारण अनेक राज्यों तथा समुदायों में विरोध प्रदर्शन हुए हैं क्योंकि वे स्वयं को वर्तमान व्यवस्था में हाशियाकृत मानते हैं। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा संभावित लापरवाही के कारण जांच का आदेश 'नीट' परीक्षा प्रक्रिया में प्रशासनिक कमियों की गंभीरता उजागर करता है। परीक्षा बोर्डों के भीतर या संबंधित उद्यमों में भ्रष्टाचार के आरोप हैं जिनके कारण पेपर लीक होते हैं या रिश्वत के बदले छात्रों को धोखाधड़ी की अनुमति दी जाती है। इस प्रकार का आंतरिक भ्रष्टाचार परीक्षा की निष्ठा गहराई तक प्रभावित करता है। कुछ राज्यों ने क्षेत्रीय व भाषाई भिन्नताओं के कारण अपने छात्रों को होने वाले नुकसान के कारण 'नीट' का विरोध किया है। इस विरोध के पीछे व्यापक राजनीतिक कारण हो सकते हैं जहां कुछ राजनीतिक हित चिकित्सा प्रवेश परीक्षाओं के केन्द्रीकरण के खिलाफ हैं। वास्तव में 'नीट' प्रक्रिया में विश्वास बहाल करने के लिए जांच तथा यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि भावी चिकित्सा छात्रों को न्यायोचित अवसर मिलें।

भारत की सनातन परंपरा है योग

योग का भारत की सनातन परंपरा में अर्थ जोड़ है। इसका दूसरा अर्थ मनः समाधि अर्थात मानसिक स्थिरता प्राप्त करने से है। दूरगामी दृष्टि से देखने पर लगता है कि योग ब्रह्मांड से स्वयं का सामंजस्य स्थापित करने के संबंध में है।

डा. विकास नौटियाल
(लेखक, इतिहास के प्रोफेसर हैं)

स्वामी रामदेव जैसे योग गुरुओं एवं सरकार के प्रयासों से योग भारत ही नहीं वैश्विक स्तर पर असाधारण रूप से लोकप्रिय हो रहा है। योग का भारत की सनातन परंपरा में सामान्य अर्थ जोड़ से है तथा दूसरा अर्थ मनः समाधि अर्थात मानसिक स्थिरता प्राप्त करने से है। दूरगामी दृष्टि से देखने पर लगता है कि योग ब्रह्मांड से स्वयं का सामंजस्य स्थापित करने के संबंध में है। भारतीय चिंतन पद्धति में योग का जनक पतंजलि को माना जाता है किंतु योग एक सनातन प्रक्रिया रही है। पतंजलि से पूर्व भी भारतीय इतिहास एवं संस्कृति में योग का उल्लेख आता है। भारतीय चिंतन के प्राचीनतम छोर पर सांख्य दर्शन के जनक कपिल मुनि का नाम एक सिद्धयोगी के रूप में मिलता है। श्रीमद्भगवत गीता के रचयिता ने भी योगेश्वर श्रीकृष्ण के मुख से यही कहलवाया है कि सिद्धों में मैं कपिल मुनि हूं, मानो कपिल के समान कभी किसी और को योग सिद्ध हुआ ही न हो किंतु कपिल की ऐतिहासिकता को लेकर मतातंर रहे हैं।

योग का ऐतिहासिक प्रारंभ आज से 5000 वर्ष पूर्व भारतीय उपमहाद्वीप की सिंधु-सरस्वती सभ्यता की आदि योगी (प्रोटो शिव) की मुहर में देखा जाना अधिक उपयुक्त लगता है। पशुपति शिव कही जाने वाली इस मुहर में एक योगी भद्रासन की शांभवी मुद्रा में विराजमान है। मोहनजोदड़ो से प्राप्त शांभवी मुद्रा के योगी की इस मुहर को सर्वप्रथम पुरातत्वविद जॉन मार्शल द्वारा शिव से जोड़ते हुए इस सील को प्रोटो शिव कहा गया।

वर्तमान में अनेक विद्वान इस योगी की मुहर में जो कुछ भी अंकन हुआ है, उसे ऋग्वेद के रुद्र (शिव) से संबंधित मंत्रों से भी जोड़ने का प्रयास करते हैं। इन विद्वानों के अनुसार ऋग्वेद के रुद्र संबंधी कुछ मंत्रों में उन्हीं पशुओं-हाथी, बाघ, गंडा, भैंसा, हिरण का उल्लेख हुआ है जो सिंधु सभ्यता में पशुपति की मुहर में अंकित हैं। पुरातात्विक साक्ष्यों के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि इस सभ्यता के लोग मोटे तौर पर शांतिप्रिय थे। जिसका कारण संभवत योगिक प्रवृत्तियों की भूमिका रही होगी। भारतीय उपमहाद्वीप की इस सभ्यता में योग की इन गहन स्थितियों को देखकर यह अनुमान लगाया जा सकता है कि योग इस सभ्यता की समयावधि (2500 ईसा पूर्व) से पहले भी भारतीय सभ्यता में विद्यमान रहा होगा।

वैदिक कालीन संस्कृति की ऐतिहासिकता अनेक इतिहासकारों द्वारा 1500 ईसा पूर्व से बताई जाती है किंतु श्रुति परंपरा को अगर गहराई से देखा जाए तो वैदिक संस्कृति इससे कई सौ वर्ष पूर्व की रही होगी। ऋग्वेद का ऋषि प्रकृति से सीधे संवाद करता हुआ दिखाई देता है। यहां मन की एकाग्रता के द्वारा प्रकृति के साथ योग करने का प्रयास किया गया है। ऋग्वेद की सबसे अधिक चर्चित ऋचा गायत्री मंत्र है एवं इस मंत्र में धीमहि शब्दावली का प्रयोग है जिसका अर्थ है ध्यान करें। इस मंत्र में सूर्य के सावित्र रूप (सविता) का ध्यान करने का वर्णन आया है न कि सावित्री की पूजा करने, प्रार्थना करने, नमस्कार करने का उल्लेख आया है। यहां सविता से तात्पर्य सूर्य के साथ साथ सृजनात्मकता से भी है। वस्तुतः योग का सर्वाधिक महत्वपूर्ण प्रयोजन व्यक्ति की चेतना को जागृत कर उसे नवीन के सजन करने योग्य बनाया जा सकना है।

> **योग का ऐतिहासिक प्रारंभ आज से पांच हजार वर्ष पूर्व भारतीय उप-महाद्वीप की सिंधु-सरस्वती सभ्यता की आदियोगी, यानी भगवान शंकर की मुहर में देखा जाना अधिक उपयुक्त लगता है। पशुपति शिव कही जाने वाली इस मुहर में भगवान शंकर भद्रासन की शांभवी योग मुद्रा में विराजमान हैं।**

बौद्ध एवं जैन आंदोलनों में भी योगिक क्रियाओं का विस्तार देखा जा सकता है। गौतम बुद्ध का संपर्क अरण्य संस्कृति के दो योगियों आलार कालाम एवं उद्दक रामपुत्र से हुआ किंतु अपने खोज पूर्ण न हो पाने के कारण वे अंतिम सत्य को पाने के लिए पद्मासन में बैठकर साधना करने लगे। बुद्धत्व की प्राप्ति के उपरांत वे एक ही आसन में 7 दिन तक बैठे रहे एवं मुक्ति का आनंद लेते रहे। इस स्थिति को पतंजलि के योग में आनंदानुगतसमाधि कहा गया है। उनके द्वारा प्रारंभ की गई प्रत्याहार, धारणा एवं ध्यान पर आधारित ध्यान की विधि विपश्यना वर्तमान में भी प्रचलन में है। संभवत महात्मा बुद्ध की विचारधारा भारतीय सनातन के इतिहास में अध्यात्म के मार्ग से विज्ञान तक की एक अद्वितीय यात्रा रही।

परवर्ती काल में योग एवं ध्यान की तकनीक पर आधारित बौद्ध धर्म की एक महत्वपूर्ण शाखा योगाचार का विकास हुआ। जैन पंथ के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव (आदिनाथ) का स्वयं एक सिद्धपुरुष होने का उल्लेख आता है। जैन धर्म के अनेक तीर्थंकरों के नाम के साथ इंद्रियों का स्वामी नाथ शब्दावली का प्रयोग हुआ है। यहां इनकी हठ योगियों के नाथ के साथ सीमित समानता भी दिखाई देती है।

भारतीय सनातन परंपरा में कहा गया है कि युद्ध जीतने से अधिक महत्वपूर्ण स्वयं को जीतना है। योगिक परंपरा की दृष्टि से जैन तीर्थंकरों द्वारा सुखासन के स्थान पर ताड़ासन, पर्वतासन, कायोत्सर्ग आसन का प्रयोग किया गया है। संभवत पतंजलि ने भी जैन धर्म में यम नियमों की पहचान कर उन्हें महाव्रत बताया।

ऐतिहासिक दृष्टि से यह स्पष्ट होता है कि पतंजलि की योग सूत्र पर भारत की बौद्ध एवं जैन जैसी श्रमण विचारधाराओं का भी प्रभाव रहा। कालांतर में व्यास द्वारा योगसूत्र पर एक भाष्य लिखा गया। आठवीं शताब्दी में कश्मीर के प्रत्यभिज्ञा दर्शन की परंपरा के अंतर्गत विज्ञान भैरव नामक एक शैव दर्शन का ग्रंथ लिखा गया। इस ग्रंथ में ध्यान लगाने के 112 उपायों का उल्लेख मिलता है। पूर्व मध्यकाल में भारतीय इतिहास में योगिनी संप्रदाय, गोरखनाथ एवं नाथ संप्रदाय, हठयोग का विकास होता हुआ दिखाई देता है। ब्रह्म संबंधी चिंतन एवं यू की परंपरा कबीर एवं अन्य निर्गुण संत में देखी जा सकती है।

इन्हीं परंपराओं ने कबीर को एक क्रांतिकारी सुधारक एवं युगावतार के रूप में विकसित किया। योग की इस परंपरा का प्रभाव सूफियों कश्मीर के कृषि संप्रदाय, चिश्ती एवं कादरी पर भी देखा जा सकता है। 17 वीं शताब्दी में घेरंड मुनि द्वारा योग विषय पर घेरंड संहिता लिखी गई एवं इस ग्रंथ में 84 आसनों का विस्तृत विवेचन मिलता है। इसके उपरांत योगी पायाहरि बाबा के शिष्य योगी जैत राम द्वारा 18 वीं शताब्दी में योगासनमाला नामक ग्रंथ में योग के आसनों का उल्लेख मिलता है। जिसमें 110 आसनों का रेखा चित्रों के साथ वर्णन मिलता है। भारतीय योग परंपरा का प्रभाव तिब्बत की संस्कृति में भी देखा जाता है।

तिब्बती लामाओं द्वारा ध्यान के माध्यम से शरीर पर नियंत्रण रखने के अद्भुत प्रमाण दिखाई देते। यहां के भिक्षु वर्षों तक ध्यान मुद्रा में रहा करते थे। 19वीं शताब्दी के प्रारंभ तक भारत में अंग्रेजी राज्य का राजनीतिक रूप से ही नहीं अपितु अन्य रूपों से भी प्रभुत्व स्थापित हो चुका था। पश्चिम साम्राज्यवाद की चुनौतियों के प्रत्युत्तर में स्वामी रामकृष्ण एवं अन्य सिद्धों द्वारा अपनी साधना का विकास किया गया।

उन्हीं के परमशिष्य स्वामी विवेकानंद द्वारा वेदांत के चिंतन के आधार पर भक्ति योग कर्म योग राजयोग का पहली बार आधुनिक काल में वैज्ञानिक विवेचन किया गया। आज भारत के प्रयासों से योग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त हो चुकी है वर्तमान समय में उम्मीद की जाती है कि योग के माध्यम से वैश्विक रूप से मानव जीवन को आने वाले समय में अधिक शांत एवं समृद्ध बनाया जा सकेगा।

मोदी सरकार की विदेश नीति

> **भू-राजनीतिक तनावों के बीच मोदी की जी 7 में सहभागिता लोकतांत्रिक सिद्धान्तों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता प्रकट करती है।**

कुमार चेलप्पन
(लेखक, द पायनियर के विशेष संवाददाता हैं)

भू राजनीतिक तनावों के बीच मोदी की जी 7 में सहभागिता लोकतांत्रिक सिद्धान्तों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता प्रकट करती है। इससे विश्व मंच पर उसकी स्थिति भी स्पष्ट होती है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में प्रधानमंत्री पद प्राप्त करने के एक सप्ताह के भीतर प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। उन्होंने इस सप्ताह इटली में राष्ट्रों के शक्तिशाली समूह जी 7 के नेताओं से मुलाकात की। उन्होंने सम्मेलन में पधारे अफ्रीकी व अरब देशों के अनेक नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें कर मुख्यतः अमेरिकन व यूरोपीय नेताओं को स्पष्ट संदेश दिया।

तीसरी बार उल्लेखनीय रूप से पद प्राप्त करने के बाद यह प्रधानमंत्री मोदी की पहली विदेश यात्रा थी। लगभग दो महीने चले चुनाव में अत्यधिक भयानक गर्मी के बीच लगभग 670 मिलियन मतदाताओं ने कतारों में प्रतीक्षा की ताकि वे सबसे बड़े लोकतंत्र का नेता चुन सकें। हालांकि, महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करने के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी और उनकी पार्टी अपने दम पर बहुमत प्राप्त करने में विफल रही और वह अब नेतृत्व के लिए चुनाव-पूर्व गठबंधन वाले राजनेताओं के साथ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं। यह ऐसे समय महत्वपूर्ण है जब यूरोप के अनेक हिस्सों के साथ अमेरिका में लोकतांत्रिक उथलपुथल व्याप्त है।

अमेरिका में इस साल के अंत में चुनाव होंगे और वहां दोनों पक्षों की ओर से बहस तीखी होती जा रही है। इसी प्रकार यूरोपीय संसद के चुनावों में धुर-दक्षिणपंथी पार्टियां आगे आ रही हैं जिसका प्रभाव लंबे समय तक भू-राजनीति पर पड़ेगा। मोदी को इस तथ्य से संतोष है कि उनको पश्चिमी देशों के समक्ष भारतीय लोकतंत्र की स्थिति स्पष्ट

करने के लिए सावधानी से चुने राजनयिक बयानों पर निर्भर नहीं होना पड़ रहा है। पिछले कुछ सालों में पश्चिमी देशों और अमेरिका में भारतीय लोकतंत्र के स्वास्थ्य के बारे में अनेक सवाल उठे थे जिनमें अल्पसंख्यक अधिकारों, धार्मिक स्वतंत्रताओं तथा प्रेस की स्वतंत्रता, आदि शामिल थे।

भारतीय मतदाताओं द्वारा लगभग पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनाना इस बात का प्रमाण है कि पार्टी पर समुचित नियंत्रण एवं संतुलन लागू होंगे। इसमें सर्वोच्च पदों पर लोगों की नजर रहेगी तथा संसद में जीवन्त विपक्ष की उपस्थिति प्रधानमंत्री को स्पष्टवादिता के लिए प्रेरित करेगी। इस प्रकार अनेक देशों से संबंधों के मामले में प्रधानमंत्री और उनके राजनयिकों को 'स्वर्ण मानक' स्थापित करने होंगे। भारत का जीवन्त लोकतंत्र के रूप में बेदाग रिकार्ड है जहां जनसंख्या अत्यधिक विविधतापूर्ण है। भारत ऐसे परिवेश में है जहां अनेक गैर-लोकतांत्रिक व्यवस्थायें विद्यमान हैं। यह तथ्य भी नहीं भुलाया जाना चाहिए कि हम चीन के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। राज्य और राष्ट्र प्रमुख के रूप में लगभग तीन दशक का अनुभव रखने वाले प्रधानमंत्री मोदी के लिए राजनय नई बात नहीं है। आम चुनाव के पहले अनेक साक्षात्कारों में उन्होंने भारत की 'वैश्विक छवि' बनाने के बारे में अपने विचार स्पष्ट किए हैं। जी 20 में भारत शानदार परोक्ष राजनयिक वार्ताओं के फलस्वरूप एक संयुक्त बयान जारी करने में सफल हुआ था। इसके साथ ही अनेक उच्चस्तरीय विदेश यात्राओं, नागरिकों व पड़ोसियों के लिए अनेक बचाव अभियानों, कोविड के दौरान आपातकालीन औषधियों की सप्लाई, आदि प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा वैश्विक प्रबंधन में सम्मान का कारण बने हैं। प्रधानमंत्री के तीसरे कार्यकाल में जी 7 नेताओं के साथ उनकी बैठकें निरंतरता का पर्याय हैं। इसके साथ ही उन्होंने वर्तमान तथा संभावित नए सहयोगियों के साथ नए संबंधों के रोडमैप तैयार किए हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इटली यात्रा ऐसे समय हुई है जब यूक्रेन युद्ध लगातार जारी है तथा अनेक बाधाओं के बावजूद आक्रमणकारी रूस के खिलाफ एक संयुक्त यूरोपीय दृष्टिकोण उभर कर सामने आ रहा है। इनमें से अनेक की इज़राइल के 'आतंक के खिलाफ युद्ध' पर भी समान चिन्तायें हैं जो कई महीनों से जारी है। उल्लेखनीय है कि इज़राइल और रूस भारत के निकट सहयोगी हैं, ऐसे में भारत को इन परिवर्तनशील स्थितियों के बारे में टिप्पणी करने में अत्यधिक सतर्कता बरतनी होती है। अब तक वह ऐसा करने में सफल रहा है। अतीत के संबंधों की गतिशीलता पर गहरे संबंध बनाने के साथ अमेरिका जैसे नए सहयोगियों के साथ संवेदनशील राजनय का परिचय देना होगा।

कोई आश्चर्य नहीं कि इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी ने परिपक्व राजनयिक व विदेश मंत्री एस. जयशंकर को दूसरे कार्यकाल के लिए चुना है। अपने पिछले कार्यकाल में विकसित विदेश नीति में निरंतरता बनाए रखने पर प्रधानमंत्री का विशेष ध्यान है। उभरती भू-राजनीतिक स्थितियों में भारत की भूमिका का लगातार परीक्षण आने वाले दिनों में भी होता रहेगा।

आप की बात

रक्तदान का महत्व

दुनिया भर के वैज्ञानिक ऐसे यूनिवर्सल डोनर ब्लड की तलाश में हैं जो किसी भी ब्लड ग्रुप वाले व्यक्ति को दिया जा सके। वैसे तो ओ ब्लड ग्रुप वाले यूनिवर्सल डोनर माने जाते हैं लेकिन उनकी संख्या बहुत कम है। नेचर माइक्रो बायॉलजी में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार शोधकर्ताओं ने इस समस्या के समाधान में सहायक तरीका खोजा है। यह चिकित्सा के इतिहास में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। हमारे देश में ब्लड डोनेशन को लेकर बहुत उदासीनता और पूर्वाग्रह व्याप्त हैं। इसे देखते हुए अब ब्लड लेने वाले व्यक्ति के परिजनों को उतने यूनिट ब्लड का डोनेशन करना जरूरी कर दिया गया है। फिर भी मानव जीवन बचाने के लिए जरूरी खून की पूर्ति नहीं हो पाती है। इसमें सबसे बड़ी बाधा ब्लड ग्रुप का न मिलना होता है। इस नई खोज से एआई के सहयोग से समस्या का सटीक समाधान निकाला जा सकता है। इससे युद्ध व प्राकृतिक आपदा जैसे हालातो में ब्लड की कमी को काफी सीमा तक फौरन दूर किया जा सकेगा। देश में युवा वर्ग को अधिक से अधिक ब्लड डोनेशन के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। ब्लड डोनेशन से शरीर में किसी प्रकार की कमजोरी नहीं आती और कुछ हफ्तों में ही डोनेट की गई मात्रा के बराबर नया रक्त बन जाता है। इसका पर्याप्त प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए।

–**सुभाष बुडावन वाला**, रतलाम

निरर्थक कयासबाजी

लोकसभा चुनाव में कम सीटें मिलने पर भाजपा और आरएसएस के संबंधों में दूरियां बढ़ने के कयास लगाए जा रहे हैं। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कुछ मुद्दे उठाए थे जिनको भी भाजपा और आरएसएस के बीच दूरी का प्रमाण बताया गया। इस दुष्प्रचार के बाद आरएसएस की ओर से स्पष्ट रूप से कहा गया कि बीजेपी और आरएसएस के बीच कोई मतभेद नहीं है। लेकिन इस बयान को अनदेखा कर ऐसे मुद्दों को उछाला जा रहा है जिससे दोनों के बीच दूरी का भाव प्रकट हो। जनसंघ के जमाने से ही आरएसएस और जनसंघ को एक ही सिक्के के दो पहलू माना जाता था और आज भी इस स्थिति में कोई अंतर नहीं आया है। उस समय भी स्पष्ट था कि राजनीति में आए बिना देश के बहुसंख्य हिंदुओं के हित साधना असंभव है। आज अपने गठन के समय 2 सांसदों से बढ़ कर बीजेपी विकसित होकर वटवृक्ष बन गई है। मोदी सरकार को कमजोर करने के लिए यह दुष्प्रचार किया जा रहा है। आरएसएस के अनेक आनुषांगिक संगठन हैं और वे अपने-अपने क्षेत्र में काम करते रहते हैं। उनके मतों में पूर्ण एकरूपता के बजाय भिन्नता पाई जाती है और इनके बीच समन्वय आरएसएस की विशेषता है।

– **विभूति बुपक्या**, खाचरोद

राष्ट्रीय सहमति

आज जब राजनीतिक दलों के बीच टकराव चरम पर है, राष्ट्रीय हितों पर सहमति बनाना अत्यंत आवश्यक हो गया है। सुरक्षा और आर्थिक विकास किसी भी देश की नींव होते हैं और इन मुद्दों पर राजनीति से ऊपर उठकर सोचना चाहिए। इसके लिए एक राष्ट्रीय नीति आयोग का गठन किया जाना चाहिए जिसमें सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, विशेषज्ञ और वरिष्ठ पत्रकार शामिल हों। यह आयोग नियमित अंतराल पर मिलकर राष्ट्रीय हितों से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श कर सर्वसम्मति से निर्णय ले। इससे न केवल त्वरित और प्रभावी नीति निर्माण संभव होगा, बल्कि देश की एकता और अखंडता भी बनी रहेगी। मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। हमें अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए निष्पक्ष और तथ्यात्मक रिपोर्टिंग करनी चाहिए। सनसनीखेज समाचारों से बचते हुए राष्ट्रीय हितों पर ध्यान केंद्रित करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। शिक्षा प्रणाली में बदलाव की आवश्यकता है। हमें बच्चों को शुरू से ही राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता की महत्ता समझानी चाहिए। यदि हम सभी मिलकर एकजुट होकर काम करें तो निस्संदेह हमारा देश प्रगति की नई ऊंचाइयों को छू सकता है। महत्वपूर्ण मुद्दों पर राष्ट्रीय सहमति का विकास जरूरी है।

– **अवनीश गुप्ता**, आजमगढ़

परीक्षाओं पर सवाल

आजकल अनेक परीक्षाओं पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। कभी इस प्रदेश में पेपर लीक की घटना तो कभी उस प्रदेश में, कभी परीक्षार्थी सड़क पर उतर रहे हैं तो कभी वे कोर्ट की सीढ़ी नाप रहे हैं, कभी नेट की परीक्षा के पेपर लीक हो रहे हैं तो कभी नीट के और कभी अन्य परीक्षाओं के। कभी परीक्षाएं रद्द हो रही हैं तो कभी सीबीआई जांच के आदेश आ रहे हैं। आखिर अभ्यर्थियों और परीक्षार्थियों के साथ ऐसा मजाक क्यों चल रहा है? कितनी मेहनत, समय और धन खर्च करके हजारों-लाखों विद्यार्थी अनेक स्पर पर प्रतियोगी परीक्षाएं देते हैं। उनमें जो पास हो जाते हैं वे उम्मीद लगा लेते हैं अपने अगले कॅरियर की ओर पता लगता है कि पेपर लीक होने के कारण सब कुछ रद्द हो गया। ऐसे में क्या गुजरती होगी उन पर और उनके पेरेंट्स पर। सरकार सख्त कदम उठाये ताकि विद्यार्थियों और अभ्यर्थियों का भविष्य बनते-बनते रुकने न पाए और न ही परीक्षाएं सरकार की क्षमता व निष्ठा पर सवाल उठाने का कारण बनें। भारत अनेक क्षेत्रों में दुनिया में अग्रणी है, फिर वह ठीक से परीक्षायें कराने में बार-बार विफल क्यों होता है?

–**शकुंतला महेश नेनावा**, इंदौर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

प्रत्येक परिवार के पास हो फैमिली आईडी, हर वंचित को मिलेगा योजनाओं का सीधा लाभः योगी

● मुख्यमंत्री का निर्देश, जाति और आय प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया का सरलीकरण करें

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश की प्रत्येक परिवार इकाई को जारी की जा रही 'परिवार आईडी' प्रक्रिया की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की और इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ सभी परिवारों को उपलब्ध कराए जाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर परिवार को सरकार की योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने तथा प्रत्येक परिवार के न्यूनतम एक सदस्य को रोजगार-सेवायोजन से जोड़ने के संकल्प के क्रम में प्रदेश मे परिवार आईडी जारी की जा रही है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में निवासरत लगभग 3.60 करोड़ परिवार के 15.07 करोड़ लोग राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ पा रहे हैं। इन परिवारों की राशनकार्ड संख्या ही फैमिली आईडी है। जबकि 1 लाख से अधिक गैर राशन कार्ड धारकों को फैमिली आईडी जारी की जा चुकी है। ऐसे परिवार जो कि राशन कार्ड धारक नहीं है, उनके लिए वेबसाइट पर पंजीयन कर परिवार आईडी प्राप्त करने की व्यवस्था है। इस योजना का अधिकाधिक प्रचार-प्रसार किया जाए।

प्रदेश का कोई भी परिवार इससे वंचित न रहे। एक परिवार-एक पहचान योजना के तहत प्रत्येक परिवार को एक विशिष्ट पहचान जारी किया जा रहा है, जिससे राज्य की परिवार इकाइयों का एक लाइव व्यापक डेटाबेस स्थापित होगा। यह डेटाबेस लाभार्थीपरक योजनाओं के बेहतर प्रबंधन, समयबद्ध लक्ष्यीकरण, पारदर्शी संचालन एवं योजना का शत-प्रतिशत लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने और आम जनता को सरकारी सुविधाओं का लाभ उपलब्ध कराने की व्यवस्था के सरलीकरण में सहायक होगा। परिवार आईडी प्रदेश के सभी परिवारों के लिए है। 25 करोड़ जनता को इसका लाभ मिलना चाहिए। परिवार आईडी के माध्यम से प्राप्त एकीकृत डेटाबेस के आधार पर रोजगार से वंचित परिवारों का चिन्हांकन कर उन्हें रोजगार के समुचित अवसर प्राथमिकता पर उपलब्ध कराए जा सकेंगे। केंद्र व राज्य सरकार संचालित 76 योजनाओं/सेवाओं को फैमिली आईडी से लिंक किया जा चुका है। अवशेष सभी लाभार्थीपरक योजनाओं को परिवार आईडी से लिंकेज किया जाए। केन्द्र सरकार के सहयोग से संचालित समस्त योजनाओं का डेटाबेस प्राप्त कर उसे परिवार कल्याण पास बुक एवं फैमिली आईडी से जोड़ा जाना चाहिए। सभी लाभार्थीपरक (डीबीटी) योजनाओं/सेवाओं के ऑनलाइन आवेदन में आधार आवेदन एवं आधार अधिप्रमाणन अनिवार्य किया जाना चाहिए। इस तरह फैमिली आईडी का कवरेज बढ़ाने में सहायता मिलेगी। आईटीआई, पॉलिटेक्निक एवं अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों में नए प्रवेश के समय आधार ऑथेंटिकेशन कराएं, तदोपरान्त परिवार आईडी से लिंकेज किया जाए। जाति और आय प्रमाण पत्र जारी करने में अनावश्यक देरी न हो। इस प्रक्रिया का सरलीकरण किया जाए। सीएम ने कहा कि हर एक परिवार को मिल रहे शासकीय योजनाओं के लाभ का पूरा विवरण दर्शाते हुए परिवार का पासबुक भी तैयार कराया जाए। पास-बुक और परिवार आईडी जारी करने से पूर्व परिवार के संबंध में सभी जानकारी को विधिवत प्रमाणित किया जाए।

किसी भी सूरत में कब्जा बर्दाश्त नहीं, ऐसा करने वालों पर हो कठोर कार्रवाईः योगी

● मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में सुनीं आमजनद की पीड़ा, समस्याओं का समय से निस्तारण करने दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर 'जनता दर्शन' किया। इस दौरान प्रदेश के विभिन्न कोनों से पहुंचे सैकड़ों लोगों ने मुख्यमंत्री को अपनी पीड़ा सुनाई। सीएम ने प्रत्येक पीड़ितों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को समयसीमा के अंदर समाधान के निर्देश दिए। जनता दर्शन कार्यक्रम में महिलाएं, पुरुष व युवाओं ने अपनी-अपनी समस्याओं से अवगत कराया।

मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में पहुंचे प्रत्येक पीड़ितों से मुलाकात की। सीएम ने उनकी समस्याओं को सुना, फिर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पीड़ितों को समय सीमा के अंदर न्याय मिले। किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनता दर्शन में पुलिस की प्रताड़ना से सम्बंधित शिकायत को मुख्यमंत्री ने गम्भीरता से लिया। बोले कि पीड़ितों के प्रति पुलिस संवेदनशील रहे और स्थानीय स्तर पर ही सुनवाई सुनिश्चित होती रहे। वहीं उपचार के लिए आर्थिक सहायता के प्रार्थना पत्र भी आए, जिस पर मुख्यमंत्री ने कागजी कार्रवाई कर मरीजों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। जमीन पर कब्जे की शिकायत को लेकर आए पीड़ितों को भी सीएम ने आश्वस्त किया कि कहीं भी ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। सीएम ने अधिकारियों से कहा कि जमीन कब्जा की शिकायत पर सख्ती बरतते हुए इस पर अंकुश लगाया जाए।

वहीं युवाओं ने भी अपनी समस्याओं से मुख्यमंत्री को रूबरू कराया, जिस पर उन्हें भी त्वरित समाधान का आश्वासन मिला। सीएम ने सभी प्रार्थना पत्रों का समय सीमा के अंदर निस्तारण कर पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने का भी निर्देश दिया।

उपचुनाव में उतरेगी बसपा प्रत्याशियों के नाम की घोषणा बैठक बाद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर बहुजन समाज पार्टी की तरफ से हलचल तेज हो गयी है। ऐसा माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव में एक भी सीट न लाने वाली बसपा उपचुनाव से जमीनी स्तर पर अपनी ताकत का आंकलन करेगी। हालांकि अमूमन बसपा उपचुनाव से दूर ही रही है। पिछले दो बार बसपा मैदान में उतर रही है। उपचुनाव में मायावती के उम्मीदवार चुनावी मैदान में आने से सपा-बीजेपी की राह आसान नहीं रहेगी। माना जा रहा है कि बसपा अध्यक्ष मायावती 23 जून को लोकसभा चुनाव में मिली हार को लेकर भी समीक्षा बैठक करेंगी। इस बैठक में ही यूपी उपचुनाव के लिए बसपा सुप्रीमो रणनीति बनाएंगी और प्रत्याशियों के नाम पर भी मुहर लगने की संभावना है। बता दें कि चुनाव आयोग ने सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव की तारीख का ऐलान कर दिया है। वहीं यूपी की 10 सीटों पर भी चुनाव होना है। इनमें फूलपुर, मझवा, मीरापुर, मिल्कीपुर, करहल, कुंदरकी, गाजियाबाद, कटेहरी और खैर विधानसभा सीट है।

सौर ऊर्जा से रोशन होंगे अयोध्या गोरखपुर व वाराणसी शहर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रमुख सचिव ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत नरेन्द्र भूषण की अध्यक्षता में सोलर सिटी कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 2024-25 में नगर निगमों से प्राप्त प्रस्तावों पर विचार करने हेतु गठित राज्य स्तरीय समिति की बैठक गुरूवार को बापू भवन सचिवालय स्थित उनके कार्यालय कक्ष में हुई। उल्लेखनीय है कि सोलर सिटी कार्यक्रम के अन्तर्गत अयोध्या, गोरखपुर एवं वाराणसी शहरों की कुल विद्युत खपत का 10 प्रतिशत सौर ऊर्जा से प्राप्त किया जाना है। बैठक में नगर निगम अयोध्या में स्मार्ट सोलर स्ट्रीट लाइट, नगर निगम गोरखपुर में स्मार्ट सोलर स्ट्रीट लाइट, सोलर हाई मास्ट एवं सोलर स्ट्रीट लाइट तथा नगर निगम वाराणसी में स्मार्ट सोलर स्ट्रीट लाइट, सोलर हाई मास्ट, सोलर स्ट्रीट लाइट, सोलर ट्री एवं वॉटर किऑस्क की स्वीकृति प्रदान करने के साथ अन्य प्रस्तावों पर सैद्धान्तिक सहमति प्रदान की गयी। उल्लेखनीय है कि अयोध्या सोलर सिटी के अन्तर्गत सरयू नदी के तट पर स्थापित हो रहे 40 मेगावाट सोलर पावर प्लान्ट में से 14 मेगावाट की स्थापना हो चुकी है, शेष 26 मेगावाट का कार्य प्रगति पर है। साथ ही अयोध्या, गोरखपुर व वाराणसी में 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के अन्तर्गत घरेलू क्षेत्र के उपभोक्ताओं को आच्छादित करने हेतु क्रमशः 50000, 75000 तथा 75000 का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसको प्राप्त करने हेतु नगर निगम एवं मुख्य विकास अधिकारी को कार्ययोजना तैयार करने तथा इसके बृहद प्रचार-प्रसार करने के निर्देश प्रदान किए गए।

माता विंध्यवासिनी देवी से जुड़ीं कथाओं को किया जाएगा शोकेस, आर्ट गैलरी बनेगी माध्यम

मीरजापुर में 3.43 करोड़ रुपए की लागत से कराया जाएगा निर्माण, कार्ययोजना को क्रियान्वित करने की प्रक्रिया शुरू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ मीरजापुर

उत्तर प्रदेश की आध्यात्मिक चेतना के केंद्रों को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार ने श्री काशी विश्वनाथ धाम और अयोध्या के कायाकल्प के बाद मीरजापुर में माता विंध्यवासिनी देवी के धाम को भी नव्य-भव्य रूप देने की शुरुआत कर दी है। यहां आने वाले भक्तों को अब माता विंध्यवासिनी की लीलाओं से जुड़ी कथाओं और तीर्थ के माहत्म को दर्शाने वाली विभिन्न कलाकृतियों को आर्ट गैलरी के माध्यम से शोकेस किया जाएगा। आर्ट गैलरी के निर्माण ये यहां आने वाले पर्यटकों को आस्था, कला और संस्कृति का अनुपम संगम देखने को मिलेगा। उल्लेखनीय है कि भगवती विंध्यवासिनी आद्या महाशक्ति हैं तथा विन्ध्याचल सदा से उनका निवास-स्थान रहा है। यही कारण है कि विंध्यगिरि को एक जागृत शक्तिपीठ माना जाता है और न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि देश-दुनिया से भक्त माता विंध्यवासिनी के चरणों में निरंतर शीश नवाने आते हैं। विंध्य कॉरिडोर योजना के अंतर्गत मां विंध्यवासिनी माता मंदिर के अंतर्गत परिक्रमा पथ समेत विभिन्न प्रकार के निर्माण व विकास कार्यों को गति दी जा रही है। इसी क्रम में, आर्ट गैलरी के निर्माण के जरिए विंध्य क्षेत्र के पर्यटन विकास की प्रक्रिया को और बल मिलेगा। गौरतलब है कि सीएम योगी की मंशा अनुरूप मीरजापुर व विंध्य क्षेत्र के समेकित विकास का जो खाका खींचा गया था उसे क्रियान्वित करते हुए सरकार ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। यही कारण है कि आर्ट गैलरी के निर्माण कार्य को गति देने की प्रक्रिया भी तेज हुई है।

आर्ट गैलरी के निर्माण का जिम्मा यूपी प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) को सौंपा गया है। यूपीपीसीएल द्वारा कार्यों की पूर्ति के लिए स्पेशेलाइज्ड एजेंसियों की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। ई-निविदा माध्यम के जरिए संबंधित एजेंसियों की नियुक्ति के लिए यूपीपीसीएल ने आवेदन मांगे हैं। गौरतलब है कि आर्ट गैलरी से संबंधित सभी निर्माण कार्यों को 3.43 करोड़ रुपए की लागत से पूरा किया जाएगा। कार्यावंटन के बाद नियुक्त एजेंसियों को वर्षा अवधि के अतिरिक्त 6 माह में सभी निर्माण कार्यों को पूर्ण किया जाएगा।

विंध्य कॉरिडोर योजना के अंतर्गत मां विंध्यवासिनी माता मंदिर के अंतर्गत परिक्रमा पथ परकोटा (ए ब्लॉक से लेकर एच ब्लॉक तक) बनाया जा रहा है। परकोटों के छत पर ए ब्लॉक से लेकर एच ब्लॉक तक कुल आठ केंद्र बिंदु हैं। 16 स्थानों पर मंदिर का अलग-अलग गुम्बद नुमा डिजाइन पत्थरों से बनाया जा रहा है। यहां देवी-देवताओं की मूर्तियों की स्थापना की जाएगी जो मां विंध्यवासिनी मंदिर की छत से इसकी भव्यता एवं दिव्यता प्रदर्शित करेगी। इसके अतिरिक्त, गलियों का चौड़ीकरण करने के पश्चात सड़क के बीच डिवाइडर का भी निर्माण कार्य चल रहा है। डिवाइडर को तरह-तरह के रंग बिरंगे पौधे, आर्क लैंप्स और रोशनी सज्जा युक्त किया जाएगा।

भाजपा सरकार में पेपर माफिया छात्रों के भविष्य से लगातार कर रहे हैं खिलवाड़ः अखिलेश यादव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि फरवरी माह में पुलिस भर्ती व समीक्षा अधिकारी परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद अब नीट परीक्षा को मजाक बना दिया गया है। अब यूजीसी-नेट 2024 की परीक्षा भी लीक होने के बाद रद्द हो गयी।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में पेपर माफिया एक के बाद एक परीक्षा के पेपर लीक कर छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे है। पेपर लीक किसी की भी देश के खिलाफ बड़ी साजिश हो सकती है? यादव ने कहा कि पुलिस भर्ती की परीक्षा का पेपर लीक होगा तो क़ानून-व्यवस्था नहीं सुधरेगी। जिससे देश-प्रदेश में अशांति और अस्थिरता बनी रहेगी। अखिलेश यादव ने कहा कि हृश्वश्वज्ञ की परीक्षा में घपला होगा तो ईमानदार लोग डॉक्टर नहीं बन पाएंगे और देश के लोगों के इलाज के लिए भविष्य में डॉक्टरों की कमी और बढ़ जाएगी और बेईमान लोग, जनता के जीवन के लिए ख़तरा बन जाएंगे। यादव ने कहा कि नीट की परीक्षा न होने से, पहले से शिक्षकों की जो कमी चली आ रही है, उसमें और भी ज़्यादा इज़ाफ़ा होगा। शिक्षकों की कमी से देश के मानसिक विकास में बाधा उत्पन्न होगी, जो कालांतर में देश के लिए बेहद घातक साबित होगी। अखिलेश यादव ने कहा कि इन सबसे प्रशासन के साथ-साथ स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था चौपट हो जाएगी। ये हमारे देश के शासन-प्रशासन व देश के मानव संसाधन के विरुद्ध कोई बहुत बड़ा षड्यंत्र भी हो सकता है, जिसके दूरगामी नकारात्मक परिणाम निकलेंगे। इसीलिए कोर्ट की निगरानी में इसकी कठोर जांच हो और दोषियों को कठोरतम सज़ा दी जाए, और कोई भी अपराधी छोड़ा न जाए, फिर वो चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो या फिर उसके सिर पर सत्ता का हाथ ही क्यों न हो? यादव ने कहा कि लोग कह रहे हैं जो भ्रष्ट लोग कोरोना के वैक्सीन में चुनावी चंदे के नाम पर पीछे से करोड़ों रुपए खा सकते हैं, वो भला परीक्षा-प्रणाली को क्या छोड़ेंगे? अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार कोई परीक्षा पारदर्शिता से नहीं करा पा रही है। भर्ती परीक्षाओं के कई पेपर पहले ही लीक हो चुके है। भाजपा सरकार ने छात्रों, नौजवानों का भविष्य अंधकार में डाल दिया है।

नीट-यूजी परीक्षा में भ्रष्टाचार के खिलाफ कांग्रेस आज विधानभवन का घेराव कर करेगी प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने बैठक कर तय की प्रदर्शन की रणनति

प्रदेश की कांग्रेस पार्टी ने कहा है कि नीट-यूजी-2024 का परिणाम 4 जून 2024 को जारी हुआ था। जिसमें कई अनियमितताएं जाहिर हुई, पेपर लीक का आरोप भी अभ्यर्थियों द्वारा लगाया गया। परीक्षा में तकनीकी गड़बड़ियां, कदाचार और अनुचित साधनों का प्रयोग किया गया। भाजपा शासित राज्य उत्तर प्रदेश, बिहार, गुजरात, और हरियाणा में नीट परीक्षा से सम्बन्धित भ्रष्टाचार के लिए कई लोगों की गिरफ्तारियां भी हुई जिससे पूरी परीक्षा ही दोषपूर्ण की आशंका से ग्रसित हो गई है। देश एवं भाजपा शासित प्रदेशों में जिस तरह युवओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है, आए दिन पर्चा लीक की घटनाएं हो रही है,कांग्रेस पार्टी इसकी भर्त्सना करती है और कल पूरे देश में इस अराजकता के खिलाफ प्रदर्शन करेगी। इसी क्रम में कल उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में विधानसभा का घेराव किया जायेगा। देश के भविष्य युवाओं के अधिकारों के लिए लड़ी जा रही इस लड़ाई को मजबूती से लड़ने के लिए आज एक तैयारी बैठक भी की गई। बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि नीट परीक्षा में भ्रष्टाचार के कारण लाखों युवाओं का भविष्य दांव पर लग गया है। अभिभावकों के लाखों रुपए बर्बाद हुए हैं, जिस कारण कई छात्र अवसाद में हैं और कईयों ने तो आत्महत्या कर ली है।

नोएडा एयरपोर्ट के पास आम लोगों को मिलेंगे सस्ते घर

● यमुना सिटी में 6000 सस्ते प्लॉट्स की योजना प्रस्तावित, यीडा जल्द कर सकता है घोषणा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ नोएडा

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास अपने मकान का सपना देखने वाले प्रदेश के लोगों के लिए यह हकीकत बन सकता है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास जल्द ही एक प्लॉट स्कीम लाने जा रहा है, जिसमें करीब 6 हजार प्लॉट्स को सस्ती दरों पर उपलब्ध कराया जाना प्रस्तावित है।

उल्लेखनीय है कि यीडा क्षेत्र में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के विकासकर्ता के चयन के बाद प्राधिकरण क्षेत्र में स्थित विभिन्न संपत्तियों के आवंटन के लिए जन सामान्य ने रुचि दिखाई है। प्राधिकरण की विगत आवासीय भूखंड योजना में लगभग 1.50 लाख से अधिक आवेदकों द्वारा भूखंड आवंटन के लिए आवेदन किया गया था। इसके बाद से ही प्राधिकरण क्षेत्र के अंतर्गत आर्थिक रूप से दुर्बल एवं निम्न आय वर्ग के लिए छोटे आकार के भूखंडों का नियोजन और आवंटन किए जाने की आवश्यकता जताई जा रही है।

यीडा के सीईओ अरुणवीर सिंह ने बताया कि प्राधिकरण तेजी से इस योजना की तैयारी कर रहा है। प्राधिकरण के द्वारा सेक्टर 16, 17, 18, 20 व 22डी में 60 वर्ग मीटर से 4000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल तक के लगभग 28900 भूखंडों का आवंटन किया गया है, जिसमें इनफॉर्मल सेक्टर के लिए चिह्नित भूमि पर 30 वर्ग मीटर के भूखंडों की योजना लाई जानी प्रस्तावित है। प्राधिकरण की ओर से कोशिश की जा रही है कि छोटे प्लॉट्स आम आदमी की पहुंच में हों। 30 वर्ग मीटर के एक भूखंड का कुल प्रीमियम वर्तमान आवंटन दर पर 25,900 रुपए प्रति वर्ग मीटर के अनुसार 7 लाख 77 हजार रुपए होगा। यमुना एक्सप्रेसवे दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, आगरा, मथुरा, अलीगढ़ के बीच स्थित है। यह फरीदाबाद से भी कनेक्टिविटी प्रदान करता है। इसलिए यह स्कीम बहुत महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

इस योजना में आरक्षण का भी प्राविधान किया जाना प्रस्तावित है। इसमें सर्वाधिक 25 प्रतिशत आरक्षण उन वर्कर्स को दिया जाएगा जो यीडा द्वारा आवंटित कार्यरत औद्योगिक इकाइयों में काम कर रहे हैं। इसके साथ ही 5 प्रतिशत आरक्षण यीडा द्वारा आवंटित कार्यरत संस्थानों के कर्मचारियों को प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 5 प्रतिशत एक्स सर्विस मैन को, 5 प्रतिशत वॉर विडो, 5 प्रतिशत एससी-एसटी को, 4 प्रतिशत दिव्यांगों को आरक्षण का लाभ मिलेगा। शेष 51 प्रतिशत जनरल आवेदकों को भूखंड आवंटित किया जाएगा।

आवेदक को भारत का नागरिक होना चाहिए। उसकी उम्र 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। एक व्यक्ति एक ही आवेदन कर सकेगा। किसी भी स्कीम में प्लॉट या फ्लैट पाने वालों के आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। आवेदक की आय तीन लाख रुपए से प्रति वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। आय प्रमाणपत्र भी आवेदन के साथ अटैच होना चाहिए। साथ ही प्रदेश सरकार द्वारा निवास प्रमाण पत्र भी होना चाहिए। इसके साथ ही योजना के तहत सभी सफल आवेदकों और आवंटी 10 वर्ष तक आवंटित प्लॉट को ट्रांसफर नहीं कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त आवंटन के 60 दिनों के अंदर आवेदकों को रजिस्ट्रेशन फीस समेत टोटल प्रीमियम की 30 प्रतिशत राशि और जीएसटी (यदि देय हो तो) जमा करानी होगी। शेष 70 प्रतिशत राशि दस समान किस्तों में 10 प्रतिशत ब्याज पर चुकानी होगी।

चुनाव खत्म होते ही पुलिस का अभियान हुआ तेज

15 दिन में 9 बड़े अपराधियों पर कसा शिकंजा, एनकाउंटर में दो ढेर, 96 घायल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

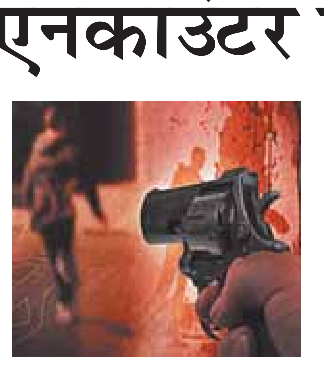

यूपी में निष्पक्ष और भयमुक्त चुनाव के साथ ही विभिन्न पर्व-त्योहारों को सकुशल संपन्न कराने वाली यूपी पुलिस का इकबाल एक बार फिर बुलंदी पर है। अपराध और आपराधियों के विरुद्ध मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीरो टॉलरेंस की नीति को अमलीजामा पहनाने में जुटी यूपी पुलिस की निगाहें अपराधियों के खिलाफ दोबारा टेढ़ी हो चुकी हैं। बीते 15 दिनों की रिपोर्ट पर नजर डालें तो बदमाशों के खिलाफ चली 79 ताबड़तोड़ कार्रवाई से अपराधियों के पांव एक बार फिर उखड़ने शुरू हो गये हैं। 4 जून से 19 जून के बीच हुए इन मुठभेड़ों में दो दुर्दांत बदमाशों को ढेर किया जा चुका है, जबकि 96 अपराधी घायल हुए हैं। एनकाउंटर के दौरान अबतक 139 बदमाशों को गिरफ्तार करने में कामयाबी मिली है। हालांकि इन मुठभेड़ों के दौरान सात पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं।

प्रदेश के पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार के अनुसार राज्य स्तर के चिह्नित 68 माफिया गैंग के सदस्य और सहयोगियों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी है। अबतक विभिन्न माफिया गिरोह के 9 सदस्यों के खिलाफ विभिन्न स्तरों पर कार्रवाई की गई है। इनमें से तीन की गिरफ्तारी की जा चुकी है, जबकि 1 के खिलाफ गैंगेस्टर और 2 के खिलाफ गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। इसके अलावा भदोही के माफिया विजय मिश्रा के खिलाफ विचाराधीन अभियोग में न्यायालय में सघन पैरवी करते हुए बीते 13 जून को उसे सजा दिलाई जा चुकी है। वहीं मुजफ्फरनगर का 50 हजार का फरार इनामिया माफिया विनय त्यागी उर्फ टिंकू को गिरफ्तार करने में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। उन्होंने बताया कि कानपुर के सऊद अख्तर गैंग का शातिर अपराधी आसिफ उर्फ पप्पू स्मार्ट पर भी 25 हजार का इनाम घोषित था, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यही नहीं अंबेडकरन नगर के अजय सिंह उर्फ सिपाही गैंग के सक्रिय सदस्य उत्कर्ष सिंह को भी एसटीएफ ने दबोच लिया है। उत्कर्ष पर भी 25 हजार का इनाम घोषित था। इसके साथ ही मुजफ्फरनगर के कुख्यात माफिया सुशील उर्फ मूंछ की 4.4570 हेक्टेयर जमीन को कुर्क किया गया है, जिसकी कीमत साढ़े चार करोड़ रुपए आंकी गई है। वहीं पुलिस मुठभेड़ में जौनपुर के कुख्यात प्रशांत सिंह उर्फ प्रिंस और मुजफ्फरनगर के दुर्दांत निलेश राय को ढेर किया जा चुका है।

दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना

2.35 लाख से ज्यादा युवा हुए प्रशिक्षित, 1.25 लाख को मिला रोजगार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा संचालित दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के तहत योगी सरकार ग्रामीण युवाओं की क्षमता को पहचानकर उन्हें उनकी रुचि के आधार पर रोजगारपरक कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर रही है। इस योजना के तहत अब तक 2,35,334 ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है और 1,25,822 युवाओं को सेवायोजित किया गया है। यह योजना विशेष रूप से बीपीएल सूची में शामिल परिवारों के 15-35 आयुवर्ग के सदस्यों (महिलाओं के लिए 15-45 वर्ष), मनरेगा के श्रमिकों, बेरोजगारों, अल्प शिक्षित अथवा स्कूल ड्रॉपआउट को लक्ष्य बनाती है। उल्लेखनीय है कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के 98वें जन्मदिवस के अवसर पर भारत सरकार ने दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना का शुभारंभ किया था। इस योजना का उद्देश्य गरीब ग्रामीण युवाओं को निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ना है। उत्तर प्रदेश में यह योजना उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा संचालित की जा रही है।

प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि इस योजना के तहत, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन ग्रामीण युवाओं की क्षमता को पहचानकर उन्हें उनकी रुचि के आधार पर रोजगारपरक कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। युवाओं को आधुनिक कक्षाओं और लैब में प्रशिक्षण के साथ-साथ निःशुल्क आवास, भोजन, प्रशिक्षण सामग्री, यूनिफॉर्म आदि की सुविधा भी प्रदान की जा रही है। विभिन्न विषयों जैसे अपैरल, ऑटोमोटिव, ब्यूटी एंड वेलनेस, कैपिटल गुड्स, कंस्ट्रक्शन, डॉमेस्टिक वर्क्स, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड हार्डवेयर, फूड प्रॉसेसिंग, ग्रीन जॉब्स, लेदर, आईटी-आईटीईएस, लॉजिस्टिक्स, पावर, रिटेल, मीडिया एंड एंटरटेनमेंट, टेलीकॉम, टेक्सटाइल, टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी आदि के साथ-साथ सॉफ्ट स्किल्स भी सिखाई जा रही हैं।

इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें अपने हुनर से स्वाबलंबी बनाकर विकास के कीर्तिमान स्थापित करने में सक्षम बनाना है। दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के माध्यम से उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले युवाओं को कौशल से जोड़कर उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है।

हत्या की घटना को अंजाम देने वाले अभियुक्त को 12 घंटे के अन्दर किया गया, गिरफ्तार

● थाना रसूलाबाद क्षेत्रान्तर्गत ग्राम डभारी में हुई हत्या की घटना के सम्बन्ध में पंजीकृत अभियोग में वांछित था, अभियुक्त

●अभियुक्त के कब्जे से घटना में प्रयुक्त फावड़ा बरामद किया

कानपुर देहात। आदित्य कुमार पुत्र स्व. महावीर सिंह निवासी ग्राम डभारी जोत थाना रसूलाबाद जनपद कानपुर देहात द्वारा दी गयी तहरीर के आधार पर मुअसं 253/2024 धारा 302, 342,120बी, 506,34 भादवि बनाम 06 नफर अभियुक्तगण पंजीकृत किया गया। जिसमें थाना रसूलाबाद पुलिस द्वारा मुखबरी की सूचना पर अभियुक्त औसान सिंह यादव पुत्र गंगाराम यादव निवासी ग्राम डभारी जोत थाना रसूलाबाद ढकपुरवा मोड से करीब 30 कदम की दूरी पर थाना रसूलाबाद कानपुर देहात से गिरफ्तार किया गया। शेष अभियुक्तगण के विरुद्ध विवेचनात्मक कार्यवाही प्रचलित है। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त को नियमानुसार न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। अभियुक्त औसान सिंह यादव उर्फनन्हे पुत्र गंगाराम उम्र करीब 35 वर्ष निवासी डभारी मजरा जोत थाना रसूलाबाद जनपद कानपुर देहात ने पूछने पर बताया कि साहब मेरे गांव का अनिल यादव पुत्र स्व. महावीर उम्र करीब 50 वर्ष मेरे घर के सामने रहता था, उसकी शादी नही हुई थी तथा वह मेरी पत्नी पर गलत नजर रखता था। मैने अनिल यादव को कई बार समझाया गया था परन्तु वह नही मानता था और मेरे साथ गाली गलौज करता था। अनिल यादव अपने घर से कुछ दूरी पर गली में खडा हुआ था मै फावडा लेकर अपने घर से निकलकर उसके घर के सामने से होता हुआ जब उसके पास पहुंचा तो वह मेरे साथ इसी बात को लेकर गाली.गलौज करने लगा। जब मैंने मना किया तो उसने मेरे साथ हाथा पाई शुरू कर दीए मुझे अचानक बहुत गुस्सा आ गया और मैने अपने हाथ में लिये फावडे से उसके सिर के पीछे तेज वार किये जिससे उसका सिर क्षत.विक्षत हो गया और तेज खून निकलने लगा। कुछ खून की छींटे मेरी पहनी हुई शर्ट पर भी पड गयीं और वह जमीन पर गिरते ही कुछ ही देर में मर गया। खून से लथपथ फावडा लेकर मैं मौके से भाग गया। आज मैं घटना में प्रयुक्त फावडे को गांव डभारी की सडक के पास स्थित पुलिया के अन्दर छिपाने के बाद पुलिस से बचने के लिये कन्नौज जा रहा था कि रास्ते में आपने पकड लिया यह घटना अकेले मेरे द्वारा ही की गयी है जो फावडा मैने आपको बरामद कराया है, उसी फावडे से मैंने अपने पडोसी अनिल यादव की हत्या की है। इस घटना में मेरे साथ अन्य कोई व्यक्ति नही था।

तेज आंधी तूफान से निर्माणाधीन मकान सहित छप्पर धराशाई

राठ। बुधवार की रात हरसुंडी गांव में अचानक आई तेज आंधी तूफान से निर्माणाधीन मकान सहित छप्पर धराशाई हो गए। मकान के मलवे में जानवरों की दबकर मौत हो गई। साथ ट्रैक्टर व गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गई है। हरसुंडी गांव निवासी हेमेंद्र राजपूत का निर्माणाधीन मकान धराशाई हो गया। रामनारायण कुशवाहा के ट्रैक्टर के ऊपर नीम का पेड़ गिरने से बोनटए छतरी अन्य सामान क्षतिग्रस्त हो गया। भवानी राजपूत मकान के अंदर सो रहा था। रात 12.30 बजे आए आंधी तूफान से पड़ोसी की दीवार भर भरा कर गिर गई जिसमें वह दब गया। आनन.फानन में उसे निकाला। मकान के अंदर रखी बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। दीवाल गिरने से गांव के राम अवतार यादव की बछिया की मौत हो गई। आंधी तूफान से छतों पर लगे दर्जन टीन.टप्पर हवा में उड़ने लगे और कई लोगों के टीन गुम हो गए। गांव में 15 स्थान के बिजली खंबे टूट कर मकान में गिर गए। जिससे कुछ लोग के मकान टूटे और कुछ में दरारें आ गई। छत पर रखा सामान भी तूफान उड़ा कर ले गया। गांव के मंदिर के पास आंधी से बरगद का पेड़ टूट गया और बड़ी माता मंदिर के पास के पांच बिजली खंबे टूट कर गिर गए।

मंडलायुक्त व आईजी के साथ पाई पहुँचा प्रशासन, हालातों का लिया जायज़ा

फतेहपुर। तहसील खागा के विकास खंड धाता अन्तर्गत ग्राम पंचायत पाई के स्व. रविकरन सिंह पुत्र स्व. जागेश्वर सिंह के घर जाकर जिलाधिकारी सी. इंदुमती व पुलिस अधीक्षक उदय शंकर सिंह ने शोकाकुल परिवारजनों को सांत्वना देते हुए ढांढस बंधाया। उन्होंने परिवारजनों (मृतक की पत्नी कुसमा देवी, पुत्र जयचंद्र सिंह, सूर्य प्रकाश सिंह, दरियाव सिंह, पुत्री सुधा सिंह) को आश्वस्त किया कि प्रकरण के सभी पहलुओं की निष्पक्ष उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषी अधिकारी/कर्मचारी के विरूद्ध नियमानुसार समुचित वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। इसके उपरांत घटना स्थल का जायजा लिया। मंडलायुक्त प्रयागराज मंडल प्रयागराज विजय विश्वास पंत, पुलिस महानिरीक्षक प्रयागराज परिक्षेत्र प्रेम कुमार गौतम, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक ने घटना स्थल पर पहुँचकर शोकाकुल परिवारजनों से वार्ता कर प्रकरण की जानकारी की और निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही करने का आश्वासन दिए। साथ ही मौके पर राजस्व व चकबंदी टीमें से राजस्व नक्शे के अनुसार पैमाईस करवाई। मंडलायुक्त ने डीएम से कहा कि राजस्व व चकबंदी की संयुक्त टीम बनाकर ग्राम पाई में कैंप लगवाकर अवैध कब्जे, चकबंदी के बाद में कब्जा परिवर्तन की कार्यवाही जो शेष रह गई है, को पूरी कराए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी अविनाश त्रिपाठी, बंदोबस्त चकबंदी अधिकारी, तहसीलदार, राजस्व लेखपाल, राजस्व, चकबंदी लेखपाल निरीक्षक, पुलिस बल सहित संबंधित उपस्थित रहे।

पुलिस नें वाहन चेकिंग कर तीन वाहनों से उतरवाया हूटर

चेकिंग करती पुलिस व हूटर उतरवाते कोतवाल।

गुरसहायगंज (कन्नौज)। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर ठगी व टप्पेबाजी की घटनाओं की रोकथाम के लिये कोतवाली पुलिस द्वारा जहा एकओर बैंको में चेकिंग अभियान चालाया गया वहीं दूसरी ओर निजी वाहनों में हूटर एवं प्रेशर हार्न लगाकर रौब गांठनें वालें लोगों के वाहनों की जाँच कर हिदायत देते हुये चालानी कार्यवाई की गई। पुलिस अधिक्षक अमित कुमार आनन्द के निर्देशन एवं प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार दुबे के नेतृत्व में कोतवाली के उपनिरीक्षक देवी शरण साहू नें हमराह सिपाहियों के साथ नगर के तिर्वा रोड स्थित एसबीआई, ग्रामीण बैंक, जीटी रोड स्थित बैंक ऑफ इण्डिया, फ्तेहगढ़ रोड स्थित एसबीआई सीएसएमई, बैंक आफबड़ौदा में चेकिंग अभियान चलाकर आगन्तुक रजिस्टर की जाँच करते हुये बैंक व नगर के एटीएमों में मौजूद लोगों से पूंछताछ की। बैंक अधिकारियों से वार्ता कर सुरक्षा उपकरणों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होनें उपभोक्ताओं को साईबर अपराध से बचनें के लिये अपनी निजी जानकारी साझा न करनें की अपील की।

सगे भाईयों की हत्या कर शव कुएं में फेंके

संवाददाता। फर्रुखाबाद

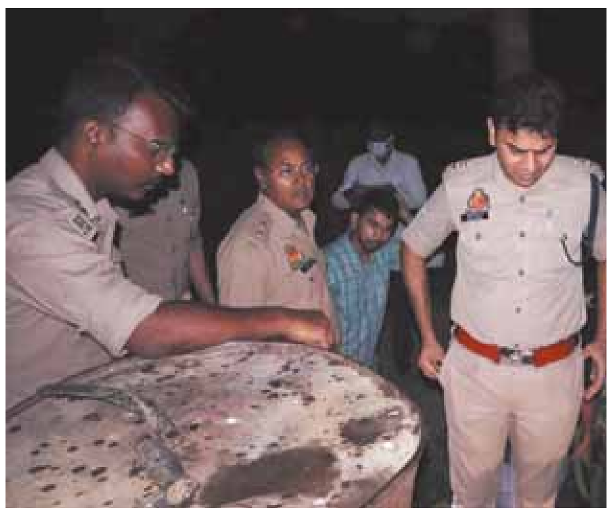

बीती रात खेत में मक्का काटने गये दो सगे भाईयों की हत्या कर शव सूखे कुएं में फेंक दिये गये। सूचना मिलने पर एसपी विकास कुमार सहित पुलिस बल मौके पर पंहुचे और जाँच की। पुलिस ने दोनों के शवों को पंचनामा की कार्यवाही के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना जहानगंज क्षेत्र के ग्राम वंथलसाहपुर निवासी छबिनाथ के पुत्र 32 वर्षीय गुलाब सिंह व 25 वर्षीय दारा सिंह बुधवार कोई शाम लगभग 4 बजे मक्का काटने के लिए निकले थे। लेकिन रात 9 बजे तक घर नही पंहुचे। जिसके बाद परिजनों की चिंता बढ़ गयी। गुलाब व दारा के बड़े भाई सुरजीत नें जब उन्हें फोन किया तो फोन रिसीव नही हुआ। परिजन उनकी तलाश करनें खेतों की तरफगये तो सूखे कुएं के ऊपर मोबाइल रखा था और जब परिजनों नें कुयेंमे देका तो दोनों के शव पड़े थे। शव देखकर परिजनों में चीख-पुकार मच गयी। परिजनों नें ग्रामीणों की मदद से दोनों के शवों को बाहर निकाला। ग्राम प्रधान नें थानाध्यक्ष को फोन पर सूचना दी। सूचना मिलने पर एसपी विकास कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक डा. संजय सिंह , सीओ अरुण कुमार, थानाध्यक्ष फोर्स के साथ मौके पर पंहुचे और जाँच की। मृतकों के पिता छबिनाथ नें बेटों की हत्या का मुकदमा अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज कराया। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार नें बताया कि प्रारम्भिक जाँच में पता नही चला की शवों को किसने निकाला है। उसका पता लगाया जा रहा है। मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस की पांच टीमें खुलासे में लगे हैं। जल्द खुलासा किया जायेगा।

रिश्वत को लेकर लेखपाल और रिटायर्ड फौजी में मारपीट

राठ। तहसील परिसर में दस हजार रुपए की रिश्वत को लेकर लेखपाल और रिटायर्ड फौजी में मारपीट हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला शांत कराया। लेखपाल शिवपाल ने बताया कि वह मौजा राठ दक्षिण में तैनात हैं। गुरुवार को तहरीर सभागार में कस्बे के छोटी जुलहेटी मोहल्ला निवासी शिवमंगल आया और प्लाट की दाखिल खारिज की रिपोर्ट लगवाने का दबाव बनाने लगा। जब उसने कहा कि जांच के लिए समय चाहिए। न्यायालय में जांच के बाद आख्या लगा दूंगा। इतना कहने पर वह भड़क गया। आरोप लगाया कि जाति सूचक शब्दों का प्रयोग कर उसे चप्पल से पीटने लगा और सरकारी कागजात फाड़ दिए। बीच बचाव में उसके लेखपाल साथी भी चोटहिल हो गए। वहीं कस्बे के छोटी जुलहेटी मोहल्ला निवासी शिवमंगल सिंह ने बताया कि वह अपनी रजिस्ट्री लेकर शिवपाल लेखपाल के पास गया था। जिसमें उसकी रिपोर्ट लगनी थी। लेखपाल ने रिपोर्ट लगवाने के लिए दस हजार रुपए की मांग की।

क्विक न्यूज

ताऊ के हत्यारे भतीजे को पुलिस ने किया गिरफ्तार

फर्रुखाबाद। गत दिनों भतीजे द्वारा अपने ताऊ का कत्ल कर दिया गया था, भतीजे को पुलिस ने आज गिरफ्तार कर लिया है यह जानकारी पुलिस अधीक्षक ने पुलिस लाइन सभागार में प्रेसवार्ता के दौरान कही। 13 मई को थाना जहानगंज ग्राम अहमदपुर देवरिया निवासी मनीष कटियार का अपने ताऊ सुधीर से कोल्ड स्टोरेज से चोरी से आलू निकालकर बाजार में बेच लिया था, मनीष ने बताया कि मेरे पिता सुधीर ने मेरी शिकायत ताऊ सुरजीत से कर दी। मेरे ताऊ सुरजीत ने चोरी से आलू बेचने पर मुझसे काफी गलौज किया मेरी पहले भी ताऊ सुरजीत लड़ाई चल रही है जिसका मुकदमा चल रहा है। मैने ताऊ के घर मे पहुचकर चारपाई पर लेटे अपने ताऊ सुरजीत के को अपने हाथ से फावड़े की वट से उनके सिर पर कई बार किया जिससे उनकी मौके पर मौत हो गई। बाद मे गत दिन पुलिस ने सायंकाल मनीष को दानमंडी से गिरफ्तार कर लिया और उसके पास कत्ल मे प्रयुक्त फावड़ा का वट भी बरामद किया। पुलिस ने मनीष को चालान कर जेलभेज दिया है।

कुआ में दो भाइयों के शव मिले एसपी ने रात में किया निरीक्षण

फर्रुखाबाद। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने पुलिस लाइन सभागार में प्रेस वार्ता में बताया कि थाना जहानगंज अंतर्गत ग्राम बंथलशाहपुर में काली नदी के किनारे पुराने कुएं से दो शव बरामद हुए हैं जो गुलाब सिंह उम्र 32 वर्ष और दारा सिंह उम्र 25 वर्ष दोनो सगे भाई पुत्र छवि नाथ का शव बरामद किया गया। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने बताया कि गत रात 2.30 बजे मैंने भी इन दोनों शवो का ग्राम जाकर निरीक्षण किया था। उन्होंने बताया कि घटना की जांच की जा रही है जिससे दोनों भाईयों की कैसे मौत हुइ घटना का जल्द खुलासा किया जाएगा।

रेलवे स्टेशन पर अधेड़ का शव मिलने से मचा हड़कंप

गुरसहायगंज (कन्नौज)। गुरुवार की सुबह स्थानीय रेलवे स्टेशन के निकट अधेड़ का शव मिलने से हड़कम्प मच गया। पुलिस ने अधेड़ के शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की है। गुरुवार की सुबह स्थानीय रेलवे स्टेशन के पश्चिमी ओर स्थित मंदिर के निकट अधेड़ का शव रेलवे ट्रेक के पास पड़ा होने की सूचना पर पहुंचे उपनिरीक्षक देवी शरण साहू ने अधेड़ की शिनाख्त 50 वर्षीय कमीरुद्दीन पुत्र निजामुद्दीन निवासी ग्राम रैंगा के रूप में की गई। कोतवाली पुलिस द्वारा पंचनामा भरने के उपरान्त अधेड़ के शव को पोस्टमार्टम के लिए पोस्टमार्टम हाउस भेजा गया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की हुई मौत

गुरसहायगंज (कन्नौज)। अनियंत्रित गति से आ रहे अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बुधवार की शाम पड़ोसी जनपद कानपुर के मंधना निवासी सौरभ पुत्र विमल बाइक पर सवार होकर कन्नौज की ओर आ रहा था। जैसे ही जुनेदपुर कट के निकट पहुंचा तभी अनियंत्रित गति से आ रहे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। पुलिस द्वारा युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेजा गया।

बाइक चोरी का मुकदमा दर्ज

गुरसहायगंज (कन्नौज)। शौच क्रिया को गए युवक की बाइक को अज्ञात चोर ने चोरी कर लिया। पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। बसावन पुरवा निवासी सुबोध पुत्र रामसेवक बाथम द्वारा कोतवाली में दर्ज कराए गए मुकदमे में कहा गया है कि विगत 14 जून को इंदुईयागंज जा रहा था जैसे ही असौलिया तिराहे के निकट पहुचा तभी स्वास्थ्य गड़बड़ होने के कारण बाइक को खड़ी करके शौच क्रिया करने चला गया। वापस लौटने पर उसके बाइक चोरी हो चुकी थी।

सड़क हादसे में घायल की उपचार दौरान मौत

फतेहपुर। सड़क हादसे में घायल 40 वर्षीय युवक की उपचार के दौरान कानपुर में बुधवार की शाम मौत हो गई। बताते चलें कि राधानगर थाना क्षेत्र के मदरियापुर मजरे केवई गांव निवासी छत्रपाल का पुत्र नरेश चंद्र 17 जून को बाइक से बांदा किसी काम से जा रहा था। तभी बिसंडा के समीप वह पहिया वाहन ने उसे टक्कर मार दिया था। परिजन उसे लेकर सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सक ने उसे कानपुर के लिए रेफर कर दिया, लेकिन परिजन उसे हैलट न ले जाकर प्राइवेट अस्पताल में उपचार करा रहे थे। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

संदिग्ध हालत में युवक की मौत

फतेहपुर। थरियांव थाना क्षेत्र के नेवादा चक बरारी बिलंदा में घर पर ही संदिग्ध परिस्थितियों में 48 वर्षीय युवक की मौत हो गई। वहीं पुत्र ने लू लगने की बात बताई है। जानकारी के अनुसार नेवादा चक बरारी बिलंदा गांव निवासी स्व. रामधनी का पुत्र जवाहर लाल की घर पर ही संदिग्ध हालत में मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मोहम्मदी विस में टॉप 10 बूथों पर इंडिया गठबंधन के सांसद आनंद कार्यकर्ताओं का किया सम्मान

मोहम्मदी खीरी। धौरहरा लोक सभा क्षेत्र के इंडिया गठबंधन के सांसद आनंद भदौरिया के माध्यम से मोहम्मदी विधानसभा के टॉप 10 बूथों पर पहुंचकर इंडिया गठबंधन के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं और बूथ अध्यक्षों का स्वागत और सम्मान किया, जिसमें बड़ी संख्या में सभी बूथों पर पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे एजिसमें प्रमुख रूप से रामपुर मदारी, शिव पुरी, साहब गज, सिसौरा नासिर, दिलावरपुर एधमोला तथा नगर मोहम्मदी एऊचौलिया में कार्यकर्ताओं का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया एवही कार्यकर्ताओं ने नवनिर्वाचित सांसद आनंद भदौरिया को माला शाल व स्मृति चिन्ह देकर उनका सम्मान किया नव निर्वाचित सांसद भदोरिया ने सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आपकी हिम्मत और मेहनत की वजह से धौरहरा लोकसभा में इंडिया गठबंधन की पहली बार जीत हुई है।

अश्लील वीडियो बनाने की धमकी देकर दो अभियुक्तों को पुलिस द्वारा किया गिरफ्तार

कानपुर देहात। अपराध नियन्त्रण की दिशा में घटनाओं की रोकथाम व खुलासे हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम मेंए थाना शिवली पर दिनांक 20ण्06ण्20224 को वादी श्री अमन गौतम पुत्र श्री राम सिंह निवासी ग्राम निवादा देवराय थाना शिवली जनपद कानपुर देहात द्वारा दी गयी तहरीर के आधार पर मु0अ0सं0 185ध्2024 धारा 420 भा0द0वि0 बनाम अभियुक्तगण परशुराम पुत्र किशन निवासी ग्राम भौसाना का पुरवा थाना चौबेपुर जनपद कानपुर नगर हरीकिशन पुत्र हीरालाल निवासी ग्राम रामनगर थाना शिवराजपुर जनपद कानपुर नगर पंजीकृत किया गया। जिसमें थाना पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये अभियुक्तगण परशुराम व हरीकिशन को मुखबिर की सूचना पर दिनांक 20ण्05ण्2024 को थाना शिवली पुलिस टीम द्वारा समय 07ः30 बजे थाना क्षेत्रान्तर्गत मवैया मोड पर मय एक.एक अदद तमंचा 315 बोर मय 01.01 कारतूस 315 बोर व 02 अदद मोबाइल एन्ड्रॉयड फोन व 01 अदद मोबाइल की.पैड सहित गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण को नियमानुसार माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर जेल भेजा गया। अभियुक्तगण ने पूछने पर बताया कि हम दोनों लोगए दूसरे लोगों के नाम से सिम खरीद कर लोगों को कॉल करके पहले बात कर फ्रि उसका अश्लील विडियो वायरल करने की धमकी देकर झांसे में लेकर ठगी करते हैं। अपने बचाव व सुरक्षा के लिए तमंचा व कारतूस अपने साथ रखते हैं।

लोहे के तार में दौड़ रहे करंट से किसान की मौत

संवाददाता। फतेहपुर

बृहस्पतिवार को सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के जगजीवनपुर सेमौरी गांव में एक दर्दनाक हादसा हो गया। सुबह जंगल शौचक्रिया के लिए गए वृद्ध किसान कंधई लाल पुत्र स्व. सुन्दरलाल पासी खेतों के चारों तरफ लगे लोहे की तार में दौड़ रहे बिजली के करंट की चपेट में आ गया। जिसके चलते घटनास्थल पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। आनन-फानन परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए जब इसकी खबर गांव वालों को लगी तो लोगों का जमावड़ा लगना शुरू हो गया। सूचना पर पहुँची पुलिस जाँच पड़ताल में जुट गई। परिजनों ने खेत स्वामी को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की मांग की। मृतक कंधई लाल के पुत्र राम कुमार ने स्थानीय पुलिस को लिखित शिकायती प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि पिता आज सुबह पांच बजे जंगल शौचक्रिया के लिए गए थे। चकरोड के बगल में गांव के ही रहने वाले राम पुत्र वीरेंद्र सिंह अपने खेत के मेड़बंदी में बल्ली गाड़कर तार बांध रखा है और उसमें बिजली का करंट दौड़ा रखा हुआ है। अचानक पिता का हाथ तार पर जा लगा जिसकी वजह से पिता की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं शिकायती पत्र मिलने के बाद स्थानीय पुलिस घटनास्थल पहुंच गयी। पुलिस ने परिजनों से शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की बात कही। तभी गुस्साए परिजनों व ग्रामीणों ने हंगामा काटना शुरू कर दिया और पुलिस को शव देने से मना कर दिया। परिजन पुलिस से खेत स्वामी को पकड़कर कानूनी कार्रवाई करने की बात पर अड़े रहे लेकिन पुलिस द्वारा परिजनों को हरसंभव मदद दिलाने व खेत स्वामी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का आश्वासन देने की बात कही। इसके बावजूद भी परिजन खेत स्वामी की गिरफ्तारी पर अड़े रहे। खबर लिखे जाने तक शव को पोस्टमार्टम के लिए नहीं भेजा गया। मृतक के परिजनों का आरोपः मृतक कंधई लाल के परिजनों का आरोप है कि गांव के ही रहने वाले राम पुत्र वीरेंद्र सिंह अपने खेतों के चारों तरफलोहे की तार लगा रखा है और उसने अपने समरसेबुल से सीधे खेतों के चारों तरफ लगे लोहे के तारों में बिजली का करंट दौड़ा रखा हुआ है जिसके चलते इतना बड़ा हादसा हो गया है।

क्या कहते हैं जेई: सुल्तानपुर घोष विद्युत उपखंड जेई गुलाब सिंह का कहना है कि समरसेबल चलाने के लिए कनेक्शन दिया है न कि खेतों के चारों तरफ लगे लोहे के तारों में बिजली का करंट दौड़ाने के लिए। अगर उसने ऐसा किया है तो यह उसकी पूरी जिम्मेदारी बनती है। हमारी तरफसे कोई कार्रवाई नहीं होगी। ये खुद उसका जिम्मेदार है। अगर तार से हादसा होता तो इसकी जिम्मेदारी हमारी होती।

बैंकर्स व अधिकारी एक दूसरे से सामंजस्य स्थापित कर कार्यो में तेजी लाएं

● बैंकर्स बैंक में आने वाली जनता का करें सहयोग

कानपुर देहात। डीएम आलोक सिंह की अध्यक्षता में आज मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष में जिला सलाहकार समिति की बैठक आहूत की गई। सर्वप्रथम सभी बैंकर्स वित्तीय वर्ष 2023-24 के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं में प्राप्त प्रगति की समीक्षा करते हुए बैंकवार व्यावसायिक स्थिति का जायजा लिया, सभी बैंकर्स का ऋण जमा अनुपात की समीक्षा की गई जनपद की औसत 66 प्रतिशत पायी गयी एवं भारतीय रिजर्व बैंक के मानकों के अनुरूप ऋण जमा अनुपात 60 प्रतिशत सभी बैंक का होना चाहिए पंजाब नेशनल बैंक, इंडियन बैंक, बड़ौदा उप्र बैंक का ऋण जमा अनुपात अनुमानित औसत से कम होने की दशा में ध्यान देकर ऋण जमा अनुपात को सुधारे जाने हेतु आवश्यक निर्देश दिए। वार्षिक ऋण योजना की समीक्षा की जिसमें प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र में उपलब्धि 112 प्रतिशत, कृषि क्षेत्र में 114.3 प्रतिशत व एमएसएमई क्षेत्र में 105.5 प्रतिशत रही जिसके अंतर्गत बैंकों की सकल उपलब्धि 112.5 प्रतिशत रही जोकि वार्षिक लक्ष्य के सापेक्ष अधिक पाया गया। किसान क्रेडिट कार्ड फसली ऋण एवं पशुपालन संबंधित ऋण वितरण संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत भौतिक लक्ष्य 64 के सापेक्ष अभी तक 63 आवेदन स्वीकृत पाए गए, जिसमें अभी तक 56 आवेदन पर ऋण वितरण की कार्यवाई पाइ गई जिस पर उन्होंने भारतीय स्टेट बैंक एवं पंजाब नेशनल बैंक में सर्वाधिक लंबित वादों को शीघ्र निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा.निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम जिला खादी ग्रामोद्योग के अंतर्गत संचालित प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, एनआरएलएम के अंतर्गत एसएचजी समूह, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, पीएम स्वनिधि योजना, मुद्रा योजना पीएम जनधन योजना के अंतर्गत खोले जाने वाले खातों के साथ अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने ली जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक, दिए निर्देश

लखीमपुर खीरी। खीरी में वित्तीय वर्ष 2024-25 के तहत वर्षाऋतु में जनपद के लिए निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शत प्रतिशत पौधरोपण के उद्देश्य से वृक्षारोपण जन अभियान.2024थ् के तहत गुरुवार शाम डीएम महेंद्र बहादुर सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक हुई। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी ;दक्षिण खीरी वन प्रभागद्ध संजय विश्वास ने बताया कि वर्ष 2024.25 में शासन द्वारा जनपद को 91 लाख 07 हजार 300 पौधे रोपित किये जाने का लक्ष्य आवंटित किया गया है।

डीएम ने लक्षित विभागों को निर्देश दिया कि आवंटित लक्ष्य के सापेक्ष पौधरोपण कराने के व्यापक प्रबंध किये जाएं। डीएम ने अधिकारियों को सुझाव दिया कि निर्धारित 91 लाख 07 हजार 300 पौधों तक ही सीमित न रहें। विभागीय परिसंपत्तियों में यदि पर्याप्त स्थान उपलब्ध है और वह स्थान पौधरोपण के लिए उपयुक्त भी है तो लक्ष्य से अधिक पौधे भी रोपित कराने का प्रयास करें। डीएम ने कहा कि वृक्षारोपण जैसे कार्य को आज प्रत्येक स्तर पर प्रोत्साहित किया जाना आवश्यक ही नहीं बल्कि मजबूरी है। क्योंकि वृक्षविहीन धरती पर मानव जीवन का अस्तित्व बच पाना न मुमकिन है। कहा कि विभिन्न प्रकार की पर्यावर्णीय समस्याओं के निजात पाने का सबसे सुगम और आसान रास्ता है कि उपलब्ध भूमि पर अधिक से अधिक पौधे रोपित किये जायें और जहाँ तक संभव हो उनकी सुरक्षा भी की जाये। सीडीओ अनिल कुमार सिंह ने वृक्षारोपण की तैयारियों की समीक्षा की। जिले में आयुष वनए ग्राम वनए नंदनवनए नवग्रह वाटिका सहित पौधरोपण के लिए चिन्ह रंग विशेष प्रयासों का जिक्र किया। आज पर्यावरण प्रदूषण एक ग्लोबल समस्या बन चुकी है।

स्पेशल निरीक्षण यान ट्रेन रुकने के बाद भी महाप्रबंधक के प्लेटफॉर्म पर न उतरने से पदाधिकारी मायूस

फर्रुखाबाद। फर्रुखाबाद जंक्शन स्टेशन पर आज गुरुवार को पूर्वोत्तर रेलवे महाप्रबंधक स्पेशल निरीक्षण यान ट्रेन करीब एक घंटे से अधिक खड़ी रहने के दौरान महाप्रबंधक सौम्या माथुर के प्लेटफार्म पर न उतरने पर ज्ञापन देने वाले विभिन्न रेलवे यूनियनो के पदाधिकारी ने मायूस होकर अपने ज्ञापनों को किसी अधिकारी के माध्यम से निरीक्षण यान के अंदर भिजवाया गया।

पूर्वोत्तर रेलवे महाप्रबंधक सुश्री सौम्या माथुर ने आज गुरुवार अपने स्पेशल निरीक्षण यान ट्रेन से मंडल रेल प्रबंधक सुश्री रेखा यादव के साथ अपने अधिनस्थ अधिकारी गणों के साथ मथुरा जंक्शन सेकासगंज-फर्रुखाबाद-कानपुर तक रेलवे ट्रैक, स्टेशनों, पुलो आदि का विंडो निरीक्षण किया गया।सूत्रों ने बताया कि महा प्रबंधक सौम्या माथुर की स्पेशल निरीक्षण यान आज दोपहर बाद करीब 13.37 बजे फर्रुखाबाद के प्लेटफार्म नंबर एक पर आकर रुकी।

विभिन्न रेलवे यूनियनो में एन ई रेलवे मजदूर यूनियन शाखा मंत्री अनुज कुमार, ऑल इंडिया रेलवे ट्रैक मेंटेनेंर यूनियन अध्यक्ष इंद्रभान सिंह, रेलवे पेंशनर यूनियन आदि के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता ने अपनी - अपनी मांगों के ज्ञापन लेकर महाप्रबंधक निरीक्षण यान के पास पहुंच गएऔरमहाप्रबंधक सुश्री सौम्या माथुर के प्लेटफार्म पर उतरने की प्रतीक्षा करने लगे। करीब एक घंटे तक प्लेटफार्म नंबर एक पर जी एम स्पेशल निरीक्षण एवं ट्रेन खड़ी रहने के बाद भी सुश्री माथुर प्लेटफार्म पर नहीं उतरी जिससे ज्ञापन देने वाले यूनियन के पदाधिकारी कर्मचारी मायूस हुए और अपने-अपने ज्ञापनों को किसी अंदर के अधिकारी द्वारा यान में भिजवाया गया। इज्जत नगर मंडल रेल प्रबंधक सुश्री रेखा यादव 2.20 बजे जी एम स्पेशल निरीक्षण यान से प्लेटफार्म एक पर उतरकर ऊपरगामी पुल से प्लेटफार्म नंबर 3 पर अपनेअधिनस्थअधिकारियों के साथ अपने निरीक्षण यान में बैठने के लिए रवाना हुई इस दौरान उन्होंने चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों से कुछ जानकारियां भी की। करीब 2.30 बजे डीआरएम स्पेशल निरीक्षण यान फर्रुखाबाद से कासगंज होते हुए इज्जत नगर के लिए जहां रवाना हुआ वहीं इसी दाम पर प्लेटफार्म नंबर एक से जीएम स्पेशल विंडो निरीक्षण यान ट्रेन कानपुर के लिए रवाना हो गई। इस दौरान स्टेशन अधीक्षक योगेंद्र कुमार शाक्य, आई ओ डब्लू ,वेद प्रकाश, आरपीएफ कमांडेंट पवन कुमार श्रीवास्तव, डीसीएम आशीष त्रिपाठी आदि अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

पायनियर
नई दिल्ली, शुक्रवार, 21 जून, 2024

मैं राजभवन में तैनात मौजूदा पुलिस दल के साथ सुरक्षित नहीं : पश्चिम बंगाल के राज्यपाल बोस

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्हें राजभवन में तैनात कोलकाता पुलिस के मौजूदा दल की वजह से अपनी सुरक्षा को खतरा होने का अंदेशा है। बोस ने हाल ही में पुलिस कर्मियों को राजभवन परिसर खाली करने का आदेश दिया था, जिसके कुछ दिनों बाद यह बयान आया है। हालांकि, पुलिसकर्मी अभी भी राज्यपाल भवन में तैनात हैं। बोस ने कहा, मेरे पास कारण हैं, जिनकी वजह से मुझे लगता है कि मौजूदा प्रभारी और उनका दल मेरी निजी सुरक्षा के लिए खतरा है।

उन्होंने कहा, मैंने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सूचित किया कि राजभवन में कोलकाता पुलिस के साथ मैं असुरक्षित महसूस कर रहा हूं लेकिन कोई कार्वाई नहीं हुई। राजभवन के सूत्रों ने बताया कि बोस ने राज्य सरकार से राजभवन में तैनात पुलिसकर्मियों द्वारा लगातार जासूसी किए जाने की शिकायत की और उन्हें लगता है कि वे बाहर के प्रभावशाली लोगों के कहने पर ऐसा कर रहे हैं। बोस ने कहा, यहां तैनात पुलिसकर्मी मेरी और मेरे अधिकारियों की गतिविधियों की जासूसी कर रहे हैं। उन्हें (पुलिसकर्मियों) सरकार में बैठे अपने राजनीतिक आकाओं का मौन समर्थन प्राप्त है। यह संविधान का उल्लंघन है। राज्यपाल ने यह मामला समय-समय पर बनर्जी के संज्ञान में लाया है लेकिन अब तक इसपर कोई कार्वाई नहीं हुई। मुख्यमंत्री गृह विभाग का कार्यभार भी संभालती हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, पुलिस विभाग में आला अधिकारियों की जानकारी के बिना ऐसा कुछ भी संभव नहीं है और पुलिस गृह विभाग के अंतर्गत आती है।

बोस ने दावा किया कि राजभवन में वर्तमान प्रभारी अधिकारी के अधीन तैनात पुलिस दल के गलत कार्यों के बारे में उन्हें जानकारी थी। विभिन्न स्रोतों से यह विश्वसनीय जानकारी प्राप्त हुई है कि यहां तैनात पुलिस दल राजभवन तथा लोगों के हितों के खिलाफ काम कर रहा है। मैंने खुद भी इसकी पुष्टि की है। बोस ने कहा कि यहां तैनात कुछ पुलिसकर्मी पहले राज्य सचिवालय नबन्ना में तैनात थे। राज्यपाल ने कहा, वे किसी के लिए जासूस के रूप में काम कर रहे हैं। मैं अभी उस व्यक्ति का नाम नहीं लेना चाहता।

बोस ने नवंबर 2023 में भी राजभवन में जासूसी का प्रयास किए जाने का आरोप लगाया था। उन्होंने भूतल को छोड़कर राजभवन के अंदर कोलकाता पुलिस कर्मियों के प्रवेश को प्रतिबंधित कर दिया था। उनके पूर्ववर्ती जगदीप धनखड़ ने भी राजभवन के अंदर कोलकाता पुलिस कर्मियों का प्रवेश प्रतिबंधित किया हुआ था। धनखड़ वर्तमान में देश के उपराष्ट्रपति हैं। बोस ने कहा, मेरे पूर्ववर्ती राज्यपाल और मैंने कोलकाता पुलिस को राजभवन के केवल कुछ क्षेत्रों में ही तैनाती की अनुमति दी थी, जो गेट के निकट हैं और सिर्फ भूतल तक ही सीमित है। लेकिन मैंने पाया कि लिफ्ट के पास मेरे आगंतुकों पर नजर रखने के लिए पुलिसकर्मी अनधिकृत रूप से मौजूद हैं। उन्हें रंगे हाथों पकड़ा गया और वहां से चले जाने को कहा गया। वे राजभवन में प्रभारी अधिकारी और बाहर के लोगों को सूचनाएं देते हुए पाए गए। इसे आपराधिक कृत्य कहा जा सकता है। राज्यपाल ने कहा, अगर राजभवन में तैनात पुलिस बल द्वारा आपराधिक गतिविधियां की जा रही हैं तो उसके लिए गृह मंत्री जिम्मेदार होना चाहिए।

सीजेआई और साथी न्यायाधीश 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में भाग लेंगे

नई दिल्ली। भारत के प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ और उच्चतम न्यायालय के उनके साथी न्यायाधीश शुक्रवार को आयोजित होने वाले 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) समारोह में भाग लेंगे। शीर्ष अदालत की ओर से जारी परिपत्र में कहा गया है, इक्कीस जून 2024 को 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर, उच्चतम न्यायालय के विस्तारित भवन परिसर के सी ब्लॉक में द्वितीय तल पर स्थित सभागार और ए ब्लॉक के चतुर्थ तल पर स्थित योग एवं मनोरंजन हॉल में रजिस्ट्री के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए योग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। प्रधान न्यायाधीश और साथी न्यायाधीश इस कार्यक्रम में भाग लेंगे। अधिकारियों और कर्मचारियों से अनुरोध है कि वे अपनी भागीदारी से इस कार्यक्रम को सफल बनाएं। योगासन योग विशेषज्ञों की देखरेख में कराए जाएंगे। प्रतिभागियों को योग के दौरान इस्तेमाल की जाने वाली टी-शर्ट वितरित की जाएंगी।

भारत की सभ्यता और संस्कृति में संवेदनशीलता और समावेशिता की जड़े काफी गहरी हैं : मुर्मू

भाषा। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को इस बात पर जोर दिया कि भारत की सभ्यता और संस्कृति में संवेदनशीलता और समावेशिता की जड़ें मूल्यों के रूप में काफी गहरी समाई हुई हैं और इससे समाज की प्रगति को आंका जा सकता है। मुर्मू ने यहां पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक दिव्यांगजन संस्थान का दौरा किया। उन्होंने दिव्यांग बच्चों और छात्रों से बातचीत की। उन्होंने नवनिर्मित प्रोस्थेसिस एवं ऑर्थोसिस सेंटर का भी दौरा किया और रोगियों से बातचीत की और वहां शारीरिक रूप से दिव्यांग लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से उपलब्ध उन्नत सुविधाओं का अवलोकन किया। राष्ट्रपति ने सभा को संबोधित करते हुए समाज की प्रगति को आंकने में संवेदनशीलता और समावेशिता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ए मूल्य भारत की संस्कृति और सभ्यता में गहराई से निहित हैं। उन्होंने कहा, जब हमारे प्रयास दिव्यांगजनों की जरूरतों के प्रति समावेशी और संवेदनशील होते हैं, तो कोई भी शारीरिक स्थिति सामान्य जीवन जीने में बाधा नहीं बन सकती है।

उन्होंने एथलीट दीपा मलिक, अरुणिमा सिन्हा और अवनी लेखरा और सामाजिक कार्यकर्ता के.एस. राजन्ना जैसे व्यक्तियों की उपलब्धियों को रेखांकित किया, जिन्होंने इस बात का उदाहरण पेश किया है कि कैसे समर्पण और दृढ़ संकल्प शारीरिक बाधाओं पर पार पा सकते हैं।

मुर्मू ने दिव्यांगजनों के सामाजिक-आर्थिक सशक्तीकरण में संस्थान के महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार करते हुए दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने में पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक दिव्यांगजन संस्थान की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। उन्होंने कर्मचारियों और सहयोगियों की अटूट प्रतिबद्धता और प्रयासों की भी सराहना की। समावेशिता की जोरदार वकालत करते हुए राष्ट्रपति राष्ट्रपति संपदा में एमआईटीटीआई कैफे का उद्घाटन किया। कर्मचारियों के साथ अपना जन्मदिन मनाते हुए उन्होंने समावेशी समाज को बढ़ावा देने में कैफे की भूमिका पर जोर दिया।

केंद्र महज मूकदर्शक बना नहीं रह सकता, वह आगे बढ़कर आरक्षण मुद्दे को हल करे: पवार

भाषा। पुणे

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र महज मूकदर्शक बना नहीं रह सकता और उसे मराठा समुदाय तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की आरक्षण की मांग से जुड़े मुद्दों को हल करने के लिए आगे आना चाहिए। महाराष्ट्र में आरक्षण के मुद्दे पर मराठा-ओबीसी संघर्ष बढ़ने के बारे में पूछे जाने पर पवार ने कहा कि इसका एक ही समाधान है कि केंद्र आगे बढ़कर इसे सुलझाने के लिए पहल करे। पवार ने कहा कि कानून और राज्य तथा केंद्र की नीतियों में संशोधन की जरूरत है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने महाराष्ट्र के पुणे जिले के बारामती में पत्रकारों से बातचीत में यह बात कही।

महाराष्ट्र विधानसभा ने इस साल फरवरी में सर्वसम्मति से एक विधेयक पारित किया जिसमें मराठा समुदाय को शिक्षा और नौकरियों में एक अलग श्रेणी के तहत 10 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। हालांकि समुदाय ओबीसी के तहत आरक्षण की मांग कर रहा है। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे उस मसौदा अधिसूचना के क्रियान्वयन की मांग कर रहे हैं जो कुनबियों को मराठा समुदाय के लोगों के सगे सोयारे (रक्त संबंधी) के रूप में मान्यता देता है। जरांगे साथ ही कुनबियों को मराठा के रूप में पहचान देने संबंधी एक कानून बनाने की भी मांग कर रहे हैं।

कुनबी, एक कृषि समूह है, जिसे ओबीसी श्रेणी के तहत आरक्षण का लाभ मिलता है। मराठा आरक्षण की मांग के बीच दो ओबीसी कार्यकर्ता पिछले सप्ताह से जालना जिले में अनशन पर बैठे हैं और सरकार से यह आश्वासन मांग रहे हैं कि अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए मौजूदा आरक्षण में कोई छेड़छाड़ नहीं की जाए। इस पर पवार ने कहा, राज्य और केन्द्र सरकार की नीतियों में बदलाव की जरूरत है। उन्होंने कहा, सरकारें खासतौर पर केंद्र को दोनों समुदायों की मांगों को पूरा करने के लिए आगे आना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आंदोलन कोई सीमा पार न करे और सामाजिक तनाव पैदा न हो। सरकारें इस मुद्दे पर महज मूकदर्शक बनी नहीं रह सकतीं। उन्होंने कहा कि अगर सरकार सकारात्मक कदम उठाए तो विपक्ष इस पर राजनीति नहीं करेगा।

आईआईटी बंबई ने भगवान राम का उपहास करने वाले नाटक के मंचन पर विद्यार्थियों पर लगाया जुर्माना

मुंबई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), बंबई ने भगवान राम का कथित रूप से उपहास एवं रामायण की खराब छवि प्रस्तुत करने वाले एक नाटक का मंचन करने को लेकर आठ विद्यार्थियों पर 1.2 लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया गया है। इन विद्यार्थियों के एक सहपाठी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इन विद्यार्थियों ने मंचन कला उत्सव (पीएएफ) के तहत इस साल 31 मार्च को राहोवन नामक नाटक का मंचन किया था। संस्थान के स्नातकोत्तर कक्षा के एक विद्यार्थी ने कहा, जिस नाटक का मंचन किया गया, उसमें भगवान राम का उपहास किया गया और रामायण को अश्लील एवं अपमानजनक तरीके से पेश किया गया। अपनी पहचान उजागर करने से इनकार करने वाला यह छात्र उन विद्यार्थियों के समूह का हिस्सा है जिसने प्रशासन से इस नाटक के खिलाफ शिकायत की।

आईआईटी (बंबई) में अंबेडकर पेरियार फुले स्टडी सर्किल (एपीपीएससी) नामक संस्था से जुड़े एक अन्य छात्र ने भी इसकी पुष्टि की कि इस नाटक का मंचन करने पर विद्यार्थियों पर जुर्माना लगाया गया। एपीपीएससी वामपंथी रूझान वाला छात्र संगठन है। छात्र ने कहा, शिकायत के बाद आठ विद्यार्थियों में प्रत्एक पर 40,000 रुपए से लेकर।,20,000 रुपए तक का जुर्माना लगाया गया। आईआईटी (बंबई) के रजिस्ट्रार कार्यालय द्वारा चार जून को जारी किए गए नोटिस में कहा गया है कि विद्यार्थियों को 30 जुलाई तक जुर्माना भरना होगा।

आईआईटी,बंबई ने इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एट आईआईटीबीफोरभारत नामक एक एकाउंट से 19 जून को पोस्ट किया गया, अपमानजनक तरीके से रामायण को प्रस्तुत करने वाले नाटक राहोवन के मंचन में शामिल लोगों के खिलाफ आईआईटी,बंबई प्रशासन द्वारा की गई अनुशानात्मक कार्वाई का हम स्वागत करते हैं। इन विद्यार्थियों ने भगवान राम, माता सीता और भगवान लक्ष्मण का उपहास करने के लिए अपनी अकादमिक स्वतंतत्रा का दुरूपयोग किया। एट आईआईटीबीफोरभारत अपने आप को स्वयंसेवकों का एक समूह बताता है और उसका लक्ष्य भारतीय सभ्यतागत मूल्यों के लिए साझा स्थान प्रदान करना है।

आठ अप्रैल को इस एकाउंट से इस नाटक को हिंदूफोबिया (हिंदुओं से नफरत) का कृत्य बताते हुए उसके मंचन में शामिल लोगों के खिलाफ कार्वाई की मांग की गई थी। आईआईटीबीफोरभारत ने कहा था, हम आईआईटीबंबई प्रशासन से ऐसे दिशानिर्देश तय करने की अपील करते हैं जिससे परिसर में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में किसी भी रूप में किसी भी धर्म का उपहास नहीं किया जाए। इस कृत्य एवं आपत्तिजनक पीएएफ कार्यक्रम के सिलसिले में एट आईआईटीबंबई समुदाय आईआईटी, बंबई प्रशासन से एक माफीनामे की उम्मीद करता है। उसने कहा, सूत्रों के मुताबिक दो भिन्न जुर्माने लगाए गए हैं, एक उन विद्यार्थियों के लिए है जो जुलाई में उत्तीर्ण होकर संस्थान से जा रहे हैं और दूसरा उनके लिए है जो नियमित विद्यार्थी हैं।

ओडिशा में भाजपा की वरिष्ठ नेता सुरमा पाढ़ी निर्विरोध चुनी गईं विधानसभा अध्यक्ष

भुवनेश्वर। भाजपा की वरिष्ठ नेता सुरमा पाढ़ी बृहस्पतिवार को ओडिशा विधानसभा की अध्यक्ष निर्विरोध चुनी गईं। नयागढ़ जिले के रानपुर विधानसभा क्षेत्र से दो बार की विधायक पाढ़ी इस पद के लिए अकेली उम्मीदवार थीं। किसी अन्य उम्मीदवार के नहीं होने के कारण पाढ़ी को निर्विरोध चुन लिया गया। प्रोटेम स्पीकर आरपी स्वैन ने विधानसभा के विशेष सत्र में पाढ़ी के निर्वाचन की घोषणा की और उन्हें कार्यभार सौंपा। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, उपमुख्यमंत्री केवी सिंह देव व प्रवाती परिदा, नेता प्रतिपक्ष नवीन पटनायक और सदन के अन्य सदस्यों ने विधानसभा की नई अध्यक्ष को बधाई दी। बीजू जनता दल (बीजद) की प्रमिला मलिक के बाद पाढ़ी, ओडिशा विधानसभा की अध्यक्ष बनने वाली दूसरी महिला हैं। पाढ़ी ने विधानसभा अध्यक्ष चुने जाने के बाद कहा, मुझे इस गरिमामय सदन का अध्यक्ष चुनने के लिए मैं सभी का हृदय से आभार व्यक्त करती हूं। मैं एक साधारण परिवार से हूं और मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे इतना प्रतिष्ठित पद और जिम्मेदारी हासिल होगी। मैं अभिभूत हूं। इस सदन की गरिमा को बनाए रखना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। इसलिए मैं आपका सहयोग चाहती हूं। मैं सभी के सहयोग से निष्पक्षता बनाए रखने का पूरा प्रयास करूंगी। मुख्यमंत्री ने नई अध्यक्ष को बधाई दी और सदन के सुचारू संचालन के लिए विपक्ष सहित सभी सदस्यों से पाढ़ी के साथ सहयोग करने की अपील की। नेता प्रतिपक्ष नवीन पटनायक ने कहा, मैं आपको (पाढ़ी को) 17वीं विधानसभा अध्यक्ष के रूप में बधाई देता हूं। मुझे विश्वास है कि अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान आप इस गरिमामय सदन की गरिमा को बनाए रखेंगी। मुझे यह भी उम्मीद है कि सदस्य सदन के सुचारू संचालन में सहयोग करेंगे। कांग्रेस विधायक दल के नेता ताराप्रसाद बहिनीपति और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के एकमात्र विधायक लक्ष्मण मुंडा ने भी पाढ़ी को ओडिशा विधानसभा की अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई दी। पाढ़ी (63) इस बार रानपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्वाचित हुई हैं। उन्होंने बीजद के सत्यनारायण प्रधान को 15,544 मतों के अंतर से हराया। पाढ़ी 2004 विधानसभा चुनाव में रानपुर से निर्वाचित हुईं थीं और नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली बीजद-भाजपा गठबंधन सरकार में सहकारिता मंत्री रही थीं। सितंबर 2023 में बीजद की वरिष्ठ नेता प्रमिला मलिक ने ओडिशा विधानसभा की पहली महिला अध्यक्ष बनकर इतिहास रचा था। ओडिशा की 147 सदस्ईय विधानसभा में सत्तारूढ़ भाजपा के 78 विधायक हैं।

जदयू सांसद के खिलाफ अदालत में परिवाद पत्र दायर

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले की एक अदालत में पडोसी जिला सीतामढी से नवनिर्वाचित जदयू सांसद देवेश चंद्र ठाकुर के विवादित बयान को लेकर उनके खिलाफ बृहस्पतिवार को शिकायत दर्ज की गई है। मुजफ्फरपुर के एक सामाजिक कार्यकर्ता दिलीप कुमार कुशवाहा ने मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में ठाकुर के खिलाफ उक्त परिवाद पत्र दायर कराया। ठाकुर ने हाल ही में उन समुदायों का काम नहीं करने की बात कही थी जिन्होंने कथित तौर पर लोकसभा चुनाव में उनके प्रतिद्वंद्वियों को वोट दिया था। कुशवाहा के अधिवक्ता हरिओम कुमार ने संवाददाताओं से कहा, अदालत ने हमारे मामले पर सुनवाई की तारीख दो जुलाई तय की है। हमने प्रार्थना की है कि आरोपी सांसद पर कुशवाहा समुदाय, मुसलमानों और यादवों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए भादंवि की धारा 501 और 505 के तहत मामला दर्ज किया जाए। कई बार विधान पार्षद रह चुके ठाकुर इस बार सीतामढी से सांसद निर्वाचित घोषित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सांसद ने अफसोस जताया था कि कुशवाहा समुदाय ने राजग मतदाता होने के बावजूद उनके राजद प्रतिद्वंद्वी को सिर्फ इसलिए वोट दिया क्योंकि विपक्षी दल ने समुदाय के कई लोगों को मैदान में उतारा था। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी माने जाने वाले ठाकुर ने यह भी शिकायत की थी कि मुसलमान उन्हें सिर्फ इसलिए वोट नहीं देते क्योंकि मेरी पार्टी भाजपा की सहयोगी है और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के प्रति उनकी निष्ठा के लिए यादव समुदाय की आलोचना की थी। ठाकुर की टिप्पणी पर राजद सहित महागठबंधन के अन्य दलों ने आलोचना की है, हालांकि, जदयू और उसकी सहयोगी भाजपा की ओर से इस मामले में मिली-जुली प्रतिक्रिया व्यक्त की गई है।

चीनी मिल पर हंगामा करने के मामले में पूर्व विधायक सहित छह को सात-सात साल की कैद

रामपुर (उप्र)। रामपुर की विशेष एमपीएमएलए अदालत ने शाहाबाद की एक चीनी मिल में घुसकर मारपीट के आरोपी पूर्व भाजपा विधायक काशीराम दिवाकर समेत छह लोगों को सात-सात साल की कैद और जुर्माने की सजा सुनाई है। सभी छह आरोपियों को बुधवार को दोषी करार दिया था और आज उन्हें सजा सुनाई। जिला शासकीय अधिवक्ता सीमा राणा ने बताया कि शाहाबाद स्थित राणा चीनी मिल के अध्यक्ष ओमवीर सिंह ने 16 जनवरी 2012 को मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप लगाया गया था कि चीनी मिल में ट्रैक्टरट्राली निकालने को लेकर हुए विवाद में भूतपूर्व विधायक काशीराम दिवाकर की अगुवाई में लोगों की भीड़ ने मिल में घुसकर मारपीट और तोड़फोड़ की थी जिसमें कुछ कर्मी भी घायल हुए थे। न्यायाधीश डॉक्टर विजय कुमार ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद इस मामले में पूर्व विधायक काशीराम दिवाकर, कृष्णपाल, भारत, संजू यादव, मेघराज और सुरेश गुप्ता नामक अभियुक्तों को को दोषी करार दिया था।

कर्नाटक में रह रहे लोगों को कन्नड़ सीखना चाहिए: सिद्धरमैया

भाषा। बेंगलुरु

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने बृहस्पतिवार को लोगों से अपनी मातृभाषा बोलने में गर्व महसूस करने का अनुरोध करते हुए कहा कि कन्नड़ भाषा, भूमि और जल को बचाना हर कन्नडिगा का दायित्व है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में रह रहे लोगों को कन्नड़ सिखना चाहिए। उन्होंने राज्य में कन्नड़ माहौल बनाने की जरूरत पर बल दिया। यहां विधान सौध के परिसर में नदा देवी भुवनेश्वरी की 25 फुट ऊंची कांस्य प्रतिमा के निर्माण के वास्ते भूमि पूजा करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि अपनी मातृभाषा बोलना गर्व का विषय होना चाहिए। उन्होंने कहा, एक संकल्प लिया जाए कि राज्य में कन्नड़ के सिवा कोई भाषा नहीं बोली जाए। कन्नडिगा उदार होते हैं। यही कारण है कि कर्नाटक में ऐसा माहौल है कि जो दूसरी भाषाएं बोलते हैं, वे भी कन्नड़ सीखे बिना रह सकते हैं।

तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और केरल में ऐसी स्थिति नजर नहीं आ सकती है। वे बस अपनी मातृभाषा में ही बोलते हैं। कन्नडिगाओं से अपनी मातृभाषा में बोलने का अनुरोध करते हुए सिद्धरमैया ने कहा कि इसे लेकर हीनता का बोध नहीं पालने की जरूरत है। उन्होंने कहा, हमें भी अपनी मातृभाषा में बोलना है। उससे हमें गर्व महसूस करना चाहिए। कर्नाटक में रह रहे लोगों से कन्नड़ सीखने का आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, कन्नड़ माहौल तैयार करना हम सभी का दायित्व है। उसके लिए यहां रहने वाले सभी लोगों को कन्नड़ सीखना चाहिए। हम उस तरह चुप नहीं रह सकते। कन्नड़ ढीठ नहीं होते हैं। लेकिन कन्नड़ के प्रति प्यार विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, अन्य राज्यों की भांति हमें हठधर्मी नहीं बनना चाहिए। लेकिन हमें अपने अंदर अपनी भाषा, भूमि और अपने देश के प्रति सम्मान एवं प्रशंसा (का भाव) विकसित करना चाहिए।

कंचनजंघा हादसा में मालगाड़ी के चालक दल एवं मंडल के परिचालन विभाग की चूक सामने आई : जांच दल

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में 17 जून के कंचनजंघा एक्सप्रेस हादसे की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि न्यू जलपाईगुड़ी रेल मंडल के परिचालन विभाग और यात्री ट्रेन से टकराने वाली मालगाड़ी के चालक दल की चूक थी। दार्जिलिंग जिले में सोमवार को सियालदह जाने वाली कंचनजंघा एक्सप्रेस से टकराने के बाद यात्री ट्रेन के गार्ड और मालगाड़ी के चालक (लोको पायलट) सहित कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई थी। दुर्घटना के तुरंत बाद रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष जया वर्मा सिन्हा ने कहा था कि मालगाड़ी द्वारा सिग्नल की अनदेखी किए जाने के कारण यह टक्कर हुई थी। उन्होंने कहा था कि रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

रेलवे ने छह वरिष्ठ अधिकारियों की एक जांच टीम भी गठित की थी, जिन्होंने प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी है, जिसे पीटीआई-भाषा ने देखा है। पांच अधिकारियों ने मालगाड़ी के चालक पर सिग्नल के साथ-साथ गति सीमा का उल्लंघन करने का आरोप लगाया जबकि एक ने असहमति जताते हुए कहा कि न्यू जलपाईगुड़ी (एनजेपी) रेल मंडल का परिचालन विभाग मार्ग की सुरक्षा के लिए पर्याप्त उपाय करने में विफल रहा है।

ज्यादातर लोगों का मानना है कि मालगाड़ी के चालक दल (चालक, सहायक चालक और गार्ड) द्वारा 'खतरनाक स्थिति में स्वचालित सिग्नल को पार करने' और 'ट्रेन की गति' संबंधी नियम का पालन नहीं करने के कारण यह घटना हुई होगी। एनजेपी मंडल के मुख्य लोको इंस्पेक्टर (सीएलआई) ने अपने असहमति नोट में कहा कि 17 जून, 2024 को सुबह 5:50 बजे से स्वचालित और अर्ध-स्वचालित सिग्नल काम नहीं कर रहे थे।

उन्होने रेल नियमों का हवाला देते हुए कहा कि ऐसी स्थिति में, उस खंड को एब्सोल्यूट ब्लॉक सिस्टम (एक समय में केवल एक ट्रेन को अनुमति देने की प्रणाली) में परिवर्तित किया जाना चाहिए था।

दुर्घटना से पहले का विवरण देते हुए जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि कंचनजंघा एक्सप्रेस 17 जून को सुबह 8:27 बजे रानीपतरा स्टेशन से दो प्राधिकार पत्रों के साथ रवाना हुई थी। एक रेलवे सूत्र ने पीटीआई-भाषा को बताया कि इन पत्रों के तहत ड्राइवर को सभी लाल सिग्नल पार करने की अनुमति थी और इनमें किसी भी गति का उल्लेख नहीं किया गया। जांच रिपोर्ट के अनुसार, वही दो प्राधिकार पत्र उस मालगाड़ी को भी जारी किए गए थे जो सुबह 8:42 बजे रानीपतरा स्टेशन से रवाना हुई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि कंचनजंघा एक्सप्रेस एक खराब सिग्नल पर रूकी हुई थी, तभी मालगाड़ी ने पीछे से उसे टक्कर मार दी।

पेज 1 का शेष

नीट के बाद...

बस इस विषय पर अपनी राजनीति चमकाना चाहते हैं। राजस्थान में पेपर लीक हुआ लेकिन राहुल गांधी ने इस पर एक शब्द भी नहीं बोला। यूजीसी-नेट भारतीय विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति और पीएचडी में प्रवेश के लिए जूनियर रिसर्च फेलोशिप के पुरस्कार के लिए भारतीय नागरिकों की पात्रता निर्धारित करने के लिए एक परीक्षा है। एनईईटी-यूजी परीक्षा देश भर के सरकारी और निजी संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एनटीए द्वारा आयोजित की जाती है। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने दावा किया कि एनईईटी 'पेपर लीक' में गिरफ्तार मुख्य आरोपी का संबंध राजद नेता तेजस्वी यादव से जुड़े अधिकारियों से है, और उन्होंने इसकी जांच की मांग की। उपमुख्यमंत्री ने कहा, यादव से जुड़ा अधिकारी सिकंदर के लिए पटना और अन्य स्थानों के गेस्ट हाउस में आवास की व्यवस्था करता था। मेरे पास उन संदेशों का विवरण है जो अधिकारी ने सिकंदर के लिए आवास की व्यवस्था करने के लिए संबंधित व्यक्तियों को भेजे थे। दूसरी ओर, सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र के एनटीए अध्यक्ष प्रोफेसर प्रदीप कुमार जोशी की उच्चाधिकार प्राप्त समिति से पूछताछ करने वाली याचिकाओं की जांच करने का फैसला किया, जिसने 1563 स्नातक राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (एनईईटी-यूजी) के लिए फिर से परीक्षा की सिफारिश की थी। जिन अभ्यर्थियों को ग्रेस मार्क्स दिए गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने उन याचिकाओं पर केंद्र, एनटीए और अन्य को नोटिस जारी किया है, जिनमें नीट-यूजी 2024 परीक्षा को रद्द करने और मेडिकल प्रवेश परीक्षा में कथित अनियमितताओं की अदालत की निगरानी में जांच की मांग शामिल है।

बिहार में....

संस्थानों में उनका संख्यात्मक प्रतिनिधित्व स्वीकृत स्थिति है और यह राज्य का निर्णायक तर्क है। यह तर्क अनुच्छेद 15(4) और 16(4) के मूल सिद्धांतों के खिलाफ काम करता है, यह एक तथ्य है। इसलिए हमारे निर्णय में समानता के सिद्धांतों के आधार पर 50 फीसदी की सीमा से अधिक आरक्षण को बढ़ाना कानून में बुरा है। संविधान से, जैसा कि इस निर्णय में चर्चा की गई मिसालों की संपत्ति द्वारा निर्धारित किया गया है; यह हम पर और राज्य पर समान रूप से बाध्यकारी है। आदेश में कहा गया है, आरक्षण में 50 फीसदी की सीमा का नियम, इस प्रकार, पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों पर लागू होता है, जो अनुच्छेद 15 (4) और अनुच्छेद 16 (4) के तहत समान रूप से लागू होता है और वर्तमान मामले में, हम कोई छूट नहीं देखते हैं ऐसी परिस्थिति जो राज्य को नियम का उल्लंघन करने में सक्षम बनाती है।

केजरीवाल...

ईडी हवा में जांच कर रही है और केंद्रीय जांच एजेंसी के पास मामले में ठोस सबूत हैं। केजरीवाल कहते हैं कि मेरा फोन पवित्र है। मैं पासवर्ड नहीं दूंगा। हमें विनोद चौहान के फ़ोन का सहारा लेना पड़ा. वह शांत बैठा है. कई बार ऐसा हुआ है कि आरोपी कहता है कि मैं नहीं दूंगा... एक प्रतिकूल निष्कर्ष इस बात से निकालना होगा कि केजरीवाल ने अपना पासवर्ड देने से इनकार कर दिया है। यह सामान्य जमानत कानून के तहत जमानत से इनकार करने का एक आधार है, फिलहाल धारा 45 पीएमएलए को भूल जाइए। ईडी ने जांच में शामिल होने के लिए बार-बार समन की अवहेलना करने पर भी केजरीवाल पर निशाना साधा। ईडी ने अदालत को बताया, उन्होंने जानबूझकर समन की अवज्ञा की। नौ समन की अवज्ञा करने के बावजूद हमने उन्हें गिरफ्तार नहीं किया। हालांकि, केजरीवाल के वकील ने कहा कि उनके खिलाफ पूरा मामला बयानों पर आधारित है। बयान उन लोगों के हैं जिन्होंने दोषी होने की बात कबूल की है। वे यहां संत नहीं हैं। वे वे हैं जो न केवल दागी हैं, बल्कि ऐसा प्रतीत होता है कि जो कुछ गिरफ्तार किए गए थे उन्हें जमानत का वादा किया गया था और माफी दिए जाने का वादा किया गया था।

तमिलनाडु...

भाजपा नेता श्रीप्रिया अय्यर ने कहा, जब द्रमुक सरकार ने शपथ ली तो नकली शराब कार्टेल को बढ़ावा मिला। जब भी द्रमुक सत्ता में होती है, राज्य में नकली शराब के निर्माण, बिक्री और खपत में वृद्धि देखी जाती है।

सेबी ने...

परामर्श के अनुसार कंपनी आरबीआई सहित संबंधित नियामकों के समक्ष खुली पेशकश के लिए अधिग्रहणकर्ता (बर्मन समूह) की उपयुक्त एवं उचित स्थिति के लिए आवेदन करेगी।

दिल्ली...

निराश्रितों, बेघरों और गरीबों को पानी और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त उपाय किए जाएं। पत्र में कहा गया है, जिला मजिस्ट्रेटों को अपने अधिकार क्षेत्र में आश्रय गृहों और अस्पतालों का दौरा करने की भी सलाह दी जा सकती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जहां आवश्यक हो वहां राहत और आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए पर्याप्त व्यवस्था हो। सीएचडी के कार्यकारी निदेशक सुनील अलेडिया ने कहा कि हीटस्ट्रोक, निर्जलीकरण और त्वचा की समस्याएं एक प्रमुख कारण है कि बेघर लोगों में मृत्यु दर की इतनी अधिक संख्या दर्ज की जा रही है। उन्होंने कहा, चिलचिलाती धूप के लगातार संपर्क में रहने से उन्हें हीटस्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है, जो जीवन के लिए खतरनाक स्थिति है। लक्षणों में चक्कर आना, भ्रम, शरीर का उच्च तापमान और दौरे शामिल हैं। स्वच्छ पेयजल तक पहुंच सीमित हो सकती है, जिससे निर्जलीकरण हो सकता है जिससे हीटस्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है और थकान, सिरदर्द और चक्कर आ सकते हैं। लगातार धूप में रहने के कारण सनबर्न, चकत्ते और गर्मी में फोड़े होना आम बात है। स्थिति को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार ने अधिकारियों को बेघरों को फुटपाथों, पार्कों से निकालकर आश्रय गृहों में भेजने का निर्देश दिया है। दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बुधवार को दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डीयूएसआईबी) को जारी एक आदेश में कहा, दिल्ली में गर्मी का मौसम अपने चरम पर है और संबंधित सरकारी विभागों (एनडीएमए, एनपीसीसीएचएच, एनसीडीसी, राज्य) द्वारा विभिन्न सलाह जारी की गई हैं। स्वास्थ्य विभाग आदि) को दिल्ली में बचाव अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। आदेश के अनुसार, चल रही भीषण गर्मी की स्थिति से निपटने के लिए हीटवेव एक्शन प्लान के एक हिस्से के रूप में बचाव अभियान चलाया जाएगा और फुटपाथों, खुले स्थानों, पार्कों आदि में सो रहे बेघर लोगों को उपयुक्त आवास प्रदान करके बचाया जाएगा। आदेश में कहा गया है, इसलिए, सभी आश्रय प्रबंधन एजेंसियों (एसएमए) को बचाव दल बनाने और आज से ही अपने अधिकार क्षेत्र/क्लस्टर में बचाव अभियान शुरू करने का निर्देश दिया जाता है।

भर्तृहरि...

अधिकारियों का एक पैनल करेगा जिसमें कांग्रेस नेता के. सुरेश, द्रमुक नेता टीआर बालू, भाजपा के राधा मोहन सिंह और फग्गन सिंह कुलस्ते तथा तृणमूल कांग्रेस के नेता सुदीप बंद्योपाध्याय शामिल हैं। महताब लोकसभा चुनाव से पहले बीजू जनता दल (बीजद) छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। अठारहवीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून से शुरू होगा। नवनिर्वाचित सदस्य 24-25 जून को शपथ लेंगे। लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव 26 जून को होना है।

दुश्मनों को..

साथ यह पहली बैठक है। पूरी दुनिया कश्मीर घाटी में बदलाव देख रही है...हमारा कश्मीर कितना आगे बढ़ गया है...आप देखेंगे कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह भी पर्यटकों के लिए एक आकर्षण बन जाएगा। मोदी ने कहा कि 370 की दीवार टूटने के बाद भारत का संविधान सही मायने में लागू हो गया है. पीएम मोदी ने भारत के संविधान को स्वीकार न किए जाने और आजादी के बाद से जम्मू-कश्मीर के प्रति दिखाई गई उपेक्षा पर भी दुख जताया। मुझे ख़ुशी है कि आज हम भारत के संविधान को जी रहे हैं। संविधान के माध्यम से, हम कश्मीर का चेहरा हमेशा के लिए बदलने के नए तरीके ढूंढ रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, भारत के संविधान को आखिरकार जम्मू-कश्मीर ने सही मायने में अपना लिया है। उन्होंने कहा, धारा 370 की दीवारें गिरा दी गई हैं। मोदी ने कहा कि मैं दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के बीच दूरियां पाटने, दिलों का जुड़ाव सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा हूं। दूर दिल की रहे हो या दिल्ली की, हम उन्हें मिटाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, हमारी सरकार लोगों की उम्मीदों पर चलकर अपना प्रदर्शन दिखाती है और परिणाम लाती है।

नीट परीक्षा रद्द करने संबंधी याचिकाओं पर

केंद्र और एनटीए को नोटिस

उच्च न्यायालयों में सुनवाई पर रोक

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी), 2024 में कथित अनियमितताओं को लेकर बढ़ते उपद्रव के बीच यह परीक्षा रद्द करने और इसकी अदालत की निगरानी में जांच का अनुरोध करने संबंधी याचिकाओं पर बृहस्पतिवार को केंद्र, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) और अन्य से जवाब मांगा। शीर्ष अदालत ने देश के विभिन्न उच्च न्यायालयों के समक्ष नीट 2024 परीक्षा से संबंधित कुछ लंबित याचिकाओं पर आगे की कार्यवाही पर भी रोक लगा दी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की अवकाशकालीन पीठ ने एनटीए की चार अलग-अलग याचिकाओं पर संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इनमें उच्च न्यायालयों में लंबित याचिकाओं को शीर्ष अदालत में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया गया है।

जैसे ही पीठ ने एनटीए की याचिकाओं पर नोटिस जारी किए, एजेंसी की ओर से पेश वकील ने आग्रह किया कि उच्च न्यायालय के समक्ष इन मामलों में कार्यवाही रोक दी जाए। पीठ ने कहा, नोटिस जारी किया जाता है, जिसपर आठ जुलाई तक जवाब दाखिल करना होगा। इस बीच, उच्च न्यायालयों के समक्ष आगे की कार्यवाही पर रोक रहेगी। पीठ ने कई अन्य याचिकाओं पर भी विचार किया, जिनमें मेडिकल प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए उन 20 छात्रों की याचिका भी शामिल है, जो पांच मई को आयोजित परीक्षा रद्द करने का अनुरोध कर रहे हैं। अधिवक्ता धीरज सिंह के जरिए इन 20 याचिकाकर्ताओं ने एनटीए एवं अन्य को नीट परीक्षा नए सिरे से कराने का निर्देश देने का न्यायालय से अनुरोध किया है। पीठ ने इन याचिकाओं पर केंद्र, एनटीए और अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। पीठ ने कहा कि इन याचिकाओं पर आठ जुलाई को नीट-यूजी 2024 से संबंधित अन्य लंबित मामलों के साथ सुनवाई की जाएगी। सुनवाई के दौरान पीठ ने स्पष्ट किया कि वह काउंसलिंग प्रक्रिया पर रोक नहीं लगा रही है। पीठ ने कहा, यह सब पहले दिन से ही चल रहा है और वे (कुछ याचिकाकर्ता) काउंसलिंग पर रोक चाहते हैं। हमने इससे इनकार किया है। पीठ ने कहा, आखिरकार, अगर आप सभी सफल होते हैं, तो सब कुछ ठीक हो जाएगा। परीक्षा भी होगी और काउंसलिंग भी होगी। याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से पेश हुए वकील ने कहा कि काउंसलिंग आठ जुलाई के बाद तक टाली जा सकती है। पीठ ने एनटीए के वकील से काउंसलिंग के बारे में पूछा। वकील ने कहा कि काउंसलिंग छह जुलाई से शुरू होगी और कुछ दिनों तक चलेगी। पीठ ने सॉर्टिंग हैट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड की याचिका पर केंद्र और एनटीए को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। यह कंपनी अनएकेडमी नाम से शिक्षा सेवाओं के लिए एक प्लेटफॉर्म संचालित करती है। इसकी याचिका में नीट-यूजी 2024 के परिणामों में कथित अनियमितताओं और विसंगतियों की जांच के लिए एक स्वतंत्र समिति के गठन की मांग की गई है। कंपनी ने अधिवक्ता सुमीर सोढ़ी के माध्यम से दायर अपनी याचिका में एनटीए को उन उम्मीदवारों की समय बर्बादी का पता लगाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली पद्धति का समर्थन करने के लिए सांख्यिकीय डेटा प्रस्तुत करने का निर्देश देने की भी मांग की है, जिन्हें प्रतिपूरक अंक दिए गए थे। एक अन्य वकील ने पीठ को बताया कि परीक्षा में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में बिहार में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। वकील ने कहा कि कथित अनियमितताओं के संबंध में बिहार और गुजरात में प्राथमिकी दर्ज की गई हैं और पुलिस से इन मामलों में अपनी जांच की स्थिति रिपोर्ट मांगी जानी चाहिए।

राहुल गांधी को छात्रों के भविष्य से लेना देना नहीं, सिर्फ राजनीति करनी है: भाजपा

नई दिल्ली। (भाषा) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर तुच्छ राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि केंद्र इस मामले को बेहद संवेदनशीलता से देख रहा है और मेडिकल प्रवेश परीक्षा में शामिल होने वाले हर छात्र के साथ न्याय किया जाएगा। सत्तारूढ़ दल ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस इस मुद्दे पर साजिश के तहत झूठ फैलाकर देश को गुमराह करने की कोशिश कर रही है, ताकि परीक्षा प्रणाली को सुचारू बनाने के सरकार के प्रयासों को बदनाम किया जा सके। केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि बिहार में नीट पेपर लीक मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी के साथ सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के संबंध को लेकर खुलासा होने के मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए कांग्रेस झूठ का सहारा ले रही है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने यूजीसी-नेट और नीट-यूजी की परीक्षाओं में कथित पेपर लीक के मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी या तो पेपर लीक को रोक नहीं पा रहे हैं, या फिर इसे रोकना नहीं चाहते हैं। राहुल ने यह दावा भी किया कि लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मनोवैज्ञानिक रूप से टूट चुके हैं और सरकार चलाने के लिए संघर्ष करेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने पलटवार करते हुए राहुल गांधी की टिप्पणी को कष्टदाई करार दिया और कहा कि कांग्रेस नेता इस मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं क्योंकि छात्रों के भविष्य से उनका कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, नीट परीक्षा के मुद्दे पर सरकार पूरी तरीके से सतर्क है, संवेदनशील है। सरकार इस विषय को लेकर संकल्बद्ध भी है कि लाखों छात्रों के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। इसके लिए सरकार के मन में संवेदनशीलता भी है और सारी परिस्थितियों के ऊपर गहराई से नजर रखने की सतर्कता भी है। जो भी लोग संलिप्त पाए जाएंगे, उनके विरूद्ध कठोर कार्वाई होगी। त्रिवेदी ने कहा कि चूंकि मामला उच्चतम न्यायालय के विचाराधीन है इसलिए सरकार अपने संवैधानिक दायित्व को भी समझती है। उन्होंने कहा कि न्यायालय का जो निर्देश होगा, उसके अनुसार जो प्रभावी कार्यवाही होगी वह करने के लिए सरकार पूर्णत: संकल्पबद्ध है। राहुल गांधी पर चुटकी लेते हुए भाजपा नेता ने कहा कि जो अपने तीसरे प्रयास में थर्ड डीविजन भी पास नहीं हो सका और 100 से कम सीटों पर सिमट गया, वह मेधावी छात्रों का प्रतिनिधि बनने का प्रयास कर रहा है। गांधी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जब यह विषय न्यायालय के विचाराधीन है तो न्यायालय के विवेक से ऊपर अपना विवेक दिखाने का प्रयास करें तो यह साफ लगता है कि उन्हें लाखों छात्रों के भविष्य से कुछ लेना देना नहीं है।

सत्तारूढ़ दल ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस इस मुद्दे पर साजिश के तहत झूठ फैलाकर देश को गुमराह करने की कोशिश कर रही है, ताकि परीक्षा प्रणाली को सुचारू बनाने के सरकार के प्रयासों को बदनाम किया जा सके

उन्होंने कहा, उन्हें सिर्फ इस विषय पर अपनी राजनीति करनी है। ठीक वैसे ही जैसे राजस्थान में डेढ़ दर्जन से अधिक पेपर लीक के मामले हुए थे, लेकिन राहुल गांधी ने एक भी शब्द नहीं बोला था। संवाददाता सम्मेलन में त्रिवेदी के साथ मौजूद भाजपा के एक अन्य प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने भी इस मामले को लेकर राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, राहुल गांधी शिक्षा जैसे गंभीर और संवेदनशील मुद्दे पर ओछी सियासत कर रहे हैं। इससे पहले, बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने दावा किया था कि नीट-यूजी 2024 के कथित पेपर लीक के मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी के राजद नेता तेजस्वी यादव से जुड़े अधिकारियों के साथ संबंध हैं और इसकी उच्च स्तरीय जांच की जानी चाहिए।

PUBLIC NOTICE

"It is to inform to the public at large that Mr. Balram Singh Bhati and Mrs. Sarita Bhati have acquired rights of Plot No. 1-121, measuring 600 sq. mtrs., at Site-C, UPSIDC Surajpur Industrial Area. Greater Noida. Distt Gautam Budh Nagar, U.P vide Sale Deed dated 24.07.2017 executed by Mr. Manish Sharma and Lease Deed dated 13.11.2017 executed by UPSIDC Ltd. in favour of M/s JZB Tiles through their partners Mr. Balram Singh Bhati and Mrs. Sarita Bhati.

OR

Any person / firm / institution / company having any claim or right in respect of the said Property by way of inheritance, share, sale, agreement, lease, license, gift, possession, legal heirs, partners or encumbrance howsoever or otherwise is hereby required to intimate in writing to the undersigned within 07 days from the date of publication of this notice of his/her/their share or claim, if any, with all supporting documents at below mentioned address After expiration of notice period, the claims, if any, of such person shall be treated null and void and also treated as waived and not binding on our client

Ajay Kumar Giri, Advocate. 'H No. 26/161. Basement. Vikram Vihar, Lajpat Nagar 4. New Delhi 110024.

स्विस बैंकों में भारतीयों का जमा धन 70% घटकर चार साल के निचले स्तर 9,771 करोड़ रुपए पर

नई दिल्लीज्यूरिख। स्थानीय शाखाओं और अन्य वित्तीय संस्थानों के माध्यम से स्विस बैंकों में भारतीय व्यक्तियों और कंपनियों द्वारा जमा धन, 2023 में 70 प्रतिशत की तेज गिरावट के साथ चार साल के निचले स्तर 1.04 अरब स्विस फ्रैंक (9,771 करोड़ रुपए) पर आ गया है। स्विट्जलैंड के केंद्रीय बैंक की ओर से बृहस्पतिवार को जारी वार्षिक आंकड़ों के अनुसार, स्विस बैंकों में भारतीय ग्राहकों के कुल धन में लगातार दूसरे वर्ष गिरावट आई है। यह 2021 में 14 साल के उच्चतम स्तर 3.83 अरब स्विस फ्रैंक पर पहुंच गया था। गिरावट का मुख्य कारण बॉन्ड, प्रतिभूतियों और विभिन्न अन्य वित्तीय साधनों के माध्यम से रखे गए धन में तेज गिरावट है। आंकड़ों के अनुसार, इसके अलावा, ग्राहक जमा खातों में जमा राशि और भारत में अन्य बैंक शाखाओं के माध्यम से रखे गए धन में भी उल्लेखनीय गिरावट आई है। ए स्विस नेशनल बैंक (एसएनबी) को बैंकों द्वारा बताए गए आधिकारिक आंकड़े हैं और ए स्विटजरलैंड में भारतीयों द्वारा रखे गए बहुचर्चित कथित काले धन की मात्रा का संकेत नहीं देते हैं। इन आंकड़ों में वह धन नहीं शामिल है जो भारतीयों, एनआरआई या अन्य लोगों ने तीसरे देश की संस्थाओं के नाम पर स्विस बैंकों में रखा हो सकता है।

एसएनबी द्वारा 2023 के अंत में स्विस बैंकों की कुल देनदारियों या उनके भारतीय ग्राहकों को बकाया राशियों के रूप में 103.98 करोड़ स्विस फ्रैंक बताए गए हैं। इनमें ग्राहक जमा में 31 करोड़ स्विस फ्रैंक (2022 के अंत में 39.4 करोड़ स्विस फ्रैंक से कम), अन्य बैंकों के माध्यम से रखे गए 42.7 करोड़ स्विस फ्रैंक (111 करोड़ स्विस फ्रैंक से कम), न्यासों या ट्रस्टों के माध्यम से एक करोड़ स्विस फ्रैंक (2.4 करोड़ स्विस फ्रैंक से कम) और बॉन्ड, प्रतिभूतियों और विभिन्न अन्य वित्तीय साधनों के रूप में ग्राहकों को देय अन्य राशियों के रूप में 30.2 करोड़ स्विस फ्रैंक (189.6 करोड़ स्विस फ्रैंक से कम) शामिल हैं। एसएनबी के आंकड़ों के अनुसार, 2006 में कुल राशि लगभग 6.5 अरब स्विस फ्रैंक के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर थी। इसके बाद 2011, 2013, 2017, 2020 और 2021 सहित कुछ वर्षों को छोड़कर यह ज्यादातर नीचे की ओर ही रही है।

असुरक्षित कर्ज पर कार्रवाई न करने से पैदा हो सकती है बड़ी समस्या:दास

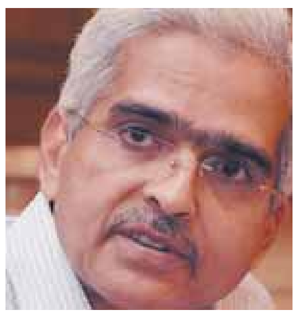

भाषा। मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) गवर्नर शक्तिकान्त दास ने बृहस्पतिवार को कहा कि असुरक्षित कर्ज पर कार्रवाई नहीं करने से बड़ी समस्या पैदा हो सकती है। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियों पर आरबीआई की कार्वाई से असुरक्षित कर्ज में वृद्धि धीमी होने का वांछित प्रभाव पड़ा है।यहां आरबीआई के कॉलेज ऑफ सुपरवाइजर्स में वित्तीय मजबूती पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए दास ने कहा कि असुरक्षित ऋण पर प्रतिबंध इस दृष्टिकोण का परिणाम है कि असुरक्षित कर्ज में वृद्धि के कारण इस बाजार में संभावित समस्या हो सकती है। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर मुख्य मानदंड अच्छे दिख रहे हैं, लेकिन मानकों में ढील, उचित मूल्यांकन का अभाव और कुछ ऋणदाताओं के बीच असुरक्षित ऋण को बढ़ावा देने के लिए अंधी दौड़ में शामिल होने की मानसिकता के स्पष्ट सबूत हैं। दास ने कहा, हमने सोचा कि अगर इन कमज़ोरियों पर ध्यान नहीं दिया गया तो ए एक बड़ी समस्या बन सकती हैं। इसलिए, हमने सोचा कि पहले से ही कार्रवाई करना और ऋण वृद्धि को धीमा करना बेहतर है। उन्होंने इस बात पर संतोष जताया कि आरबीआई की कार्वाई का वांछित प्रभाव पड़ा है, क्योंकि असुरक्षित ऋण में वृद्धि वास्तव में धीमी हो गई है।दास ने कहा कि क्रेडिट कार्ड खंड में वृद्धि आरबीआई की कार्वाई से पहले के 30 प्रतिशत से घटकर अब 23 प्रतिशत हो गई है।

PUBLIC NOTICE

"It is to inform to the public at large that Mr. Sachin Aggarwal has acquired Plot no. C-32, area measuring 420 sq yds . Khasra no. 63 Situated at Abadi Acharya Niketan. village Kotla illaqa Shahdara. Delhi vide Sale Deed dt 30.05.2024 executed by Mrs. Muneesh Thukral alias Munish Thukral. Now Mr. Sachin Aggarwal is the undisputed owner of said property and he is intended to mortgage of above said property with Hero Fincorp Limited

OR

Any person / firm / institution / company having any claim or right in respect of the said Property by way of inheritance, share, sale, agreement, lease, license, gift, possession, legal heirs, partners or encumbrance howsoever or otherwise is hereby required to intimate in writing to the undersigned within 07 days from the date of publication of this notice of his/her/their share or claim, if any, with all supporting documents at below mentioned address After expiration of notice penod. the claims, if any, of such person shall be treated null and void and also treated as waived and not binding on our client.

Ajay Kumar Giri, Advocate. 'H No. 26/161. Basement. Vikram Vihar, Lajpat Nagar 4. New Delhi 110024.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचना दी जाती है कि निम्नलिखित गाड़ी नंबर वाली कारें जो कि अपनी लाइफ पूरी कर चुकी हैं पेट्रोल कारें 15 साल, डीजल कारें 10 साल । पाइन व्यू टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा एम् सी डी ड्राइव में जब्त की गई थी और अभी तक किसी के द्वारा भी क्लेम नहीं की गयी है। इन सभी गाड़ी मालिकों को सूचित किया जाता है कि कंपनी के ऑफिस में आ कर गाड़ी की स्क्रैप वैल्यू क्लेम कर लें। अन्यथा ये सभी गाड़ियां अगले तीन दिन में स्क्रैप कर दी जाएंगी।

DL9SD9852,	DL4SW4797,	DL5SY1380,
UP20M5436,	DL7SAD8919,	DBJ4973,
UP15G9284,	DL6SAD1251,	DL4SAU9505,
DL9SR3725,	DL4SAL9850,	DL4SBN3923,
TR01F9466,	DL11S0370,	DL7SBE2808,
DL4SAN5314,	DL6SAA8311,	DL7SAF8538,
DL6SQ3690,	DL3SBM4121,	UP79A8013,
DL4SAM1046,	DDR6661,	DL4SAX8181,
DL6SAA0162,	DL6SM2296,	DL6SAB3727,
HR10H7517,	DL6SY9346,	DL4SND4755,
DL4SP1971,	DBV8018,	DL6SAB9949,
DL4SV4257,	DL6SQ6098,	DL3SAZ9703,
DL6SAD3230,	DL7SAK0887,	DL8SC9883,
UK17V2568,	DL2CAL6104,	DL4SND4508,
DL4SAN5859,	DL7CK2152,	DDK2381,
UP42L6293,	DL7CJ5517,	DL4SAZ9260,
DL2CAG0623,	RJ14CS4096,	DL3SC0574,
DL9CK7596,	DL4SBG4600,	DL9SN8715,
DL3CBL4455,	DL1YC5353,	DL4SNA2600,
DL2CAG9281,	DL6SR3510,	DL9SL2413,
HR51G8891,	1L2017120,	DL5SZ2844,
DL4CAM1073,	PB02AF8390,	DL8SAE5289,
DL6CB7992,	DL4SH7475,	DL4SAA6677,
DL3CAQ3023,	DL6SV4243,	DL4SBN3073,
DL7CJ2474,	DLW8376,	DL6SAB7809,
DL7CH5381,	DL6SQ8134,	DL8SAN9767,
UP23AT1236,	DL9SX0885,	DL9SX6405,
DL5CF2987,	UP16W1183,	DL6SV4058,
DL3CBA3255,	WB068811,	DL8SH4856,
DL1CK0010,	DL9SV8579,	DL6SS6588,
DL9SV6678,	DL9SV6628,	DL7SAF7197,
HR03F5770,	UP14V1505,	DL6SV3968,
3K95045947,	DL3SAW0545,	DL8SY5046,
DL1LF8383,	DL6SY8490,	DL6SY9973,
DL1SB7638,	DL6SK1862,	DL10S0230,
DL6SP7036,	DL6SP7552,	UP16BH9645,
DL6SAA9519,	DL4SND1234,	DL4SAZ7580,
DL1LS0208,	DL6SQ7682,	DL4SM0540,
UP14AH9548,	DL8CAF4194,	DL4SBJ4123,
HR51AX8945,	DL3CBH0544,	DL9CQS8314,
HR13B6650,	DL1LF3723,	DL4SAN9398,
DL4SBK3609,	4317022885,	DL8SM6099,
DL6SAD0235,	DL1LJ0990,	DL4SBC7403,
DL4SNC3664,	DL4SBE8067,	DL6SAA6590,
DL8SAR5176,	DL4SBD5086,	DL6SS5582,
DL6SAA3697,	DL9SS4830,	DL4SND2378,
JC44E0- 802606,	DL1SR9096,	DL3SAY5832,
	DL6SAC0810,	DL4SNB3366,
DL6SAD2942,	DL4SNC3853,	DL7SBB2455,
ME4JF213	DL8SAC2476,	DL9SX2259,
JA8100934,	DL6SAB9243,	DL4SAM8262,
DL6SAD5694,	DL7CF7382,	DL4SBK8093,
JC44E00- 69963,	UP17A1703,	DL6SQ3325,
	HP549493,	DL4SV7400,
DL10SR3966,	DL4SBB3269,	KA05K1508,
DL4SAG7566,	MH12DD5425,	DL3SBF2160,
DL7SAF6449,	DL6SAB7349,	DL3SX3739,
DL8SAN5958,	DL9SZ0637,	DL3SBM3122,
DL7CJ2196,	DL3SBM4064,	DL6ST9294,
HR05AB0063,	DL6SAD2468,	DL8SV3507,
DL3CBE2859,	DL6SX0599,	DL7SZ0211,
UP16CT4585,	DL3SBM1765,	DL4SND4887,
DL9CQ4481,	DL3SBN2913,	DL4SNA2269,
HR01P1263,	DL3SAE9596,	DL4SAW8286,
DL4SAK1050,	DL7SBE3775,	DL4SNC4749,
DL1CQ9666,	DL6SAA9049,	UP65AH5913,
HR13D4346,	MH12V4566,	DL2SH2632,
DL8SAR2766,	UK08L3989,	DL1CAC9707,
DL3SAW6877,	DL7SL7915,	DL8CQ4916,
DL7SAJ7839,	DL9SP3573,	UP16X0064,
DL4SNC3508,	DL3SAG5675,	DL4CAY3339,
DL6SL7633,	RJ14FS2424,	NOREG98,
DL8SAB4544,	DL6SAD1779,	DL6SQ4493,
DL7SN8766,	DL6SL9269,	DL4SAM8143,
DL6SZ9229,	DL8SAQ7429,	DL8SX2854,
DL4SBM2852,	DL6SAA9364,	DL5SH0319,
DL6SAB2338,	DL6ST8847,	DL1SR1370,
DL8SV3262,	DL1SL9876,	DL6SAB8912,
DL4SAG3309,	DL9SY3422,	DL4SM5045,
MALAA51HL	DL6SY7662,	PB38C2166,
AM505725,	AP36AL8210,	DL4SAK5683,
MCA11856	RJ273M9586,	DL1SR0909,
G07061545,	DL6SE3016,	DL4SR1606,
DL9CN7893,	DNU2621,	DL4SNC2040,
DL3CBF2830,	DL7SAH7076,	UP14CK6420,
DL13C1525,	DL8SAJ0135,	DL1SX1104,
DL6SAA6829,	DL6SF4171,	DL5SAT2011,
DL9SAA3797,	DL6SAD1031,	DL6SAA6143,

अयोध्या में शुरू हुआ सरयू महोत्सव

अयोध्या। भगवान श्री राम की नगरी अयोध्या मे बृहस्पतिवार को सरयू महोत्सव शुरू हुआ और इस दौरान बड़ी संख्या मे श्रद्धालु सरयू नदी में स्नान कर दर्शन-पूजन कर रहे है। जयष्ठ महीने की पूर्णिमा को सरयू का जन्मोत्सव मनाया जाता है उससे पहले आज से ही धार्मिक अनुष्ठानों का दौर शुरू हो जाएगा और पूजन तथा अर्चन का कार्य विशेष रूप से किया जाएगा। नित्य आरती के दरमियान भी मां सरयू के जन्मोत्सव को लेकर के विशेष आरती की जाएगी और इतना ही नही रामचरितमानस एवं रामायण के पाठो का परायण होगा तथा धूमधाम से सरयू का जन्मोत्सव 22 जून को जयष्ठ की पूर्णिमा के दिन मनाया जाएगा। श्रद्धालुओं ने सरयू महोत्सव मनाने के लिए घाटों पर पूजा-अर्चना की और अनुष्ठान किए। स्थानीय प्रशासन ने महोत्सव और इसमें शामिल होने वाले श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्था की है। स्थानीय पुजारी ओम प्रकाश पांडे ने पीटीआई-वीडियो को बताया, 22 जून को जयष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर सरयू जयंती मनाई जाएगी।

मिरे असेट इलेक्ट्रिक वाहन में ईटीएफ लाएगा

मुंबई। मिरे असेट इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स ;इंडियाद्ध प्राइवेट लिमिटेड ने इलेक्ट्रिक वाहनों ईवी और न्यू एज ऑटोमोटिव सेगमेंट पर आधारित भारत के पहले एक्सचेंज ट्रेडेड फंड के लॉन्च की घोषणा की है। मिरे असेट निफ्टी ईवी और न्यू एज ऑटोमोटिव ईटीएफ, निफ्टी ईवी और न्यू एज ऑटोमोटिव टोटल रिटर्न इंडेक्स की नकलध्ट्रैकिंग करने वाली एक ओपन एंडेड स्कीम है। इसका उद्देश्य निवेशकों को तेजी से बदलते और विकसित हो रहे ऑटोमोटिव सेक्टर और इसके पूरे वैल्यू की दिग्गज कंपनियों की इक्विटी में निवेश करके दीर्घकालिक पूंजी वृद्धि के अवसर प्रदान करना है। ये इंडेक्स विभिन्न क्षेत्रों और मार्केट कैप के इलेक्ट्रिक वाहनए हाइब्रिड वाहनए बैटरी मैन्युफैक्चरिंग आदि जैसे उभरते सेगमेंट की कंपनियों में निवेश करेगा। इसके साथ ही यह हाइड्रोजन फ्यूल सेल, स्वचालित वाहन आदि जैसे क्षेत्रों और भविष्य के संभावित बदलावों से जुड़ी कंपनियों में भी निवेश किया जाएगा।मिरे असेट निफ्टी ईवी और न्यू एज ऑटोमोटिव ईटीएफ का नया फंड ऑफर 24 जून 2024 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा

अलीगढ़ में तनाव बरकरार, पुलिस और जिला प्रशासन अलर्ट पर

अलीगढ़। अलीगढ़ के मामू-भांजा इलाके में चोरी के शक में युवक की कथित पिटाई से मौत के बाद पुराने शहर में तनाव की स्थिति बरकरार है और शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस व जिला प्रशासन अलर्ट पर हैं। इस बीच शहर के मुख्य मौलवी ने लोगों से शांति की अपील की है। मंगलवार रात मामू भांजा इलाके में भीड़ द्वारा फरीद (35) नामक व्यक्ति पर जानलेवा हमला करने के बाद पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है। इस घटना से इलाके में सांप्रदायिक तनाव फैल गया। अपर जिला मजिस्ट्रेट (एडीएम) अमित कुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि स्थिति शांतिपूर्ण और नियंत्रण में है। उन्होंने कहा, हम स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं और प्रभावित क्षेत्र में पर्याप्त पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई है।

सरकार, दूरसंचार कंपनियों के प्रयासों के बावजूद वाईफाई पहुंच की रफ्तार धीमी

नई दिल्ली।(भाषा) विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव अभय करंदीकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार और दूरसंचार परिचालकों के प्रयासों के बावजूद देश में वाईफाई पहुंच की रफ्तार धीमी है। विश्व वाईफाई दिवस पर ब्रॉडबैंड इंडिया फोरम (बीआईएफ) के कार्यक्रम में करंदीकर ने कहा कि प्रौद्योगिकी और स्पेक्ट्रम की उपलब्धता के बावजूद दूरसंचार बुनियादी ढांचे की कमी भारत में वाईफाई पहुंच की गति को रोक रही है। उन्होंने कहा, सस्ती कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए वाईफाई महत्वपूर्ण है। भारत में सरकार और परिचालक इस दिशा में प्रयास कर रहे हैं लेकिन उसके बावजूद हम अभी भी सार्वजनिक वाईफाई पहुंच के मामले में पीछे हैं। करंदीकर ने कहा कि 5जी, 6जी जैसी मोबाइल सेवाओं के उच्च फ्रीक्वेंसी बैंड पर जाने से इमारतों के अंदर नेटवर्क प्रदान करना मुश्किल हो रहा है जहां वाईफाई एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। दूरसंचार विभाग के आंकड़ों के अनुसार, सरकार की पीएम वाणी परियोजना के तहत लगभग दो लाख वाईफाई हॉटस्पॉट लगाए गए हैं। पीएम वाणी परियोजना का लक्ष्य देश में एक मजबूत डिजिटल संचार बुनियादी ढांचा तैयार करने के लिए सार्वजनिक वाईफाई हॉटस्पॉट के प्रसार को बढ़ाना है। करंदीकर ने कहा कि रेलटेल वाईफाई के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस मौके पर ब्रॉडबैंड इंडिया फोरम के अध्यक्ष टीवी रामचंद्रन ने कहा कि उद्योग के अनुमान के अनुसार प्रति कनेक्शन हर महीने औसत खपत 600-700 जीबी तक बढ़ सकती और इसके लिए वाईफाई जरूरी है।

अनचाही कॉल, एसएमएस पर लगाम के लिए दिशानिर्देशों का मसौदा जारी

नई दिल्ली। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को प्रचार-प्रसार संबंधी फोन कॉल और एसएमएस जैसे अनचाहे एवं अवांछित कारोबारी संचार पर लगाम लगाने से संबंधित दिशानिर्देशों के मसौदे पर 21 जुलाई तक टिप्पणियां आमंत्रित कीं। दूरसंचार सेवा प्रदाताओं और नियामकों सहित सभी हितधारकों के साथ परामर्श के बाद तैयार किए गए इन दिशानिर्देशों में व्यक्तिगत संचार को नहीं रखा गया है। इसमें कारोबारी संचार को प्रचार और सेवा संदेशों जैसी वस्तुओं या सेवाओं से संबंधित किसी भी संचार के रूप में परिभाषित किया गया है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ए दिशानिर्देश कारोबारी संचार से जुड़े सभी व्यक्तियों और संस्थाओं पर लागू होंगे। दिशानिर्देशों के मसौदे के मुताबिक, व्यक्ति की रजामंदी या पंजीकृत प्राथमिकताओं का ध्यान न रखने वाला कोई भी कारोबारी संचार अनचाहे और अवांछित के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इसके अलावा अपंजीकृत नंबर या एसएमएस हेडर का उपयोग करना, कॉल न आने का विकल्प चुनने के बावजूद कॉल करना, डिजिटल सहमति न लेना, कॉल करने वाले और उद्देश्य की पहचान न करना और सहमति बंद करने का विकल्प न देने जैसी स्थितियां भी अनचाही और अवांछित कारोबारी संचार की श्रेणी में रखी जाएंगी। इनमें ऐसे संचार पर भी रोक लगाने का प्रावधान है जो ग्राहक वरीयताओं के आधार पर वाणिज्यिक संदेशों पर दूरसंचार नियामक ट्राई के नियमों का उल्लंघन करते हैं। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के 2018 के नियम पंजीकृत टेलीमार्केटिंग कंपनियों के लिए डू नॉट डिस्टर्ब (डीएनडी) पर पंजीकरण असरदार रहा है, लेकिन 10-अंक वाले निजी नंबरों का उपयोग करने वाले अपंजीकृत मार्केटिंग कंपनियों से कॉल एवं संदेश आने जारी हैं।

वी नेटवर्क क्षमता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध

नोएडा। हाल ही में अपनी फॉलो अप पब्लिक ऑफरिंग के तहत सफलतापूर्वक 18000 करोड़ की राशि जुटाने के बाद जानेमाने दूरसंचार सेवा प्रदाता वी ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड राज्यों के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड वी के सबसे प्राथमिक बाज़ारों से एक हैं। वर्तमान में वी के पास दोनों राज्यों में व्यापक स्पैक्ट्रम है और इसका नेटवर्क यूपी और उत्तराखण्ड के 94 फीसदी हिस्से को कवर करता है। पिछले 3 सालों में वी ने इन राज्यों में नेटवर्क के सुधार के लिए रु 3000 करोड़ से अधिक का निवेश किया है। उपभोक्ताओं को सुगम सेवाएं प्रदान करने और 5 जी रैडी बनाने के लिए कोर नेटवर्क को अपग्रेड किया है तथा इंडोर वॉइस के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए वोल्टे आर्कीटेक्चर को सशक्त बनाया है और वीओवाईफाई को रोलआउट किया है। अनुभव और भी बेहतर हो जाएगा। अभिजीत किशोर सीओओए वोडाफोन आइडिया ने यह जानकारी दी।

कार्यालय नगर पंचायत अग्रवाल मण्डी टटीरी (बागपत)

पत्रांक 172/ न0पं0अ0म0 / 2024-2025 — दिनाक 30.06.2024

कुटेशन सूचना

नगर पंचायत अग्रवाल मण्डी टटीरी द्वारा समस्त ठेकेदारों/फर्मो/जनसामान्य को सूचित किया जाता है, कि नगर पंचायत अग्रवाल मण्डी टटीरी में राज्य वित्त आयोग /टाउन फण्ड् की धनराशि अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में निम्नलिखित कार्य कराये जाने हैं। जिसमें दिनांक 28.06.2024 को समय- 03.00 बजे तक कुटेशन शर्तों के आधार पर आमन्त्रित की जाती है। अभिलेख एवं शर्त कार्यालय नगर पंचायत में दिनांक 20.06.2024 से दिनांक 27.06.2024 तक दोपहर 12.00 बजे तक प्राप्ति हेतु उपलब्ध रहेगें। सभी कुटेशन दिनांक 28.06.2024 को दोपहर 03.00 बजे तक अपनी कुटेशन दर//दरें डाल सकते है। कुटेशन जाने की दिनांक को अवकाश हो तो कुटेशन अगले कार्य दिवस को खोली जायेगीं। बिना कारण बताये किसी भी कुटेशन को स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित है। नियम व शर्ते किसी भी कार्य दिवस में आकर कार्यालय में देख सकते है। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार है-

क्र.स.	कार्यो का विवरण	आगणन धनराशि
1	अस्थायी गौशाला में टीन शैड का कार्य	-
2	सभी शौचालयों की मरम्मत का कार्य	-
3	सभी शौचालयों हेतु सामान क्रय का कार्य	-
4	कस्बे में त्योहारों पर मन्दिरों/ मस्जिदों आदि स्थानों पर डालने हेतु कली चूना क्रय का कार्य	-
5	कस्बे में समस्त वाटर कूलरो की रिपेरिंग का कार्य	-
6	नगर पंचायत के समस्त वाहनों की सर्विस एवं सफाई उपकरणों की टूटफूट की मरम्मत का कार्य	-
7	कार्यात्रय हेतु स्टेशनरी क्रय करने का कार्य	-
8	कस्बे में लगी एल0ई0डी0 स्क्रीन को किराये पर देने का कार्य	-

(वीरज-कुमार त्रिपाठी)
अधिकारी
नगर पचांयत अग्रवाल मण्डी
टटीरी (बागपत)

(सपना)
अध्यक्ष
नगर पचांयत अग्रवाल मण्डी
टटीरी (बागपत)

कार्यालय ग्राम पंचायत-समामई रूहल विकास खण्ड सासनी जनपद हाथरस

पत्रांक मी.मो/गाम पंचायत/ मनरेगा /वित्त आयोग मद /टेन्डर/2024-25 दिनांक -19-06-2024

अति अल्पकालीन निविदा

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मनरेगा / पंचम राज्य वित्त आयोग /15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग व एस0एल0डब्ल्यू के अन्तर्गत वर्ष 2024-25 मे उपलब्ध धनराशि से कराये जाने वाले निम्नांकित कार्यो हेतु उनके सम्मुख अंकित विवरणनुसार सामग्री की कार्य स्थल पर आपूर्ति हेतु महुर बन्द निविदायें दिनांक 26-06-2024 को दिन के 3:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो इसी दिन सायं 3:30 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय अधोहस्ताक्षरी अथवा उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा खाली जायेगी। यदि उक्त निविदा प्राप्त करने एवं खोलने के दिन को राजकीय अवकाश घोषित होता है तो निविदा प्राप्त एवं खोलने की तिथ अगला कार्य दिवस होगा। निविदा खोलने के स्थल समय एवं वैधता मे काई परिवर्तन नही होगा निविदा की वैधता मूल तिथि से मानी जायेगी। निविदा की शर्त निम्नवत निर्धारित की जाती है।

1- निविदा प्रपत्र कार्यालय ग्राम पंचायत समामई रूहल से कार्यालय दिवस एवं समय में दिनांक 26-06-2024 तक निविदा मूल्य देकर प्राप्त किये जा सकते है।
2- निविदा प्रपत्र के साथ 2 प्रतिशत की धरोहर राशि की एफ0डी0आर0 नगद अधोहस्ताक्षरी के पक्ष में बन्धक होगी जमा करनी होगी।
3- निविदा सशर्त अथवा निर्धारित समय के बाद प्रस्तुत निविदायें मान्य नहीं होगी तथा किसी भी निविदा को बिना कारण बताये स्वीकृत/अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।
4- निविदा दरो की वैधता तीन माह अधिकतम होगी। इसके लिये निविदा प्रपत्र के साथ एक सौ रूपये का नॉन जुडीशियल स्टाम्प पर एक सौ रूपये का रिवेन्यू टिकट के साथ होना अनिवार्य है।
5-अनुबन्ध के समय धरोहर राशि को सम्मलित करते हुए 2 प्रतिशत जमानत धनराशि नगद जमा करनी होगी तथा कुल जमानत राशि पर नियमानुसार स्टाम्प ड्यूटी देनी होगी।
6-बिलों के भुगतान में नियमानुसार आयकर वैट एवं रॉयल्टी आदि की कटौती की जायेगी।
7-सामग्री की आपूर्ति उच्च गुणवत्ता की होनी चाहिये।
8- कोई भी निविदादाता जो राज्य विधि बार कौसिल में पंजीकृत हो निविदा देने से प्रतिबंधित होगे।

क्रम संख्या	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (सामग्री) रू. में	धरोहर धनराशि रू. में	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य की अवधि माह में
1	भगवान सिहं के प्लाट से निजामुद्दीन के प्लाट तक इ0ला0 व नाली निर्माण कार्य।	234777-00	4696	250+GST	6 माह
2	चांद बाबू के घर से राकेश पंच के घर तक इ0ला0 व नाली निर्माण कार्य।	347418-00	6949	250+GST	6 माह
3	जहीर खान के घर से धर्मेन्द्र के घर तक इ0ला0 व नाली निर्माण कार्य।	394491-00	7890	250+GST	6 माह
4	सोनू की दुकान से ओम प्रकाश हलवाई के घर तक इ0ला0 व नाली निर्माण कार्य।	395549-00	7911	250+GST	6 माह
5	अनिल के घर से शरीफ खान के घर तक इ0ला0 व नाली निर्माण कार्य।	407160-00	8144	250+GST	6 माह
6	सईद खान के घर से महेश उपाध्याय के घर तक इ0ला0 नाली निर्माण कार्य।	162469-00	3250	250+GST	6 माह
7	सुरेद्र के घर से वीरपाल के घर तक यू टाईप नाली निर्माण कार्य।	123047-00	2461	250+GST	6 माह
8	नगला लुडडी में बाबा मंदिर से भगवान सिंह के घर तक यू टाईप नाली निर्माण ।	123047-00	2461	250+GST	6 माह
9	राजकुमार के घर से ग्राम सभा की आबादी तक यू टाईप नाली निर्माण कार्य।	363839-00	7277	250+GST	6 माह
10	रामचन्द्र के घर से कलेक्टर के घर तक यू टाईप नाली निर्माण कार्य।	100035-00	2000	250+GST	6 माह
11	सईद बाबा से राम बाबू के घर तक यू टाईप नाली निर्माण कार्य ।	157564-00	3152	250+GST	6 माह

अध्यक्ष/प्रधान
ग्राम पंचायत समामई रूहल

सचिव
ग्राम विकास अधिकारी वि. खण्ड-सासनी
जनपद-हाथरस

रूस व उ. कोरिया के बीच समझौते से भड़का द.कोरिया

● यूक्रेन को (हथियारों की) आपूर्ति को सीमित करने की अपनी नीति पर पुनर्विचार करेगा

भाषा। सियोल,

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय ने रूस और उत्तर कोरिया के बीच हुए उस समझौते की कड़ी निंदा की जिसमें युद्ध की स्थिति में आपसी रक्षा सहयोग की बात कही गई है। इसके साथ ही राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि वह यूक्रेन को (हथियारों की) आपूर्ति को सीमित करने की अपनी नीति पर पुनर्विचार करेगा। राष्ट्रपति कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह टिप्पणी की। इससे पहले राष्ट्रपति कार्यालय ने बुधवार को प्योंगयांग में अपने शिखर सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एवं उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के बीच हुए समझौते की निंदा करते हुए, एक बयान जारी किया। उत्तर कोरिया की आधिकारिक समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने बृहस्पतिवार को अपनी एक खबर में देश के नेता किम जोंग उन और रूस के राष्ट्रपति पुतिन के बीच प्योंगयांग में बुधवार को हुए व्यापक रणनीतिक साझेदारी समझौते की जानकारी दी। खबर में कहा गया है कि समझौते के अनुच्छेद चार के अनुसार अगर दोनों में से किसी भी देश पर हमला होता है या फिर युद्ध की स्थिति पैदा होती है तो दूसरे देश को बिना किसी विलंब के सैन्य एवं अन्य सभी प्रकार की सहायता प्रदान करनी होगी। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय ने अपने बयान में कहा कि यह समझौता दक्षिण कोरिया की सुरक्षा के लिए खतरा और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन है।

दक्षिण-पूर्व एशिया से संबंधों को मजबूत करने के प्रयास में वियतनाम पहुंचे रूस के राष्ट्रपति पुतिन

हनोई। यूक्रेन में सैन्य कार्रवाई के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़ चुके रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अपने बरसों पुराने साझेदार वियतनाम के साथ संबंधों को और मजबूत करने के लिए बृहस्पतिवार को यहां राजकीय दौरे पर पहुंचे। पुतिन के यहां पहुंचने पर उनका स्वागत गणमान्य व्यक्तियों ने किया। पुतिन के स्वागत में सफेद पोशाक पहने सैनिक सावधान मुद्रा में खड़े हुए दिखाई दिए। पुतिन उत्तर कोरिया से यहां पहुंचे। पुतिन और उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत युद्ध की स्थिति में दोनों देशों ने एक-दूसरे की बिना किसी विलंब के सहायता का संकल्प लिया है। इस समझौते को शीत युद्ध की समाप्ति की बाद से मास्को और प्योंगयांग के बीच सबसे ज्यादा प्रभावी समझौता माना जा रहा है। दोनों ही देश पश्चिमी देशों के साथ बढ़ते गतिरोध का सामना कर रहे हैं। हनोई में रूसी नेता वियतनाम के सबसे शक्तिशाली राजनेता और कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव गुयेन फू ट्रोंग, नए राष्ट्रपति टो लैम और अन्य अधिकारियों से मिलेंगे। देश में अमेरिकी दूतावास ने पुतिन की इस यात्रा की तीखी आलोचना की है।

रूस ने यूक्रेन के पावर ग्रिड पर फिर हमला किया

कीव। रूस ने यूक्रेन के पावर ग्रिड पर हवाई हमले फिर से शुरू कर दिए है जबकि कीव की सेना ने सीमा पार ड्रोन से हमला कर एक बार फिर रूसी तेल सुविधाओं को निशाना बनाया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। लगभग 1,000 किलोमीटर की सीमा पर कोई बड़ा परिवर्तन नहीं होने की सूचना के साथ युद्ध में दोनों पक्षों ने दूर स्थित बुनियादी ढांचा संबंधी लक्ष्यों को निशाना बनाया है। तीन महीने पहले हमलों में तेजी लाने वाले रूस ने यूक्रेन के ऊर्जा संयंत्रों को निशाना बनाकर रातों बड़ा हमला किया। यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि रूस ने मध्य और पूर्वी यूक्रेन में ऊर्जा सुविधाओं और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर नौ मिसाइलें और 27 शाहिद ड्रोन दागे। इसमें कहा गया कि वायु रक्षा प्रणाली ने सभी ड्रोन और पांच क्रूज मिसाइलों को नष्ट कर दिया।

भारत व अमेरिका अंतरिक्ष में सहयोग बढ़ाएंगे

● आईएसएस में भारतीय यात्री को मिलेगा प्रशिक्षण

भाषा। वाशिंगटन

नासा प्रशासक बिल नेल्सन ने कहा है कि अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी भारत के साथ सहयोग बढ़ाएगी तथा अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर संयुक्त प्रयास करेगी जिसमें एक भारतीय यात्री को भी शामिल किया जाएगा। नेल्सन का बयान अमेरिका और भारत द्वारा एक तथ्यपत्र जारी किए जाने के बाद आया है। इस तथ्यपत्र में कहा गया है कि दोनों देश अमेरिका में इसरो के अंतरिक्षयात्रियों के लिए आधुनिक प्रशिक्षण शुरू करने की दिशा में काम कर रहे हैं। यह तथ्यपत्र जारी किए जाने से पहले सोमवार को अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन और (भारतीय) राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के बीच आईसीईटी (महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकी पर भारत-अमेरिका की पहल) वार्ता हुई थी। नेल्सन ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, पिछले साल की मेरी भारत यात्रा के बाद आगे बढ़ते हुए नासा मानवता के फायदे के लिए महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकी पर अमेरिका एवं भारत की पहल को बढ़ाती रहेगी। साथ मिलकर हम अंतरिक्ष में दोनों देशों के सहयोग का विस्तार कर रहे हैं तथा अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर संयुक्त प्रयास में इसरो के एक अंतरिक्ष यात्री को शामिल करेंगे। नेल्सन ने कहा, इस मिशन की बारीकियां अभी तय की जा रही हैं लेकिन इन प्रयासों से भविष्य में अंतरिक्ष यात्रा में मदद मिलेगी तथा यहां धरती पर जीवन में सुधार आएगा। सुलिवन और डोभाल ने सोमवार को नई दिल्ली में कहा कि अंतरिक्ष में परस्पर सहयोग को गहरा बनाने के लिए उन्होंने रणनीतिक मानव अंतरिक्ष उड़ान सहयोग रूपरेखा तय कर ली है और वे नासा जॉनसन स्पेश सेंटर में इसरो अंतरिक्षयात्रियों का प्रशिक्षण शुरू करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

Karnataka Bank Ltd. 100
Your Family Bank. Across India.
प्लॉट नं.13, साई मंदिर के पास, मेन रोड, सविता विहार दिल्ली-110092
सीआईएन : L85110KA1924PLC001128 वेबसाइट: https://karnatakabank.com
लॉकर संचालन के संबंध में सूचना
एतद्द्वारा उन लॉकर्स को तोड़ने के लिए नोटिस प्रकाशित किया जा रहा है जिनके लिए लॉकर धारकों द्वारा लगातार तीन वर्ष या उससे अधिक समय से वार्षिक किराए का भुगतान नहीं किया गया है। संबंधित लॉकर किराएदारों को भेजी गई सूचना बिना तामील के वापस आ गई है। लॉकर किराएदारों/अन्य इच्छुक पक्षों को सूचित किया जाता है कि यदि वे इस सूचना की तिथि से 7 दिनों के भीतर शाखा में जाकर लॉकर व्यवस्था को नियमित करने में विफल रहते हैं, तो बैंक लॉकर किराएदारों की लागत और व्यय पर, जैसा कि बैंक उचित समझे, लॉकर खोलने और आवश्यक आगे की कार्रवाई करने के लिए बाध्य होगा। ऐसे लॉकरों की सूची नीचे दी गई है:-

क्र.सं.	लॉकर धारक	लॉकर नं.
1.	कुलजीत कौर / गुरप्रीत सिंह	128
2.	सुमन भाटिया / नीरज भाटिया	152
3.	अंकुर अग्रवाल / सुधा रानी	175
4.	जसमीत कौर / परविंदर सिंह गुलाटी	283
5.	एच के वर्मा / किरणवती	312
6.	सरिता आनंद / श्वेता आनंद	447
7.	हरप्रीत बग्गा / जी एस बग्गा	405

स्थान: दिल्ली
दिनांक: 21/06/2024
शाखा प्रमुख, कर्नाटक बैंक लिमिटेड सरिता विहार शाखा
मो. 9654995408, ईमेल: 544@ktkbank.com

हैती में सशस्त्र गिरोहों के कारण हिंसा बढ़ने से लगभग 5,80,000 लोग विस्थापित : संरा रिपोर्ट

पोर्ट ऑ प्रिंस। कैरेबियाई देश हैती में सशस्त्र गिरोहो के साथ टकराव के कारण मार्च से हिंसा बढ़ी है, जिसके चलते लगभग 5,80,000 लोग विस्थापित हुए है। संयुक्त राष्ट्र प्रवासन एजेंसी की एक नई रिपोर्ट मे यह जानकारी दी गई। लाखो की संख्या मे विस्थापित हुए लोगों का यह आंकड़ा चिंताजनक है, जो कैरेबियाई राष्ट्र के संकट की गंभीरता को दर्शाता है। हैती में लंबे समय से अशांति रही है, लेकिन फरवरी के अंत मे सशस्त्र गिरोहो ने कई बड़े हमले किए है। बंदूकधारियों ने पुलिस स्टेशनों पर कब्जा कर लिया, मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गोलीबारी की और हैती की दो सबसे बड़ी जेलो पर भी हमला किया। गोलीबारी के कारण हवाई अड्डा लगभग तीन महीने तक बंद रहा। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन द्वारा मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट मे बताया गया कि हैती की राजधानी पोर्ट ऑ प्रिंस से लगभग पांच लाख से अधिक लोगो ने अन्य प्रांतो की ओर पलायन किया है। आजीविका चलाने के लिए पर्याप्त संसाधन न होने के चलते ए लोग विस्थापित हुए है। एजेंसी ने बताया कि हैती मे मार्च के महीने मे 3,62,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए है। कैरेबियाई देश मे हिंसा और बढ़ने से विस्थापितो की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है।

केबीसी ग्लोबल ईस्ट अफ्रीका में करेगा काम

ग्लोबल। कंस्ट्रक्शन और रियल एस्टेट डेवलपमेन्ट सेक्टर की जानीमानी कंपनी केबीसी ग्लोबल लिमिटेड (जो इससे पहले कार्डा कंस्ट्रक्शन लिमिटेड के नाम से जानी जाती थी) ने सीआरजेई (ईस्ट अफ्रीका) लिमिटेड की ओर से 20 मिलियन यूएस डॉलर का महत्वपूर्ण सब कॉन्ट्रैक्ट प्राप्त किया है। सीआरजेई पूरे अफ्रीका में रेलवे और फाइव-स्टार होटेल्स बनाने वाली आधुनिक कंपनी है। यह महत्वपूर्ण कॉन्ट्रैक्ट सॉफ्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर के सिविल इंजिनियरिंग सेगमेंट पर ध्यान देता है और केबीसी ग्लोबल के लिए बडी उपलब्धि दिखाता है. यह कॉन्ट्रैक्ट केबीसी ग्लोबल की पूर्ण स्वामित्व वाली केन्याई सहायक कंपनी, कार्डा इंटरनेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के माध्यम से सुरक्षित किया गया था, जो अफ्रीकी बाजार में कंपनी के विस्तार को रेखांकित करता है। यह कॉन्ट्रैक्ट अंतरराष्ट्रीय इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में केबीसी ग्लोबल की बढ़ती क्षमताओं और प्रतिष्ठा पर प्रकाश डालता है। यह परियोजना अफ्रीका के इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में योगदान देने की कंपनी की प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है, जो अफ्रीका महाद्वीप के विकास में एक प्रमुख कंपनी बनने की दिशा में उसका पहला बड़ा कदम है। इस उपलब्धि के साथ, केबीसी ग्लोबल क्षेत्र के महत्वाकांक्षी विकास और विकास लक्ष्यों के साथ संरेखित करते हुए, पूर्वी अफ्रीका के इंफ्रास्ट्रक्चर के परिदृश्य में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार है।

जयशंकर ने श्रीलंका के शीर्ष नेतृत्व से वार्ता की

● समुद्री बचाव समन्वय केन्द्र की औपचारिक शुरुआत की

भाषा। कोलंबो

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे सहित देश के शीर्ष नेतृत्व के साथ बातचीत की तथा राष्ट्रपति के साथ भारत से 60 लाख अमरीकी डॉलर के अनुदान से निर्मित समुद्री बचाव समन्वय केंद्र का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। जयशंकर ने प्रधानमंत्री दिनेश गुणवर्धने से भी मुलाकात की और विकास एवं संपर्क पहल के माध्यम से भारत के मजबूत समर्थन को दोहराया। जयशंकर सुबह श्रीलंका पहुंचे और उन्होंने राष्ट्रपति भवन में विक्रमसिंघे से मुलाकात की। जयशंकर ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं दीं और बिजली, ऊर्जा, संपर्क, बंदरगाह बुनियादी ढांचे, विमानन, डिजिटल, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, शिक्षा और पर्यटन क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से मुलाकात करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं। उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं दीं। विभिन्न द्विपक्षीय परियोजनाओं और पहलों पर हुई प्रगति की सराहना की। जयशंकर ने पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के मार्गदर्शन में भारत-श्रीलंका के बीच सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की गई, विशेष रूप से बिजली, ऊर्जा, सम्पर्क, बंदरगाह बुनियादी ढांचे, विमानन, डिजिटल, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, शिक्षा और पर्यटन क्षेत्रों में। हमारे पारंपरिक रूप से घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंधों के निरंतर विकास के लिए काम करने के लिए प्रतिबद्ध। राष्ट्रपति विक्रमसिंघे और जयशंकर ने श्रीलंका में समुद्री बचाव समन्वय केंद्र (एमआरसीसी) की पट्टिका का डिजिटल माध्यम से अनावरण किया और औपचारिक तौर पर केन्द्र की शुरुआत की। इसमें कोलंबो स्थित नौसेना मुख्यालय में एक केंद्र, हंबनटोटा में एक उप-केंद्र तथा गैले, अरुगम्बे, बट्टिकलोवा, त्रिंकोमाली, कल्लारावा, प्वाइंट पेड्रो और मोलिकुलम में मानवरहित प्रतिष्ठान शामिल हैं।

वार्ता के लिए दलाई लामा को अपने राजनीतिक प्रस्तावों में सुधार करना चाहिए : चीन

भाषा। बीजिंग

चीन ने बृहस्पतिवार को तिब्बतियों के धर्मगुरु दलाई लामा से कहा कि वह वार्ता के लिए अपने राजनीतिक प्रस्तावों पर विचार करते हुए उन्हें पूरी तरह से दुरुस्त करें। इसके साथ ही उसने अमेरिका से कहा कि वह तिब्बत से जुड़े मुद्दों के प्रति संवेदनशीलता का सम्मान करे, क्योंकि वाशिंगटन एक सख्त तिब्बत नीति कानून पारित करने वाला है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि 14वें दलाई लामा के साथ केंद्र सरकार के संपर्क और संवाद के बारे में चीन की नीति सुसंगत और स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि मुख्य बात यह है कि 14वें दलाई लामा को अपने राजनीतिक प्रस्तावों पर गहनता से विचार करना चाहिए और उन्हें पूरी तरह से दुरुस्त करना चाहिए। चीन ने अमेरिकी कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल की धर्मशाला यात्रा और दलाई लामा (88) के साथ उनकी बैठक पर करीबी नजर रखी। प्रतिनिधिमंडल की यात्रा ऐसे समय में हुई जब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन सीनेट और प्रतिनिधि सभा दोनों द्वारा पारित तिब्बत नीति विधेयक पर हस्ताक्षर करने वाले थे। बाइडन के हस्ताक्षर के बाद विधेयक कानून बन जाएगा। यह विधेयक तिब्बत पर अपने नियंत्रण के बारे में चीन के विमर्श का मुकाबला करने और चीनी सरकार एवं दलाई लामा के बीच संवाद को बढ़ावा देने पर जोर देता है, जो 1959 में हिमालई क्षेत्र से भागने के बाद से भारत में रहते हैं।

वाशिंगटन में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के एक कार्यक्रम में लोगों ने हिस्सा लिया

वाशिंगटन। अमेरिका के वाशिंगटन में बुधवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से जुड़े एक कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में योग प्रेमियों ने हिस्सा लिया। अमेरिका में भारत की उपराजदूत श्रीप्रिया रंगनाथन ने कार्यक्रम को संबोधित किया। पोटोमैक नदी के किनारे खूबसूरत घाट पर बुधवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना और भारतीय शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुति के साथ हुई। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हर वर्ष 21 जून को मनाया जाता है और इस वर्ष इसका शीर्षक स्वयं और समाज के लिए योग है। रंगनाथन ने कार्यक्रम में कहा कि योग समाज के उज्ज्वल भविष्य के लिए सद्भाव और संतुलन बनाने का मार्ग प्रशस्त करता है। योग की सार्वभौमिक रुचि को मान्यता देते हुए 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र (संरा) ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया।

पैदल चलने से पीठ के निचले हिस्से के दर्द से मिलेगी निजात

भाषा। सिडनी

क्या आप पीठ के निचले हिस्से में दर्द से पीड़ित हैं जो बार-बार उठता रहता है? यदि आपके साथ ऐसा हो रहा है, तो आप अकेले नहीं हैं। लगभग 70ज लोग जो पीठ के निचले हिस्से में दर्द से उबर गए हैं, उन्हें अगले वर्ष एक बार फिर उसी दर्द का अनुभव होगा।पीठ के निचले हिस्से में दर्द की आवर्ती व्यक्तियों और स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली पर भारी बोझ में एक प्रमुख योगदानकर्ता है। द लांसेट में आज प्रकाशित हमारे नए अध्ययन में, हमने पाया कि चलने और शिक्षा के संयोजन से तैयार एक कार्यक्रम पीठ के निचले हिस्से में दर्द की पुनरावृत्ति को प्रभावी ढंग से कम कर सकता है। वॉकबैक परीक्षण-हमने बेतरतीब ढंग से 701 वयस्कों को चुना, जो हाल ही में पीठ के निचले हिस्से में दर्द की एक घटना से उबर गए थे, इन्हें व्यक्तिगत रूप से चलने और शिक्षा का कार्यक्रम दिया गया, जबकि दूसरा समूह बिना उपचार वाला था, जिसे नियंत्रण समूह कहा जाता है। हस्तक्षेप समूह में प्रतिभागियों को छह महीने की अवधि में छह सत्रों में फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा मार्गदर्शन किया गया था। पहले, तीसरे और पांचवें सत्र में, फिजियोथेरेपिस्ट ने प्रत्एक प्रतिभागी को एक व्यक्तिगत और प्रगतिशील चलने का कार्यक्रम विकसित करने में मदद की जो यथार्थवादी था और उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं के अनुरूप था। शेष सत्र प्रगति की निगरानी करने और चलने के कार्यक्रम के साथ जुड़ाव में किसी भी संभावित बाधा का निवारण करने के लिए संक्षिप्त चेक-इन (आमतौर पर 15 मिनट से कम) थे। कोविड महामारी के कारण, अधिकांश प्रतिभागियों को वीडियो परामर्श और फोन कॉल का उपयोग करके टेलीहेल्थ के माध्यम से संपूर्ण कार्यक्रम प्राप्त हुआ।

तेज गर्मी में बालों की सुरक्षा जरूरी

गर्मियों के मौसम में तापमान बढ़ने के साथ कड़ी धूप और प्रदूषण से अपने बालों की सुरक्षा करना बहुत मुश्किल हो जाता है। गर्मी के कारण स्कैल्प से पसीना आता है, जो आपके स्कैल्प पर नैचुरल ऑयल्स से मिल जाता है और उसे ग्रीज़ी, ओडोरस एवं इची बनाते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिये कि गर्मियों के मौसम में आपके बाल अच्छी तरह से सुरक्षित रहेंए आपको एक अनुशासित हेयर केयर रूटीन अपनाने की जरूरत है। मैरिको लिमिटेड में चीफरिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑफिसर डॉ. शिल्पा वोरा ने कहा कि बालों की नियमित रूप से तेल से मालिश करना जरूरी है और इसके साथ यह भी जरूरी है कि आप सही हेयर ऑयल का चुनाव करें। हालांकि, एक लाइटए नॉन.स्टिकी हेयर ऑयल अद्भुत असर दिखा सकता हैए लेकिन यदि आप पोषण एवं खूबसूरत बाल चाहती हैं तो पैराशूट ऐडवांस्ड गोल्ड हेयर ऑयल को चुन सकती हैं। इसमें नारियल की खूबियां है, जिसमें बालों के भीतर 10 लेयर्स तक जाने की अनूठी क्षमता होती है। हफ्ते में 1 से 2 बार बालों में नियमित तौर पर तेल लगाने की आदत डालें। स्कैल्प पर तेल लगाने से शुरूआत करें और सर्कुलेशन में मसाज करें। बालों में जड़ से सिरे तक तेल लगायें और उन्हें अच?छी तरह से पोषण देने के लिये उन्हें 30 मिनट तक छोड़ दें। इससे हेयर फॉलिकल्स में ब्लड फ्लो;खून के प्रवाह को बेहतर बनाने में मदद मिलती है जिससे हेयर ग्रोथ अच्छी होती है।

इंडियन ओवरसीज बैंक
सेक्टर 46 (1836) फरीदाबाद शाखा
एसीओएफ 63, हुडा मेन मार्केट, सेक्टर-46, फरीदाबाद, हरियाणा -121010

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 (सरफेसी अधिनियम) की धारा 13(2) के अंतर्गत प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 (नियम) के नियम 3(1) के साथ पठित

1. चूंकि अधोहस्ताक्षरी सरफेसी अधिनियम के तहत इंडियन ओवरसीज बैंक के प्राधिकृत अधिकारी हैं और धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नियम 3 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के तहत डिमांड नोटिस जारी किया है, जिसमें नीचे सूचीबद्ध उधारकर्ताओं/बंधककर्ताओं/गारंटरों (जिन्हें आगे "उक्त उधारकर्ता" के रूप में संदर्भित किया गया है) से नोटिस में उल्लिखित राशि को नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर, नीचे दिए गए विवरण के अनुसार चुकाने के लिए कहा गया है।
2. उक्त नोटिस डाक अधिकारियों द्वारा बिना वितरित किए वापस कर दिए गए हैं / उधारकर्ताओं/बंधककर्ताओं/गारंटरों द्वारा विधिवत रूप से स्वीकार नहीं किए गए हैं। "इसलिए बैंक अत्यधिक सावधानी बरतते हुए मांग नोटिस का प्रकाशन कर रहा है। अतः नीचे हस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम के अनुसार उक्त उधारकर्ताओं/बंधककर्ताओं/गारंटरों के अंतिम ज्ञात पतों के परिसर में इन नोटिसों को चिपकाया है। उक्त नोटिस की प्रतियां नीचे हस्ताक्षरकर्ता के पास उपलब्ध हैं और उक्त उधारकर्ताओं/बंधककर्ताओं/गारंटरों यदि चाहें तो किसी भी कार्य दिवस पर सामान्य कार्यालय समय के दौरान नीचे हस्ताक्षरकर्ता से उक्त प्रतियां प्राप्त कर सकते हैं।
3. उपर्युक्त पृष्ठभूमि के विरुद्ध, एक बार फिर उक्त उधारकर्ताओं/बंधककर्ताओं/गारंटरों को इस नोटिस के प्रकाशन की तिथि से 60 दिनों के भीतर इंडियन ओवरसीज बैंक को ऋण और अन्य दस्तावेजों के तहत नीचे दी गई/देय राशि का भुगतान करने के लिए नोटिस दिया जाता है। ऋण की उचित चुकौती के लिए सुरक्षा के रूप में, संबंधित पक्षों द्वारा निम्नलिखित परिसंपत्तियों को इंडियन ओवरसीज बैंक के पास नीचे दिए अनुसार गिरवी रखा गया है।

क्र. सं.	उधारकर्ताओं/बंधककर्ताओं/गारंटरों का नाम एवं पता	सुरक्षित आस्तियो का विवरण
1.	मैसर्स ओएसएम प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, (कर्जदार), ओएसएम हाउस प्लॉट नं. 53 सेक्टर-59 प्रगति विहार, फरीदाबाद, हरियाणा-121004	(1) कंपनी मैसर्स ओएसएम प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड की सभी वर्तमान और भविष्य की चालू आस्तियों पर प्रथम प्रभार, जिसमें सभी स्टॉक और बुक डेब्ट शामिल हैं (2) औद्योगिक भूमि और भवन जोकि गाँव कोट, हथीन, पलवल में स्थित यह सम्पत्ति मैसर्स ओएसएम प्रोजेक्ट्स प्रा. लि. के नाम पर है, टाइटल डीड के अनुसार संपत्ति का क्षेत्रफल-7 एकड़ 1 कनाल 1 मरला (3) प्लॉट नं. 53 प्रगति विहार-सेक्टर 59 औद्योगिक एस्टेट फरीदाबाद में कार्यालय, यह सम्पत्ति मैसर्स ओएसएम प्रोजेक्ट्स प्रा. लि. के नाम पर है। टाइटल डीड के अनुसार संपत्ति का क्षेत्रफल-285.86 वर्ग गज
2.	श्री लोकेश शर्मा पुत्र श्री केदारनाथ शर्मा (निदेशक), (1) पता: 1/966 शिव कॉलोनी ओल्ड फरीदाबाद, हरियाणा 121002 (2) पता: मकान नं. 212, वार्ड नं. 7, बराही पारा ओल्ड फरीदाबाद, खेरीकलां (113), फरीदाबाद हरियाणा 121002	लागू नहीं
3.	श्री सुरेन्द्र शर्मा पुत्र श्री रमेश चंद शर्मा (निदेशक, गारंटर और बंधककर्ता), पता: फ्लैट नं. 602, टावर रियाल्टो, ब्लॉक नं. 8, ओमेक्स हाइट्स, सेक्टर 86, फरीदाबाद-121001	1. विस्तारित बंधक रिहायशी सम्पत्ति जोकि प्लॉट नं. 1487 पी, सेक्टर 14, अर्बन एस्टेट, फरीदाबाद, हरियाणा 121007 में स्थित, यह सम्पत्ति श्री सुरेन्द्र शर्मा और श्रीमती सुमन शर्मा के नाम पर है। टाइटल विलेख के अनुसार संपत्ति का क्षेत्रफल-600 वर्ग गज (यह संपत्ति श्री सुरेन्द्र शर्मा और श्रीमती सुमन शर्मा के नाम पर लिए गए आवास ऋण और संपत्ति के विरुद्ध ऋण सुविधाओं के लिए सामान्य सुरक्षा है और इन ऋणों का कुल बकाया रुपये 2,03,30,231.30 (रु. दो करोड़ तीन लाख तीस हजार दो सौ इकतीस और तीस पैसे मात्र) दिनांक 17.05.2024 तक) 2. आवासीय संपत्ति-फ्लैट नं. 602, छठी मंजिल, रियाल्टो टॉवर, ब्लॉक सं. 8, ओमेक्स हाइट्स, सेक्टर-86, फरीदाबाद, यह सम्पत्ति श्री सुरेन्द्र शर्मा पुत्र श्री रमेश चंद शर्मा के नाम पर है। टाईटल विलेख के अनुसार संपत्ति का क्षेत्रफल-145.11 वर्ग मी. 3. आवासीय प्लॉट सं. 550-ए, ओमेक्स सिटी, सेक्टर 11-14 पलवल, यह सम्पत्ति श्री सुरेन्द्र शर्मा पुत्र श्री रमेश चंद शर्मा के नाम पर है। टाइटल डीड के अनुसार संपत्ति का क्षेत्रफल-264.25 वर्ग मीटर
4.	श्री. दिनेश शर्मा पुत्र श्री रमेश चंद शर्मा (निदेशक एवं गारंटर), पता: वार्ड नं. 2 ब्राह्मण मोहल्ला मुर्तजाबाद हसनपुर, उर होडल पलवल, 121110,	लागू नहीं
5.	श्री. मुनेश शर्मा पुत्र श्री योगपाल शर्मा (गारंटर एवं बंधककर्ता) (1) पता: मकान नं. 461 आदर्श कॉलोनी, गली नं. 7, पलवल 121102 (2) पता: मकान नं. 1008, सेक्टर-2, पलवल 121102	आवासीय संपत्ति- प्लॉट सं. 1008, अर्बन एस्टेट सेक्टर-2, पलवल, यह सम्पत्ति श्री मुनेश शर्मा पुत्र श्री योगपाल शर्मा एवं श्रीमती पूनम शर्मा पत्नी श्री मुनेश शर्मा के नाम पर है। टाइटल डीड के अनुसार संपत्ति का क्षेत्रफल-84 वर्ग मीटर
6.	श्रीमती. पूनम शर्मा पत्नी श्री मुनेश शर्मा (गारंटर और बंधककर्ता) (1) पता: प्लॉट नं. 1008, सेक्टर 2, पलवल, 121102, (2) पता: मकान नं. 461 आदर्श कॉलोनी, गली नं. 7, पलवल 121102	आवासीय संपत्ति- प्लॉट सं. 1008, अर्बन एस्टेट सेक्टर-2, पलवल, यह सम्पत्ति श्री मुनेश शर्मा पुत्र श्री योगपाल शर्मा एवं श्रीमती पूनम शर्मा पत्नी श्री मुनेश शर्मा के नाम पर है।
7.	श्री. अजय विक्रम सिंह पुत्र श्री जनार्दन सिंह (गारंटर और बंधककर्ता) पता: फ्लैट नं. 771 सागर रेजीडेंसी, सेक्टर 50, नोएडा 201301,	आवासीय संपत्ति- फ्लैट संख्या 771/एफ-8, सागर प्रेसीडेंसी, 7वीं मंजिल, सेक्टर 50 नोएडा, यह सम्पत्ति श्री अजय विक्रम सिंह पुत्र श्री जनार्दन सिंह के नाम पर है। टाइटल डीड के अनुसार संपत्ति का क्षेत्रफल-146.87 वर्ग मी.
8.	श्रीमती सुमन शर्मा पत्नी श्री सुरेन्दर शर्मा (गारंटर और बंधककर्ता) पता: फ्लैट नं. 602, टॉवर रियाल्टो, ब्लॉक नं. 8, ओमेक्स हाइट, सेक्टर-86, फरीदाबाद-121001	विस्तारित बंधक रिहायशी सम्पत्ति जोकि प्लॉट नं. 1487 पी, सेक्टर 14, अर्बन एस्टेट, फरीदाबाद, हरियाणा 121007 में स्थित, यह सम्पत्ति श्री सुरेन्द्र शर्मा और श्रीमती सुमन शर्मा के नाम पर है। टाईटल विलेख के अनुसार संपत्ति का क्षेत्रफल-600 वर्ग गज (यह संपत्ति श्री सुरेन्द्र शर्मा और श्रीमती सुमन शर्मा के नाम पर लिए गए आवास ऋण और संपत्ति के विरुद्ध ऋण सुविधाओं के लिए सामान्य सुरक्षा है और इन ऋणों का कुल बकाया रुपये 2,03,30,231.30 (रु. दो करोड़ तीन लाख तीस हजार दो सौ इकतीस और तीस पैसे मात्र) दिनांक 17.05.2024 तक)
9.	श्री ओम प्रकाश शर्मा पुत्र श्री राम जी लाल शर्मा (गारंटर एवं बंधककर्ता) पता: मकान नं. 1972, सेक्टर 8 फरीदाबाद, हरियाणा, 121006	वाणिज्यिक संपत्ति- प्लॉट सं. 90, सेक्टर 58 अर्बन एस्टेट फरीदाबाद यह सम्पत्ति श्री ओम प्रकाश शर्मा पुत्र श्री राम जी लाल शर्मा के नाम पर है। टाइटल डीड के अनुसार संपत्ति का क्षेत्रफल-265 वर्ग मी.
10.	श्री सुशील शर्मा पुत्र श्री श्री राम शर्मा (गारंटर एवं बंधककर्ता) पता: एच नं. 249 सेक्टर-8 फरीदाबाद 121006	आवासीय संपत्ति- मकान सं. 249, सेक्टर 8 फरीदाबाद , यह सम्पत्ति श्री सुशील शर्मा पुत्र श्री श्री राम शर्मा के नाम पर है। टाइटल डीड के अनुसार संपत्ति का क्षेत्रफल-366.67 वर्ग गज
11.	श्री विपिन शांडिल्य पुत्र स्वर्गीय श्री खेम चंद शर्मा (गारंटर और बंधककर्ता) (1) पता: मकान सं. 1237, सेक्टर 17, ओल्ड फरीदाबाद, हरियाणा 121002 (2) पता - सी/ओ मैसर्स के सी मेटल, मैसर्स गोपी एंड संस के सामने, मीनार गेट चौक के पास (दिल्ली एंड ओल्ड जीटी रोड) पलवल 121102, (3) पता : मकान नं. 2, वार्ड नं. 27 शिवपुरी - मोहल्ला पलवल हरियाणा 121102	वाणिज्यिक संपत्ति- सी/ओ मैसर्स के सी मेटल, मैसर्स गोपी एंड संस के सामने, मीनार गेट चौक के पास (दिल्ली एंड, ओल्ड जीटी रोड, पलवल, तहसील और जिला: पलवल, यह सम्पत्ति श्री विपिन शांडिल्य पुत्र स्वर्गीय श्री खेम चंद शर्मा के नाम पर है। टाइटल डीड के अनुसार संपत्ति का क्षेत्रफल-85 वर्ग गज
12.	श्री रमेश चंद शर्मा पुत्र श्री पी.एल शर्मा (गारंटर) पता: वार्ड नं. 2 ब्राह्मण मोहल्ला मुर्तजाबाद हसनपुर, उर होडल पलवल, -121110,	लागू नहीं

कुल बकाया (बैंक गारंटी की बकाया राशि सहित) दिनांक 17.05.2024 तक कुल बकाया राशि रु. 31,20,35,423.71 (रु. इकतीस करोड़ बीस लाख पैंतीस हजार चार सौ तेईस और इकहत्तर पैसे मात्र) *उपरोक्त तिथि से भुगतान की तिथि तक अनुबंधित दरों/शेषों पर अतिरिक्त ब्याज के साथ देय होगा।
मांग सूचना की तिथि- 20.05.2024
*उपरोक्त तिथि से भुगतान की तिथि तक अनुबंधित दरों/शेषों पर अतिरिक्त ब्याज के साथ देय होगा।
4. यदि उक्त उधारकर्ता/बंधककर्ता/गारंटर उपर्युक्त अनुसार इंडियन ओवरसीज बैंक को भुगतान करने में विफल रहते हैं, तो इंडियन ओवरसीज बैंक उपरोक्त सुरक्षित परिसंपत्तियों के विरुद्ध सरफेसी अधिनियम और नियमों की धारा 13(4) के अंतर्गत पूरी तरह से उक्त उधारकर्ता/बंधककर्ता/गारंटर के जोखिम, लागत और परिणामों पर कार्यवाही करेगा।
5. इसके अलावा, उधारकर्ता/बंधककर्ता/गारंटर का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है, जो सुरक्षित परिसंपत्तियों को छुड़ाने के लिए उनके पास उपलब्ध समय के संबंध में है।
6. उक्त उधारकर्ता/बंधककर्ता/गारंटर को सरफेसी अधिनियम के तहत सुरक्षित परिसंपत्तियों को स्थानांतरित करने से प्रतिबंधित किया गया है, चाहे वह बिक्री, पट्टे या अन्यथा भारतीय ओवरसीज बैंक की पूर्व लिखित सहमति के बिना हो।
कोई भी व्यक्ति जो अधिनियम या नियमों के प्रावधानों का उल्लंघन करता है या उल्लंघन के लिए उकसाता है, वह अधिनियम की धारा 29 के तहत दिए गए कारावास और/या जुर्माने के लिए उत्तरदायी होगा।

दिनांक: 21.06.2024
स्थान: फरीदाबाद
हस्ता/- प्राधिकृत अधिकारी,
इंडियन ओवरसीज बैंक

बुमराह-अर्शदीप-कुलदीप के कमाल से जीता भारत

● विश्व कप सुपर आठ में अफगानिस्तान को 47 रनों से हराया

भाषा। ब्रिजटाउन (बारबडोस)

सूर्यकुमार यादव के अर्धशतक के बाद गेंदबाजी में अर्शदीप-बुमराह के 3-3 विकेट व कुलदीप के दो विकेट की मदद से भारत ने आईसीसी टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण के ग्रुप एक मैच में गुरुवार को यहां अफगानिस्तान को 47 रनों से हरा दिया।

इससे पहले भारत ने अफगान टीम के खिलाफ आठ विकेट पर 181 रन बनाए। सूर्यकुमार ने 28 गेंद में पांच चौकों और तीन छक्कों से 53 रन की पारी खेलने के अलावा हार्दिक पंड्या (32 रन, 24 गेंद, तीन चौके, दो छक्के) के साथ पांचवें विकेट के लिए 37 गेंद में 60 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। विराट कोहली (24) और ऋषभ पंत (20) ने भी उपयोगी पारियां खेली। भारत अंतिम छह ओवर में 66 रन जुटाने में सफल रहा।अफगानिस्तान की ओर से कप्तान राशिद खान ने 26 जबकि फजलहक फारूकी ने 33 रन देकर तीन-तीन विकेट चटकाए।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। टीम पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज डेविड जॉनसन की याद में बांह पर काली पट्टी बांधकर खेली जिनका गुरुवार को निधन हो गया।भारत ने धीमी शुरुआत के बाद तीसरे ओवर में ही रोहित (08) का विकेट गंवा दिया जो फजलहक फारूकी की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में राशिद को कैच दे बैठे। ऋषभ पंत ने आते ही फारूकी पर चौका जड़ा जबकि कोहली ने नवीन उल हक का स्वागत सीधे छक्के के साथ किया। पंत ने नबी पर लगातार तीन चौके मारे। दूसरे छोर के दौरान हालांकि वह भाग्यशाली रहे जब नवीन ने उनका कैच टपका दिया।भारत ने पावर प्ले में एक विकेट पर 47 रन बनाए। पंत हालांकि अगले ओवर में राशिद की सीधी गेंद को चूककर पगबाधा हो गए। उन्होंने 11 गेंद में चार चौकों से 20 रन बनाए।कोहली (24) भी राशिद के अगले ओवर में उठाकर शॉट मारने की कोशिश में लॉन्ग ऑफ बाउंड्री पर नबी को कैच दे बैठे। शिवम दुबे (10) ने नूर अहमद जबकि सूर्यकुमार यादव ने राशिद पर छक्का मारा। राशिद ने हालांकि दुबे को पगबाधा करके भारत को चौथा झटका दिया। सूर्यकुमार ने ओमरजई पर दो चौकों के साथ 13वें ओवर में भारत के रनों का शतक पूरा किया।

स्कोरबोर्ड

भारत: रोहित शर्मा का राशिद बो फारूकी 08,विराट कोहली का नबी बो राशिद 24, ऋषभ पंत पगबाधा बो राशिद 20,सूर्यकुमार यादव का नबी बो फारूकी 53,शिवम दुबे पगबाधा बो राशिद 10,हार्दिक पंड्या का ओमरजई बो नवीन 32, रविंद्र जडेजा का गुलबदिन बो फारूकी 07, अक्षर पटेल रन आउट 12,अर्शदीप सिंह नाबाद 02,**अतिरिक्त:** 13 ,**कुल:**20 ओवर में आठ विकेट पर: 181 रन,**विकेट पतनः**1-11, 2-54, 3-62, 4-90, 5-150, 6-159, 7-165, 8-181,**गेंदबाजी:** फारूकी 4-0-33-3,नबी 3-0-24-0, नवीन 4-0-40-1,राशिद 4-0-26-3,नूर 3-0-30-0, ओमरजई 2-0-23-0

भारत चेन्नई-कानपुर में खेलेगा बांग्लादेश से

● बेंगलुरु, पुणे और मुंबई में होगी न्यूजीलैंड से भिड़ंत

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपनी सीनियर पुरुष टीम के 19 सितंबर से 12 फरवरी तक के कार्यक्रम की घोषणा की जिसमें भारत विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के अपने कैलेंडर में पांच घरेलू टेस्ट के बाद आस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी सरजमीं पर पांच मैच की श्रृंखला खेलेगा। भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई और कानपुर में दो टेस्ट मैच खेलेगी जिसके बाद बेंगलुरु, पुणे और मुंबई में तीन मैच की टेस्ट श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगा। इन पांच टेस्ट के अलावा भारत को घरेलू मैदानों पर आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन वनडे मैच खेलने हैं। बांग्लादेश के खिलाफ भारत तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगा जबकि इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन वनडे की पूर्ण श्रृंखला 22 जनवरी से 12 फरवरी तक खेली जाएगी। बल्कि इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम वनडे से भारत का घरेलू सत्र भी खत्म हो जाएगा क्योंकि इसके बाद टीम चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए रवाना होगी जिसके हाइब्रिड मॉडल में खेले जाने की उम्मीद है क्योंकि रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम के पाकिस्तान की यात्रा करने की उम्मीद नहीं है। भारत का घरेलू अंतरराष्ट्रीय सत्र बांग्लादेश के खिलाफ 19 सितंबर से चेन्नई में शुरू होगा और दूसरा टेस्ट कानपुर में 27 सितंबर से खेला जाएगा। इसके बाद तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच धर्मशाला (छह अक्टूबर), दिल्ली (नौ अक्टूबर) और हैदराबाद (12 अक्टूबर) में होंगे। न्यूजीलैंड श्रृंखला बेंगलुरु (16 से 20 अक्टूबर) में पहले टेस्ट से शुरू होगी जिसके बाद पुणे (24 से 28 अक्टूबर) और मुंबई (एक से पांच नवंबर) में मैच खेले जाएंगे। भारतीय टीम आस्ट्रेलिया के सात हफ्ते के मैराथन दौरे पर होगी जबकि इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला चेन्नई में 22 जनवरी से शुरू होगी। श्रृंखला के अन्य मैच कोलकाता (25 जनवरी), राजकोट (28 जनवरी), पुणे (31 जनवरी) और मुंबई (दो फरवरी) में खेले जाएंगे। तीन वनडे छह फरवरी को नागपुर, नौ फरवरी को कटक और 12 फरवरी को अहमदाबाद में होंगे।

बांग्लादेश के खिलाफ : पहला टेस्ट: चेन्नई (19-23 सितंबर),दूसरा टेस्ट: कानपुर (27 सितंबर- एक अक्टूबर),पहला टी20: धर्मशाला (6 अक्टूबर),दूसरा टी20: दिल्ली (9 अक्टूबर),तीसरा टी20: हैदराबाद (12 अक्टूबर),न्यूजीलैंड के खिलाफ : पहला टेस्ट: बेंगलुरु (16-20 अक्टूबर), दूसरा टेस्ट: पुणे (24-28 अक्टूबर),तीसरा टेस्ट: मुंबई (1-5 नवंबर),इंग्लैंड के खिलाफ : पहला टी20: चेन्नई (22 जनवरी),दूसरा टी20: कोलकाता (25 जनवरी),तीसरा टी20: राजकोट (28 जनवरी),चौथा टी20: पुणे (31 जनवरी),पांचवां टी20: मुंबई (2 फरवरी),पहला वनडे: नागपुर (6 फरवरी),दूसरा वनडे: कटक (9 फरवरी),तीसरा वनडे: अहमदाबाद (12 फरवरी)

यूएई में ग्लोबल टी-20 टीमों का चयन जुलाई में

लखनऊ। यूएई के दुबई और शारजाह सहित अन्य शहरों में अक्टूबर और नवंबर में आयोजित की जाने वाली ग्लोबल टी-20 क्रिकेट के लिए विभिन्न आयु वर्ग में टीमों का चयन जुलाई के अंतिम सप्ताह से किया जाएगा। युवा सोसाइटी और नॉर्वेजियन क्रिकेट फेडरेशन की ओर से देश के सभी राज्यों के साथ ही उत्तर प्रदेश में भी चयन होंगे। उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में चयन की तिथि जल्दी घोषित की जाएगी। इस चयन में स्कूल कॉलेज और यूनिवर्सिटी के खिलाड़ी भी भाग ले सकते हैं। जिलों के बाद मंडल पर चयन होंगे। राज्य स्तरीय चयन भी चार जिलों में होंगे। युवा सोसाइटी के अध्यक्ष परमिंदर सिंह के अनुसार ग्लोबल टी.20 में विभिन्न आयु वर्ग के मुकाबले होंगे। चयन ट्रायल में शामिल होने वाले क्रिकेटर को अपना आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य होगा।

सैमंस जिम्बाब्वे पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच बने

हरारे। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने दक्षिण अफ्रीका के जस्टिन सैमंस को पुरुष टीम का मुख्य कोच बनाया है। सैमंस दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजी कोच रह चुके है। अमेरिका और वेस्टइंडीज मे चल रहे टी20 विश्व कप के लिए जिम्बाब्वे के क्वालीफाई नही कर पाने के बाद डेव हॉटन ने कोच के पद से इस्तीफा दे दिया था। सैमंस का कार्यकाल छह जुलाई से हरारे में भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के पहले मैच से शुरू होगा। जिम्बाब्वे के पूर्व बल्लेबाज डियोन इब्राहिम सहायक कोच होंगे। वह न्यूजीलैंड की सीनियर पुरूष टीम के सहयोगी स्टाफ का हिस्सा है।

जर्मनी ने हंगरी को 2-0 से हराया, यूरो नॉक आउट में

स्टुटगार्ट (जर्मनी)। जमाल मुसियाला के यूरो 2024 मे दूसरे गोल की बदौलत जर्मनी ने बुधवार को यहां हंगरी को 2-0 से हरा दिया और यूरोपीय चैम्पियनशिप के नॉकआउट चरण मे अपनी जगह पक्की की। मुसियाला ने 22वें मिनट मे गोल करके जर्मनी को बढ़त दिलाई। लेकिन इसका हंगरी ने कड़ा विरोध किया। 21 वर्षीय मुसियाला ने शुक्रवार को स्कॉटलैड पर 5-1 की जीत के दौरान जर्मनी का दूसरा गोल दागा था। जर्मनी के लिए दूसरा गोल कप्तान इल्के गुंडोगन ने 67वे मिनट मे किया।

साहिल चौहान ने कहा, रोहित शर्मा मेरे प्रेरणास्रोत

मुंबई। टी20 क्रिकेट मे सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड बनाने वाले एस्टोनिया के बल्लेबाज साहिल चौहान ने कहा कि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा उनके प्रेरणास्रोत हैं। भारत मे जन्मे ने चौहान ने साइप्रस के खिलाफ सोमवार को हुए मैच मे केवल 27 गेंद पर शतक जड़कर क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा था जिन्होने इंडियन प्रीमियर लीग मे 30 गेंद पर शतक बनाया था। इसके साथ ही उन्होंने नामीबिया के जान निकोल लॉफ्टी-ईटन का टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मे सबसे तेज शतक(33 गेंदो पर) का रिकॉर्ड भी तोड़ा। इस 32 वर्षीय खिलाड़ी ने 41 गेंदो पर नाबाद 144 रन की तूफानी पारी खेलते हुए 18 छक्के और छह चौके लगाए।

परिस्थितियों से तालमेल बिठाने के लिए 20 दिन पहले पेरिस पहुंच जाएंगे भारतीय रोवर बलराज

कोलकाता। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले एकमात्र भारतीय रोवर (नौकायन खिलाड़ी) बलराज पंवार ने कहा कि वह परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने के लिए 20 दिन पहले पेरिस पहुंच जाएंगे और उन्हे उम्मीद है कि इसका उन्हे फायदा मिलेगा। पुरुष सिंगल स्कल्स रोइंग स्पर्धा मे भाग लेने वाले पंवार पहले बैच के उन भारतीय खिलाड़ियों मे शामिल होगे जो परिस्थितियों से तालमेल बिठाने के लिए प्रतियोगिता से काफी पहले पेरिस पहुंच जाएंगे।

साल्ट की आक्रामक पारी से इंग्लैंड की जीत

● सुपर-8 में वेस्टइंडीज को हराया

भाषा। ग्रोस आइलेट

फिल साल्ट के 47 गेंद में नाबाद 87 रन की मदद से गत चैम्पियन इंग्लैंड ने टी20 विश्व कप सुपर आठ चरण के अपने पहले मैच में सह मेजबान वेस्टइंडीज को बृहस्पतिवार को आठ विकेट से हराया। अफगानिस्तान को आखिरी ग्रुप मैच में हराने वाली वेस्टइंडीज टीम ने पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर चार विकेट पर 180 रन बनाए लेकिन जवाब में इंग्लैंड की टीम ने ग्रुप दो के मैच में 17 . 3 ओवर में ही दो विकेट पर 181 रन बना लिए। साल्ट ने अपनी आक्रामक पारी में सात चौके और पांच छक्के लगाए। वहीं जॉनी बेयरस्टो ने 26 गेंद में नाबाद 48 रन जोड़े जिसमें पांच चौके और दो छक्के शामिल थे। इंग्लैंड के गेंदबाजों को भी जीत का श्रेय जाता है जिन्होंने 51 डॉट गेंदें डाली। जोफ्रा आर्चर ने 34 रन देकर और आदिल रशीद ने 21 रन देकर एक एक विकेट लिया और किफायती गेंदबाजी की। साल्ट को सात के स्कोर पर निकोलस पूरन ने जीवनदान दिया जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया। उन्होंने बेयरस्टो के साथ तीसरे विकेट के लिए 44 गेंद में 97 रन की साझेदारी की। दोनों के बीच के ओवरों में मेजबान स्पिन आक्रमण का बखूबी सामना किया। धीमी शुरूआत के बाद इंग्लैंड ने दूसरे ओवर में खुलकर खेलना शुरू किया जब कप्तान जोस बटलर ने रोमारियो शेपर्ड को दो चौके लगाए। वहीं साल्ट ने अगले ओवर में आंद्रे रसेल को छक्का जड़ा। दोनों ने आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखते हुए पावरप्ले के छह ओवर में स्कोर बिना किसी नुकसान के 58 रन तक पहुंचाया।

बांग्लादेश की चुनौती से पार पाने के लिए ऑलराउंड खेल दिखाना होगा आस्ट्रेलिया को

नॉर्थ साउंड (एंटीगा)। कागजो पर भले ही यह मुकाबला एकतरफा नजर आता हो लेकिन ऑस्ट्रेलिया को टी20 विश्व कप के सुपर 8 के ग्रुप एक मे शुक्रवार को यहां होने वाले मैच मे बांग्लादेश के खिलाफ जीत दर्ज करने के लिए अपना ऑलराउंड खेल दिखाना होगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों को इस मुकाबले मे उतरने से पहले यह बात अच्छी तरह गांठ बांध लेनी चाहिए कि बांग्लादेश को हल्के से लेना टीम पर भारी पड़ सकता है।बांग्लादेश ने 2021 मे अपनी घरेलू धरती पर टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला मे ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराया था। यहां की परिस्थितियां भी काफी हद तक उपमहाद्वीप से मिलती हैं और ऐसे मे किसी भी तरह की ढ़िलाई ऑस्ट्रेलिया को भारी पड़ सकती है।

इंग्लैंड के बल्लेबाजों का सामना दक्षिण अफ्रीका के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण से

ग्रोस आइलेट। सह मेजबान वेस्टइंडीज को हराकर फॉर्म मे लौटे इंग्लैड के बल्लेबाजो के सामने टी20 विश्व कप सुपर आठ चरण के दूसरे मैच मे शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका के दमदार गेंदबाजी आक्रमण की कठिन चुनौती होगी। इंग्लैड ने वेस्टइंडीज को सुपर आठ चरण के पहले मैच मे आठ विकेट से हराया। अब वह ग्रुप मे नेट रनरेट (प्लस 1.34) के आधार पर शीर्ष पर है चूंकि दक्षिण अफ्रीका का नेट रनरेट उससे कम (प्लस 0 . 90) है।

क्विक न्यूज

मार्श को विश्वास, महत्वपूर्ण मौकों पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी

नॉर्थ साउंड (एंटीगा)। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिशेल मार्श ने टी20 विश्व कप के अपने आखिरी ग्रुप मैच में स्कॉटलैड के खिलाफ लचर क्षेत्ररक्षण के लिए आलोचना के बाद अपने खिलाड़ियों पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा कि उनके खिलाड़ी महत्वपूर्ण मौकों पर अच्छा प्रदर्शन करेंगे।ऑस्ट्रेलिया को सुपर आठ में अपना पहला मैच शुक्रवार को बांग्लादेश के खिलाफ खेलना है और सभी का ध्यान उसके क्षेत्ररक्षण पर रहेगा क्योंकि स्कॉटलैड के खिलाफ मैच में उसके खिलाड़ियों ने कम से कम छह कैच टपकाए। स्वयं मार्श मे तीन कैच छोड़े। ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच 5 विकेट से जीता लेकिन उसकी खेल के तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन करने की प्रतिष्ठा पर सवाल उठाए जाने लगे।मार्श ने बांग्लादेश के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कहा, निश्चित तौर पर मैदान पर वह हमारा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नही था।

शबनम शकील दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सभी प्रारूपों के लिए भारतीय टीम में शामिल

मुंबई। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही घरेलू श्रृंखला के लिए मध्यम गति की गेंदबाज शबनम शकील को भारतीय महिला टीम में शामिल किया गया है। शबनम को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण का इंतजार है।बाकी टीम मे कोई बदलाव नही किया गया है। सत्र वर्षीय शबनम को तीनो प्रारूपों के लिए टीम में शामिल किया गया है जिसमे वर्तमान मे बेंगलुरू मे चल रही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला भी शामिल है। मेजबान टीम तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला में 2-0 की विजई बढ़त हासिल कर चुकी है।

युवाओं को मिलेगा गेमिंग कंसोल का लाभ

लखनऊ। छात्र नए अकादमिक वर्ष की तैयारी कर रहे हैं ऐसे में देश की घरेलू स्तर पर विकसित हुए ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस ने मई 2024 संस्करण को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद अपने सालाना बैक टू कैंपस प्रोग्राम के जून 2024 के संस्करण की शुरुआत करने की घोषणा की है यह कैंपेन 21 जून से 27 जून के बीच चलेगा। इस कैंपेन के दौरान लैपटॉप, टैबलेट, गेमिंग कंसोल, मॉनिटर, स्मार्टवॉच, टू वायरलेस ईयरफोन, प्रिंटर्स, लैपटॉप ऐक्सेसरीज जैसे विभिन्न ब्रैंड के उत्पाद उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि छात्रों की विभिन्न प्रकार की जरूरतें पूरी की जा सकें। चूंकि मुख्य रुप से खरीदारी करने वाले छात्र होते हैं ऐसे में इस प्रोग्राम में विभिन्न प्रकार की डिवाइसों के साथ किफायत और बेहतर अनुभव को प्राथमिकता दी जाती है। इस मामले में ग्राहक फ्लिपकार्ट पर विभिन्न विकल्पों का लाभ उठा सकते हैं जिनमें सुपर क्वॉइंस, नो-कॉस्ट ईएमआई और अपग्रेड की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए पुराने लैपटॉप के लिए आकर्षक एक्सचेंज डील शामिल हैं इसके अलावा, छात्रों के लिए अतिरिक्त ऑफर के अंतर्गत लैपटॉप और टैबलेट पर छह हजार रुपये तक की छूट मिलती है। स्मार्टवॉच भी अब सिर्फ फिटनेस ट्रैकिंग की डिवाइस भर नहीं रह गए हैं और इनमें स्टाइलिश स्ट्रैप, एमोलेड डिस्प्ले, 4जी-एंड्रॉयड सिम स्लॉट, कॉलिंग की सुविधा और बिल्ट-इन गेम जैसे फीचर मिलने लगे हैं जो छात्रों की जरूरत के हिसाब से होते हैं।

इंडस इन्फर्नो में बच्चों ने मारी बाजी, रोमांचक ईस्पोर्ट्स टूर्नामेंट में जीते पुरस्कार

कानपुर। टीमवर्क और कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुए, रायपुर के रहने वाले इशाक विक्टर के नेतृत्व में टीम मोगर्स ने सुपरगेमिंग द्वारा आयोजित इंडस इन्फर्नो ईस्पोर्ट्स टूर्नामेंट में जीत हासिल की। टीम ने न केवल रु.2.5 लाख की विजेता राशि जीती बल्कि चैंपियन ट्रॉफी भी अपने नाम की। सुपरगेमिंग के सीईओ और सह-संस्थापक, रॉबी जॉन ने टूर्नामेंट की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, इंडस इन्फर्नो 2024 ने इंडस बैटल रॉयल के लिए भागीदारी और प्रतिस्पर्धा के स्तर, दोनों में ही हमारी उम्मीदों को पार कर लिया है। देश भर में ईस्पोर्ट्स के प्रति खिलाड़ियों का जुनून और समर्पण देखना हमारे लिए बेहद प्रेरणादायक रहा है। हम भारत में ईस्पोर्ट्स को एक मज़बूत मंच देने और एक वाइब्रेंट गेमिंग कल्चर को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हाल ही में, अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के कार्यकारी बोर्ड ने 142वीं आईओसी सत्र में ओलंपिक ईस्पोर्ट्सगेम्स के निर्माण का प्रस्ताव रखा। भारत के विभिन्न शहरों से आए खिलाड़ी इस टीम में शामिल थे और उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रतिभा और समन्वय का प्रदर्शन किया। कप्तान इशाक विक्टर के साथ टीम में अहमदाबाद के सार्थक रामी, कानपुर के भौमिक जायसवाल, और चंडीगढ़ के जसवंत रावत शामिल थे। उनके बेहतरीन खेल ने न केवल उनके शहरों को गौरवान्वित किया बल्कि भारत में ईस्पोर्ट्स खेल में उनकी बढ़ती प्रतिभा को भी उजागर किया। विशेष रूप से, जसवंत रावत को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मोस्ट वैल्यूड प्लेयर का खिताब मिला और रु.25,000 का नकद पुरस्कार दिया गया। इशाक विक्टर, टीम मोगर्स के कप्तान ने कहा, यह जीत हमारे लिए एक बड़ी उपलब्धि है। एंड्रॉइड के लिए गूगल प्ले स्टोर पर इंडस ने पहले ही एक करोड़ प्री-रजिस्ट्रेशन पार कर लिए हैं। अब पुणे स्थित गेम डेवलपमेंट फर्म अपने बैटल रॉयल गेम, इंडस को पूरे देश में लॉन्च के लिए तैयारी कर रही है। जो लोग इस गेम को खेलना चाहते हैं वे इंडस गेम डाटकॉम पर जा सकते हैं और क्लोज्ड बीटा के लिए साइन अप कर सकते हैं।

योग से मिलती है फिटनेस

लखनऊ। हर साल 21 जून को मनाया जाने वाला योग दिवस स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती पर योग के व्यापक प्रभाव को बताता है। योग का ज्यादा से ज्यादा लाभ लेने के लिए संतुलितए स्वच्छ और सेहतमंद आहार को बनाए रखना बेहद जरूरी है। इस तरह के आहार में मौसमी फल व सब्जियांए हरी पत्तेदार सब्जियां, साबुत अनाज, दालें और बादाम जैसे नट्स शामिल होते हैं जोकि संपूर्ण सेहत तथा तंदुरुस्ती को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। खासकरए बादाम में प्रोटीनए जिंकए मैग्नीशियमए फॉस्फोरस, कैल्शियम और विटामिन ई सहित 15 आवश्यक पोषक तत्व पाए जाते हैं। आमंड बोर्ड ऑफकैलिफोर्निया द्वारा हाल ही में कराए गए अध्ययन विटाई में यह बात सामने आई है कि वर्कआउट से पहले के लिए भी बादाम एक अच्छा स्नैक है, क्योंकि ये मांसपेशियों की सूजन को दूर करता है और एक्सरसाइज के बाद रिकवरी को तेज करता है। इसलिए बेहतर परिणाम पाने के लिए वर्क.आउट से पहले वाले स्नैक में बादाम को शामिल करना ना भूलें। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान कहती हैं कि मैं काफी लंबे समय से योग कर रही हूं और मैंने सेहत पर इसका काफी अच्छा प्रभाव महसूस किया है।

हॉकी इंडिया ने ओलंपिक पूर्व शिविर के लिए 27 खिलाड़ियों का चयन किया

बेंगलुरु। हॉकी इंडिया ने 21 जून से 8 जुलाई तक यहां भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) परिसर में लगाए जाने वाले ओलंपिक पूर्व राष्ट्रीय शिविर के लिए गुरुवार को 27 सदस्ईय पुरुष टीम की घोषणा की। भारत को ओलंपिक मे पूल बी मे रखा गया है जहां उसका सामना बेल्जियम, अर्जेंटीना, न्यूजीलैड, ऑस्ट्रेलिया और आयरलैंड से होगा। तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम ओलंपिक में अपने अभियान की शुरुआत 27 जुलाई को न्यूजीलैड के खिलाफ करेगी। भारतीय टीम एफआईएच हॉकी प्रो लीग मे अच्छा प्रदर्शन करने के बाद शिविर मे वापसी करेगी। प्रो लीग मे भारत 16 मैच मे 24 अंक के साथ अभी चौथे स्थान पर है। स्ट्राइकर दिलप्रीत सिंह को शिविर के लिए चुनी गई टीम मे जगह नही मिली है।

अंविता ने अपने दूसरे ही पेशेवर टूर्नामेंट में खिताब जीता

बेंगलुरू। अंविता नरेंद्र ने अपने दूसरे ही पेशेवर टूर्नामेंट में खेलते हुए गुरुवार को यहां महिला पेशेवर गोल्फ टूर के आठवें चरण का खिताब सात शॉट की बढ़त के साथ जीता। न्यू जर्सी में जन्मीं अंविता पिछले हफ्ते अपने पदार्पण टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से आठवें स्थान पर रहीं थी। उन्होंने यहां अंतिम दौर में दो अंडर 68 के स्कोर से कुल आठ अंडर 202 का स्कोर बनाया। अंविता ने एमेच्योर खिलाड़ी लावन्या जेडोन को पछाड़ा जो अंतिम दौर में 73 के स्कोर से कुल एक अंडर 209 के स्कोर से दूसरे स्थान पर रहीं। अंविता की तरह की अपना दूसरा पेशेवर टूर्नामेंट खेल रहीं विधात्री उर्स ने 68 के दिन के संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

जिम्बाब्वे दौरे के लिए भारतीय टीम के साथ जा सकते हैं लक्ष्मण

नई दिल्ली। वीवीएस लक्ष्मण और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में उनका सहयोगी स्टाफ छह जुलाई से शुरू हो रही पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए भारतीय टीम के साथ यात्रा कर सकता है जबकि गौतम गंभीर के कोच के तौर पर अपना कार्यकाल श्रीलंका दौरे से शुरू करने की उम्मीद है। जिम्बाब्वे श्रृंखला के लिए टीम की घोषणा इस हफ्ते के अंत में होगी जो 22 या 23 जून को हो सकती है। आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले युवा खिलाड़ी और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के टारगेट सूची वाले खिलाड़ी इस समय एनसीए में लक्ष्मण की देखरेख में शिविर में हिस्सा ले रहे हैं। गंभीर महिला टीम के पूर्व मुख्य कोच डब्ल्यूवी रमन को पछाड़कर इस समय सीनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच बनने के प्रबल दावेदार हैं। घोषणा महज औपचारिकता होगी और इसकी घोषणा अगले कुछ दिन में हो सकती है। गंभीर को बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण कोच सहित अपना सहयोगी स्टाफ चुनने का मौका भी मिलेगा। समझा जा सकता है कि गंभीर अपना कार्यकाल जुलाई के मध्य से शुरू कर सकते हैं जब भारतीय टीम सफेद गेंद की श्रृंखला के लिए श्रीलंका दौरा करेगी जिसमें उसे तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और इतने ही वनडे खेलने हैं। बीसीसीआई के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, ऐसी संभावना है कि लक्ष्मण एनसीए के कुछ कोच के साथ युवा चेहरों से भरी टीम के साथ जिम्बाब्वे की यात्रा कर सकते हैं। राहुल द्रविड़ और अन्य कोच जब अपने कार्यकाल के दौरान ब्रेक लेते थे तो लक्ष्मण और एनसीए की टीम ने हमेशा उनकी जिम्मेदारी उठाई है। यह भी तय है कि युवा टीम को ही जिम्बाब्वे भेजा जाएगा लेकिन इसमें टी20 विश्व कप दल के छह से सात सदस्य शामिल होंगे। पर रियान पराग, अभिषेक शर्मा और आल राउंडर नितीश रेड्डी को चुनना निश्चित लग रहा है लेकिन यश दयाल और हर्षित राणा को भी पहली दफा मौका मिल सकता है।

बुमराह का मुरीद हूं, उसे अपने एक्शन में किसी बदलाव की जरूरत नहीं : एम्बरोज

ब्रिजटाउन। वेस्टइंडीज के महान तेज गेंदबाज कर्टली एम्बरोज भारत के जसप्रीत बुमराह के प्रशंसक है और वह नही चाहते कि अपने गैर पारंपरिक गेंदबाजी एक्शन मे बुमराह कोई भी बदलाव करे क्योंकि उनका मानना है कि हर तेज गेंदबाज चोटिल होने के जोखिम के साथ ही मैदान पर उतरता है। इस समय दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजो मे शुमार बुमराह ने पिछले साल मार्च मे कमर की तकलीफ के कारण सर्जरी कराई थी। लंबे रिहैबिलिटेशन (स्वास्थ्य लाभ) के बाद उन्होंने नवंबर मे भारत मे वनडे विश्व कप के जरिए वापसी की और तब से शानदार फॉर्म मे है। एम्बरोज ने पीटीआई को फोन पर दिए इंटरव्यू मे कहा कि गंभीर चोट नही होने की दशा मे बुमराह को अपने एक्शन मे कोई बदलाव नही करना चाहिए। उन्होने कहा , मै जसप्रीत बुमराह का बड़ा प्रशंसक हूं। जब से मैने उसे पहली बार देखा है। वह गैर पारंपरिक गेंदबाज है लेकिन बेहद प्रभावी है और मुझे यही पसंद है। उसने भारत के लिए सभी प्रारूपों मे अच्छा प्रदर्शन किया है।

जॉनसन जिंदादिल थे, मैदान पर हार नहीं मानी : तेंदुलकर

● पूर्व क्रिकटरों ने याद किया, पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज की बालकनी से गिरने के कारण मौत

बेंगलुरू। सचिन तेंदुलकर ने भारत के पूर्व तेज गेंदबाज और टीम के अपने साथी डेविड जॉनसन को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें ऐसा व्यक्ति करार दिया जो जिंदादिल था और मैदान पर कभी हार नहीं मानता था।तेंदुलकर ने एक्स पर लिखा, मेरे पूर्व साथी डेविड जॉनसन के निधन से गहरा दुख हुआ। वह जिंदादिल थे और उन्होंने मैदान पर कभी हार नहीं मानी। मेरी संवेदनाएं उनके दोस्तों और परिवार के साथ हैं। केएससीए ने एक बयान में कहा, बड़े दिल वाले जॉनसन की कमी जरूर खलेगी और उनका निधन कर्नाटक और भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत बड़ी क्षति है। भारत के पूर्व गेंदबाज और जॉनसन के राज्य टीम के साथी वेंकटेश प्रसाद और अनिल कुंबले ने भी सोशल मीडिया पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। प्रसाद ने लिखा, डेविड जॉनसन के निधन की खबर सुनकर स्तब्ध और दुखी हूं। उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति हार्दिक संवेदना। ओम शांति। कुंबले ने कहा, अपने क्रिकेट साथी डेविड जॉनसन के निधन की खबर सुनकर दुखी हूं। उनके परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना। बहुत जल्दी चले गए बेनी। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने लिखा, डेविड जॉनसन के निधन से दुखी हूं। भगवान उनके परिवार और प्रियजनों को शक्ति दे। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने भी जॉनसन को श्रद्धांजलि दी।

भारतीय तीरंदाज विश्व कप में पदक से चूके

● ओलंपिक टीम कोटा पर निगाहें

भाषा। अंताल्या

भारतीय रिकर्व तीरंदाजी टीमों का निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा जिससे दोनों बृहस्पतिवार को यहां विश्व कप के तीसरे चरण में पदक से चूक गईं लेकिन अपनी विश्व रैंकिंग के आधार पर पेरिस ओलंपिक टीम कोटा हासिल करने के करीब हैं। विश्व कप के तीसरे चरण में भारतीय महिला टीम चौथे स्थान पर रही जबकि पुरुष टीम अंतिम 16 तक पहुंची। अब दोनों टीमों को सोमवार तक का इंतजार करना होगा जब विश्व तीरंदाजी द्वारा रैंकिंग के आधार पर आधिकारिक सूची की घोषणा की जाएगी। नए नियम के अनुसार रैंकिंग से उन दो शीर्ष देशों को ओलंपिक कोटा दिया जाता है जो ओलंपिक क्वालीफायर के जरिए कोटा हासिल नहीं कर सके। इस विश्व कप से पहले अंताल्या में फाइनल ओलंपिक क्वालीफायर कराया गया था। भारत ने धीरज बोम्मादेवरा और भजन कौर की बदौलत क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग का ओलंपिक कोटा हासिल कर लिया है।

विश्वनाथ, शीतल व ऋतु ने पानी में बिखेरा जलवा

● समन्वय तैराकी

लखनऊ। सब जूनियर,जूनियर राज्य स्तरीय समन्वय तैराकी चैम्पियनशिप- 2024 में विश्वनाथ, शिवम व सूरज ने अपने-अपने वर्गो में सफलता हासिल की। 800 फ्री स्टाइल पुरुष में विंध्याचल के विश्वनाथ आनंद ,गोरखपुर शिवम सिंह व गोरखपुर सूरज यादव ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल किया। 800 फ्री स्टाइल महिला वर्ग में स्पोर्ट्स हॉस्टल की लखनऊ शीतल निषाद ,गोरखपुर अंकिता चौहान व विन्ध्याचल ऋ तु निषाद ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल किया। 800 फ्री स्टाइल पुरुष में विंध्याचल के अनुज निषाद ,स्पोर्ट्स हॉस्टल लखनऊ अखिलेश यादव व स्पोर्ट्स कॉलेज सैफ ई प्रिंस यादव क्रमशः पहला, दूसरा व तीसरा स्थान हासिल किया। 800 फ्री स्टाइल महिला ग्रुप में वाराणसी की गायत्री लखनऊ स्पृहा सिंह और यहीं की काशवी वर्मा सफल रही।

अर्जुन अकादमी सेमीफाइनल में

लखनऊ। रुदांश वार्ष्णेय ;3 विकेटए 55 रनद्ध के शानदार हरफनमौला खेल की बदौलत अर्जुन क्रिकेट अकादमी ब्लू ने अभ्युदय यूथ प्रांतीय क्रिकेट प्रतियोगिता के क्वार्टर फ इनल में गुरुकुल क्रिकेट अकादमी को 6 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सीएसएस क्रिकेट अकादमी के मैदान पर गुरुकुल क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते 122 रन बनाए। टीम के 38 रन के कुल स्कोर पर 3 विकेट गिर गए थे। अभिषेक सिंह ने सबसे ज्यादा 38 रन बनाए। शिवांश सिंह व रोहित यादव ने 16-16 रन जोड़े। दूसरी ओर अन्य बल्लेबाज टिक कर खेल न सके। अर्जुन क्रिकेट अकादमी ब्लू से रुदांश वार्ष्णेय ने 7 ओवर में 1 मेडन के साथ 29 रन देकर 3 विकेट की सफ्लता प्राप्त की। जवाब में अर्जुन क्रिकेट अकादमी ब्लू ने 28.4 ओवर में 4 विकेट पर 123 रन बनाकर मैच जीतते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई।

यूपी किक बॉक्सिंग ट्रेनर डिप्लोमा कोर्स 21 जून से

लखनऊ। किक बॉक्सिंग एसोसिएशन ऑफउत्तर प्रदेश के तत्वावधान में यूपी किक बॉक्सिंग ट्रेनर डिप्लोमा कोर्स का आयोजन 21 व 22 जून 2024 को किया जाएगा। एसोसिएशन के अध्यक्ष डा.सैयद रफत जुबैर रिजवी ने बताया कि किक बॉक्सिंग के कोचिंग के नए तरीकों व नए नियमों से परिचित कराने के लिए ये डिप्लोमा कोर्स तैयार किया गया है ताकि प्रदेश में किक बाक्सिंग के सुचारु व क्रमबद्ध विकास का रोडमैप तैयार हो सके। उन्होंने बताया कि इस कोर्स का संचालन अवध रेजीडेंसी अवध जिमखाना के पासद्व स्थित उत्तर प्रदेश ओलंपिक सभागार में सुबह 11 बजे से किया जाएगा। एसोसिएशन के महासचिव अरविंद शेरवालिया ने बताया कि इस कोर्स में उत्तर प्रदेश के 50 से अधिक कोचेज भाग लेंगे और इसके उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को डिप्लोमा प्रमाणपत्र व कोच लाइसेंस दिया जाएगा जिसके बाद वो प्रदेश में कहीं भी कोचिंग देने के पात्र होंगे।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5,बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-69342500।